सूर्योदय 6.02 सूर्यास्त 6:34

आज का तापमान

शिमला	15.6 न्यू	23.8 अधि
धर्मशाला	13.8 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,764
निफ्टी	23,432

सोना 1,53,000 चांदी 2,35,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 10 सितंबर 2026 | 25 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 136, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

भारत ने सऊदी अरब पर हूती आतंकवादियों के हमले की निंदा की

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब में आम नागरिकों एवं आर्थिक केंद्रों पर यमन स्थित हूती आतंकवादियों द्वारा हमलों को क्षेत्रीय सुरक्षा एवं स्थिरता को कमजोर करने वाला बताते हुए कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सऊदी अरब में मंगलवार को हूती आतंकवादियों के हमलों की खबरों पर बुधवार को मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि भारत सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर हुए हमलों की, खासकर आम नागरिकों और आर्थिक सुविधाओं को निशाना बनाए जाने की निंदा करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले, जो क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करते हैं और बाब-अल-मंदेब में आवाजाही की आज़ादी के लिए खतरा पैदा करते हैं, उन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता।

तेलंगाना विधानसभा में केटीआर समेत बीआरएस के 22 विधायक निलंबित

एजेंसी, हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा में बुधवार को कार्यवाही के दौरान हंगामा करने पर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सभी 22 विधायकों को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित विधायकों में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव भी शामिल हैं। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही बीआरएस विधायकों ने 'हमें न्याय चाहिए' जैसे नारे लगाए। इसके बाद वे सदन के वेल में पहुंच गए और लगातार विरोध प्रदर्शन करते रहे। स्पीकर ने कहा कि वह यह जांच करेंगे कि क्या बीआरएस विधायकों ने अपनी मांगें लिखित रूप में उन्हें सौंपी हैं। इसके बाद विधायी कार्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने विधायकों के निलंबन का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव के बाद स्पीकर ने बीआरएस के सभी 22 विधायकों को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करने की घोषणा कर दी।

हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों ने एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि हंदवाडा पुलिस को हंदवाडा-कुपवाड़ा क्षेत्र में प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) मॉड्यूल के तहत एक 'हाइब्रिड आतंकवादी' के सक्रिय होने की विश्वसनीय सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों ने हंदवाडा कस्बे में चिन्हित स्थान पर त्वरित कार्रवाई की। गहन सुरक्षा जांच के बाद हंदवाडा के क्रुहमुरा निवासी मंजूर अहमद भट को गिरफ्तार कर लिया गया।

एशियन गेम्स से पहले जापान में बाढ़

एजेंसी, नागोया। एशियन गेम्स की शुरुआत से 10 दिन पहले जापान के नागोया में बाढ़ आ गई। स्थिति यह बनी की एशियन गेम्स में भाग लेने आए 400 खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया। बाढ़ में नागोया शहर की सड़कें और घर डूब गए। मेयर इचिरो हिरोसावा ने दावा किया कि एशियन गेम्स के लिए कोई चिंता की बात नहीं है। टूर्नामेंट का आयोजन तय समय पर होगा।

सीजेआई सूर्यकांत की नोएडा मजिस्ट्रेट को फटकार, बोले- हिम्मत कैसे हुई

सीजेपी प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर रद्द करने का दे चुके आदेश, फिर नोटिस क्यों?

एजेंसी, नई दिल्ली। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने नोएडा के मजिस्ट्रेट को फटकार लगाई। बुधवार को सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'जब सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर रद्द कर दी हैं।

विरोध प्रदर्शनों को लेकर किसी भी छात्र के खिलाफ भविष्य में जबरदस्ती की कार्रवाई पर रोक लगाई है। ऐसे में एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने छात्र को नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे की? कोई भी मजिस्ट्रेट उस आदेश का उल्लंघन नहीं कर सकता।' दरअसल, 4 सितंबर को नोएडा कमिश्नरेट के थर्ड एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट आर के सिसोदिया ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन में शामिल छात्र अक्षत त्रिपाठी के खिलाफ नोटिस जारी किया था। इसमें 5 लाख रुपए का बॉन्ड और इतनी ही रकम के दो जमानतदार पेश करने को कहा गया था। इसके बाद छात्र ने मंगलवार को

वीडियो जारी कर कहा था- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद मुझे विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए धमकाया जा रहा है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट विश्वजीत भट्टाचार्य ने मौखिक रूप से सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच को यह बात बताई। उन्होंने बताया कि एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने एक छात्र को नोटिस जारी कर पूछा कि शांति बनाए रखने के लिए 5 लाख रुपए का पर्सनल बॉन्ड क्यों न भरवाया जाए। बाद में नोटिस वापस ले लिया गया।

सरकार बोली- मैरिटल रेप को अपराध बनाना संसद का काम

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने कोर्ट में कहा कि मैरिटल रेप को अलग अपराध बनाना संसद और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र का विषय है, सुप्रीम कोर्ट का नहीं। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना बेंच ने कहा कि शादी का मतलब महिला की आजादी का खत्म होना नहीं है, लेकिन मौजूदा कानून के तहत क्या पति पर मैरिटल रेप में केस चल सकता है? मामले की अंतिम सुनवाई 3 हफ्ते बाद होगी। दरअसल, पूरा मामला पत्नी की इच्छा के खिलाफ पति के संबंध बनाने को रेप मानने को लेकर है। मौजूदा कानून के अनुसार, अगर पत्नी की उम्र 18 साल या उससे ज्यादा है, तो उसकी इच्छा के खिलाफ संबंध रेप नहीं माना जाएगा। इसे मैरिटल रेप की कानूनी छूट कहा जाता है।

◆ **सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- क्या मौजूदा कानून के तहत केस चल सकता है?**

रेलवे के 3 मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी, 10,783 करोड़ से पांच राज्यों में 656 किमी नई रेल लाइनें बिछेंगी

एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट मीटिंग हुई। इसमें रेलवे के तीन मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई। इन परियोजनाओं पर कुल 10,783 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

इन प्रोजेक्ट्स के तहत पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में करीब 656km रेल लाइनें बढ़ाई जाएंगी। इससे करीब 4,790 गांवों के 56 लाख लोगों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है। खड़गपुर-झारसुगुड़ा रेल सेक्शन के बीच चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। इसके अलावा कटनी-पेंड्रा रोड सेक्शन में भी चौथी लाइन बनाई जाएगी। वहीं, बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड सेक्शन में तीसरी लाइन का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं से हर साल करीब 27 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई की क्षमता विकसित होगी। इससे उद्योगों तक कच्चा माल पहुंचाने और तैयार माल को बाजार तक ले जाने में मदद मिलेगी। साथ ही, माल

◆ **27 मिलियन टन अतिरिक्त माल की होगी ढुलाई**

परिवहन की लागत कम करने में भी फायदा हो सकता है। सरकार ने रेलवे को पर्यावरण के लिहाज से बेहतर और ऊर्जा-कुशल परिवहन माध्यम बताया है। नई रेल लाइनों से माल और यात्रियों के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी। सरकार के अनुमान के अनुसार, इन परियोजनाओं से हर साल करीब 12 करोड़ लीटर तेल की बचत हो सकती है। इसके अलावा 62 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होने का अनुमान है। सरकार ने इस कमी को करीब 2.48 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर बताया है। इससे देश के जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सबसे करीबी दोस्त और पड़ोसी होने के नाते भारत हमेशा श्रीलंका की मदद करता रहेगा : राजनाथ

एजेंसी, नई दिल्ली। तीन दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच कई तरह की साझेदारी के सभी मुद्दों पर बातचीत की। दोनों पक्षों ने इस बात पर फिर से जोर दिया कि दोनों देश करीबी पड़ोसी और समुद्री पार्टनर के तौर पर भारत और श्रीलंका की भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। साथ ही इस इलाके की सुरक्षा, शांति और खुशहाली पक्की करने के लिए मिलकर काम करेंगे। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के नागरिकों के बीच मजबूत ऐतिहासिक और सिविलाइजेशनल रिश्तों और लोगों के बीच मेलजोल पर आधारित गहरी दोस्ती है। रक्षा मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद करके दोहराया कि श्रीलंका कभी भी अपने इलाके का इस्तेमाल भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ किसी भी काम के लिए नहीं होने देगा।

कच्चा तेल 100 डॉलर पार, 6 हफ्ते में सबसे महंगा

एजेंसी, वॉशिंगटन। कच्चे तेल यानी क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। 9 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड के दामों में 2.25% का इजाफा हुआ। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर तनाव बढ़ना बताया जा रहा है। इस बढ़ोतरी के पहले क्रूड की कीमत 98 बैरल प्रति डॉलर थी। इससे पहले 24 जुलाई को क्रूड का दाम 100 बैरल प्रति डॉलर पहुंचा था। अगर कच्चे तेल के दाम ऐसे ही बढ़ते रहे तो इससे पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के दाम बढ़ सकते हैं। तेल की कीमतों में इस ताजा उछाल की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुई नई सैन्य झड़पें हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने मंगलवार देर रात बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 5 तेल टैंकरों को नष्ट कर दिया।

दिल्ली में अवैध निर्माण वाली इमारतों पर चलेगा बुलडोजर

मुख्यमंत्री रेखा ने एमसीडी को अवैध पीजी हॉस्टलों की जांच के दिए निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन के निर्देश दिए हैं।

सीएम ने एमसीडी को अवैध पीजी हॉस्टलों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रहेंगे। वहीं, दिल्ली नगर निगम ने पीजी बिल्डिंग के पास की इमारतों को गिराना शुरू कर दिया है। इन इमारतों में गर्ल्स पीजी था। लड़कियां पीजी खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट हो रही हैं। मंगलवार तक 24 संपत्तियों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई और 7 अवैध ढांचों को सील किया जा चुका था। सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी। मामले में बुधवार तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पीजी ढहने के मामले में अब तक 5 अरेस्ट

दिल्ली पुलिस ने पीजी हादसे में बुधवार को सुधांशु नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। वह बिल्डिंग में हॉस्टल डेज नाम से पीजी चला रहा था। उसका पार्टनर शुभम त्यागी फरार है। दोनों ने अगस्त 2025 में बिल्डिंग लीज पर ली थी। इससे पहले बिल्डिंग मालिक हरिराम बंसल, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटे महेश और लेबर कॉन्ट्रैक्टर सनोज को गिरफ्तार किया जा चुका है। सोमवार रात हरिराम बंसल, उनकी पत्नी उर्मिला और बेटे महेश को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। जस्टिस भव्य खराल ने हरिराम और उर्मिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जबकि महेश को 2 दिन की पुलिस हिरासत मिली। पुलिस रिमांड के दौरान महेश ने बताया कि पीजी चलाने वाली कंपनी की शिकायत पर बेसमेंट में जमा पानी और सीलन की दिक्कत दूर करने के लिए मरम्मत कराई जा रही थी।

लाल किला ब्लास्ट का मास्टरमाइंड उमर नबी था : एनआईए

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट का मास्टरमाइंड आतंकी उमर उन नबी था। एनआईए ने बुधवार को चार्जशीट में ये जानकारी दी। धमाके वाली कार को नबी खुद चला रहा था। ब्लास्ट में उसकी मौत हो गई थी। एजेंसी के अनुसार, नबी उर्फ पिंडा और राहुल भट 2022 की शुरुआत से निष्क्रिय हो चुके अंसार गजवत-उल-हिंद मॉड्यूल को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा था। इस मॉड्यूल को अल-कायदा इन द इंडियन सब-कॉन्टिनेंट से जुड़े नए रूप के तौर पर बताया गया है। 10 नवंबर 2025 को लाल किले के पास शाम करीब 6:50 बजे हुए कार ब्लास्ट में 11 लोगों की मौत और 29 लोग घायल हुए थे।

राहुल गांधी लाशों पर राजनीति न करो : मुख्यमंत्री भगवंत मान

एजेंसी, संगरूर। संगरूर में तूर बंजारा के जिस मजदूर गुलजार सिंह ने पंजाब के मंत्री का नाम लेकर सुसाइड किया, अब उस पर कांग्रेस और आप में वार-पलटवार शुरू हो गया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार सुबह पोस्ट कर कहा कि पंजाब की आप सरकार में एक खतरनाक पैटर्न दिख रहा है, सरकारी नाकामी पर सवाल करोगे, तो जवाब धमकी और टॉर्चर से मिलेगा।

इस पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पलटवार करते हुए कहा- राहुल जी, लाशों पर राजनीति न करें, पंजाबी ऐसी राजनीति पसंद नहीं करते। पहले भी कांग्रेसियों को भगा दिया गया था। मामले में सभी आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं और नशा तस्करों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बता दें कि गुलजार के बेटे ने नशे के लिए घर का सामान व बर्तन तक बेच दिया था। बेटे के नशेड़ी होने से पूरा परिवार बेहद दुखी था। अपने इसी दुख का अंत ढूंढने के लिए गुलजार वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा के कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम में युद्ध नशे के खिलाफ की बात चल रही थी, तो गुलजार ने कहा कि नशा नहीं रुक रहा। बेटा नशा कर रहा है और उसे गांव में ही नशा मिल जाता है। बस इस बात से सरपंच नाराज हो गया।

◆ **कांग्रेस नेता ने कहा था- मंत्री से सवाल पर टॉर्चर-धमकी मिली**

सीएम सैनी और ऑस्ट्रेलियाई हाई कमिश्नर की हाईलेवल मीटिंग

हरियाणा-ऑस्ट्रेलिया में बढ़ेगी पार्टनरशिप; एजुकेशन स्किल और इन्वेस्टमेंट में सहयोग पर बनी सहमति

एजेंसी, पंचकूला। हरियाणा के युवाओं के लिए अब विदेश में पढ़ाई और नौकरी के नए रास्ते खुलेंगे। बुधवार को चंडीगढ़ में सीएम नायब सिंह सैनी और भारत में ऑस्ट्रेलिया के हाई कमिश्नर फिलिप ग्रीन के बीच एक हाई-लेवल मीटिंग हुई।

इस दौरान हरियाणा और ऑस्ट्रेलिया के बीच एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट, एग्रीकल्चर, क्लीन एनर्जी और इन्वेस्टमेंट समेत कई अहम सेक्टर में पार्टनरशिप मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। मीटिंग में सीएम नायब सैनी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के मजबूत रिश्तों का सीधा फायदा हरियाणा के युवाओं, विद्यार्थियों और किसानों तक पहुंचाना सरकार का मुख्य मकसद है। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई हाई कमिश्नर ने सीएम सैनी को ऑस्ट्रेलिया आने का न्योता भी दिया। इस उच्चस्तरीय बैठक में सीएम के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, उपप्रधान सचिव अजय कुमार, विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार पवन चौधरी, संयुक्त निदेशक हिना बिंदलिश और ऑस्ट्रेलिया-इंडिया बिजनेस काउंसिल के प्रतिनिधि शामिल हुए। हरियाणा के युवाओं को ग्लोबल स्टैंडर्ड के हिसाब से स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी। आईटीआई, पॉलिटेक्निक और स्किल यूनिवर्सिटीज को ऑस्ट्रेलियाई संस्थानों से जोड़ा जाएगा, ताकि हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन, आईटी और हॉस्पिटैलिटी जैसे सेक्टर्स में विदेश में रोजगार मिल सके।

स्पोर्ट्स साइंस, एथलीट ट्रेनिंग और स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में हरियाणा के खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया की एक्सपर्टाइज का फायदा मिलेगा। क्रिकेट, हॉकी और कुश्ती जैसे खेलों में स्पेशल ट्रेनिंग पर विचार किया गया।

देश की पहली बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में होगा: वैष्णव

एजेंसी, नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि देश की पहली बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रूप से निर्मित बुलेट ट्रेन का मई-जून 2027 में ट्रैक पर परीक्षण शुरू होने की उम्मीद है और परीक्षण के बाद इसका उद्घाटन किया जाएगा। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में तय है। पहले सूरत से बिलिमोरा के करीब 50 किलोमीटर के खंड को शुरू करने की योजना थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर सूरत से वापी तक करीब 100 किलोमीटर के पहले खंड को 2027 में खोलने की योजना है। इस खंड का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि भारत में निर्मित की जा रही बुलेट ट्रेन के एक कोच का निर्माण पिछले सप्ताह पूरा हो गया है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने जितेंद्र सिंह से की मुलाकात, विज्ञान पर हुई चर्चा

लाहौल-स्पीति व पांगी में खगोलीय केंद्र का रखा प्रस्ताव

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खु ने केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से भेंट कर हिमाचल प्रदेश में विज्ञान व प्रौद्योगिकी आधारित योजनाओं को मजबूत करने पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों में वैज्ञानिक सुविधाओं का विस्तार करने से जुड़े प्रस्ताव केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखे। मुख्यमंत्री ने लाहौल-स्पीति और पांगी के उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लद्दाख के हानले की तर्ज पर खगोल विज्ञान व खगोल भौतिकी केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों और युवाओं को खगोल विज्ञान के क्षेत्र में सीखने के अवसर मिलेंगे तथा ज्ञान आधारित पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। सुक्खू ने राज्य में लैवेंडर की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से प्रदर्शन स्थलों का विस्तार करने का आग्रह किया।

◆ **पंचायत स्तर पर मौसम निगरानी मजबूत करने की मांग की**

उन्होंने आकांक्षी विकासखंडों के स्कूलों में विज्ञान संग्रहालय स्थापित करने के लिए भी केंद्रीय सहयोग मांगा। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वचालित वर्षामापी और विकासखंड स्तर पर स्वचालित मौसम केंद्र स्थापित करने की पहल में तेजी लाने का आग्रह किया। इससे स्थानीय स्तर पर मौसम और वर्षा का वास्तविक समय का आंकड़ा उपलब्ध होगा तथा किसानों को बेहतर कृषि योजना बनाने में मदद मिलेगी। डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और प्रदेश को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में मुख्य सचिव कमलेश कुमार पंत सहित प्रदेश और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शुद्धिकरण यज्ञ पर सीएम धामी ने कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले-

यज्ञ को लेकर कांग्रेस के पास कोई प्रमाण नहीं

एजेंसी, हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी में कथित 'शुद्धिकरण यज्ञ' को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि कांग्रेस के पास ऐसा कोई तथ्य या प्रमाण नहीं है, जिससे यह साबित हो कि यज्ञ किसी व्यक्ति का अपमान करने के उद्देश्य से कराया गया था।

रामपुर रोड स्थित विंटेज गार्डन में भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति के उद्घाटन सत्र में शामिल होने पहुंचे धामी ने कहा कि इसके बावजूद कांग्रेस इस मामले को तूल दे रही है,जो समाज में भ्रम और विभाजन की स्थिति पैदा करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को संवेदनशील विषयों पर राजनीतिक लाभ लेने के बजाय तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए। धामी ने कहा कि राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी समाज को जोड़ने की है और ऐसे मुद्दों को हवा देने से सामाजिक सौहार्द प्रभावित होता है। इससे पहले धामी ने भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के उद्घाटन सत्र में प्रतिभाग किया। बैठक में संगठन को मजबूत करने,आगामी कार्यक्रमों और प्रदेश की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा की जा रही है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, सांसद अजय भट्ट, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल और प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

नितिन के दौरे का यूथ कांग्रेस ने किया विरोध

उधर, नितिन नवीन के हल्द्वानी दौरे के विरोध में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुद्ध पार्क में प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष विशाल भोजक के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रोड शो के दौरान भगवान हनुमान की वेशभूषा में मौजूद व्यक्ति द्वारा भाजपा का झंडा लहराए जाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई थीं।

संवाद | मुख्यमंत्री योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से किया संवाद, अति कुपोषित बच्चों के बारे में ली जानकारी

आंगनबाड़ी केंद्र देश के विकास की मजबूत नींव : योगी

एजेंसी, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में देश और प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया।

कार्यक्रम में गोरखपुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री ने पहचाना। कार्यकत्री ने कहा कि आप गोरखपुर के हमारे गांव बसियापुर में आए थे। मुख्यमंत्री ने भी मुस्कराते हुए हामी भरी। मुख्यमंत्री सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से मंच से ही बातचीत कर रहे थे। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी हमारी नींव है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं संध्या से सवाल किया कि जो अति कुपोषित बच्चे हैं, उन्हें सामान्य श्रेणी में लाने के लिए आपने क्या प्रयास किया? इस पर कार्यकत्री (कार्यकर्ता) ने बताया कि हमने रोज बच्चों का वजन किया और लंबाई नापी। बच्चों को साफ सुथरा और पौष्टिक आहार दिया। बच्चों की माताओं से भी मिलीं। उन्हें प्रेरित किया कि घर में पौष्टिक भोजन बनाएं।

मौसमी फल-सब्जी बच्चों को दें। खिचड़ी में पालक, गाजर डालकर बनाएं। फिर मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि टेक होम राशन से बच्चों को क्या लाभ मिला। कार्यकत्री ने बताया कि शुरू-शुरू में कुछ लोगों ने शिकायत की। फिर मैंने महिलाओं को समझाया। सरकार बच्चों की उम्र के हिसाब से खाने में चीनी और नमक का अनुपात रख रही है। कार्यक्रम में शामिल होने गुजरात और उड़ीसा से आई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से भी मुख्यमंत्री ने संवाद किया। उन्होंने सीधा सवाल किया कि आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र बनाने के लिए आपके स्तर से क्या प्रयास हुआ? कुपोषित बच्चों के जीवन में कैसे परिवर्तन हुआ? इस पर कार्यकत्रियों ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों का बौद्धिक, शारीरिक विकास हुआ है। गुजरात की भावना से मुख्यमंत्री ने पूछा कि वह बच्चों को खाने में क्या-क्या देते हैं। मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से संवाद किया।

बच्चों के पोषण से ही विकसित भारत का सपना होगा साकार

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में कार्यक्रम में प्रदेश की महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने बताया कि उत्तर प्रदेश में नौवें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 के तहत पोषण अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान में सहयोग करने वाले अभिभावकों का भी सम्मान किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि यदि भारत को विकसित करना है, तो बच्चों को पोषित करना अनिवार्य है। बच्चों के पोषण की बड़ी जिम्मेदारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर है। सरकार मातृवंदन योजना के तहत स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह योजना माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक है।

ओबीसी सूची में शामिल करने के मामलों की आयोग ने की समीक्षा

आयोग अध्यक्ष बोले, 25 निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले समुदाय को मिलेगा ओबीसी दर्जा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की ओर से शिमला जिले की विभिन्न जातियों और समुदायों को अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने से संबंधित मामलों की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष प्रभात चंद ने की। बैठक में संबंधित समुदायों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति के साथ निर्धारित मानकों के आधार पर प्राप्त रिपोर्टों पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोग के अध्यक्ष प्रभात चंद ने कहा कि किसी जाति या समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने के लिए सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को आधार बनाया जाता है। इसके लिए आयोग की ओर से कुल 25 मानदंड निर्धारित किए गए हैं।

जो समुदाय इन निर्धारित मानदंडों को पूरा करता है, उसके मामले में ओबीसी दर्जे के लिए आगे की प्रक्रिया अपनाई जाती है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों से आवश्यक रिपोर्ट समय पर प्राप्त नहीं हो पा रही हैं। रिपोर्ट मिलने में देरी के कारण पूरी प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। बैठक में विभिन्न समुदायों से संबंधित उपलब्ध सूचनाओं और रिपोर्टों को आयोग के समक्ष रखा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्राह्मण भुजुरु, ब्राह्मण आचारज, कुलाल या कलाल तथा भाट या भट्टा समुदायों से संबंधित 25 निर्धारित मानकों की पूरी जानकारी अभी आयोग को प्राप्त नहीं हुई है। इस संबंध में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट कानून एवं व्यवस्था शिमला की ओर से सूचनात्मक पत्र और अनुस्मारक भी भेजे गए हैं।

डोडरा क्वार समुदाय के मामले पर भी बैठक में विशेष चर्चा हुई। आयोग की ओर से 11 जून 2026 को क्वार तथा 12 जून को डोडरा क्षेत्र में सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की गई थी। इसके बाद 25 जून 2026 को उपमंडल अधिकारी नागरिक डोडरा क्वार की ओर से 25 मानदंडों पर आधारित रिपोर्ट आयोग को उपलब्ध करवाई गई। रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान कुछ बिंदुओं पर अतिरिक्त स्पष्टीकरण की आवश्यकता महसूस की गई। इनमें डोडरा क्वार क्षेत्र के निवासियों के वैवाहिक संबंधों, भूमि जोत के आकार और आर्थिक स्थिति से जुड़ी जानकारी शामिल है।

रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्र के लोगों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लाभ भी मिल रहे हैं। इसके अलावा डोडरा क्वार क्षेत्र पहले से ही अनुसूचित पिछड़ा क्षेत्र है, जिसके कारण यहां के लोगों को पिछड़ेपन से जुड़े कुछ लाभ प्राप्त हो रहे हैं। रिपोर्ट में स्थानीय लोगों के हवाले से यह भी उल्लेख किया गया है कि क्षेत्र में 21 वर्ष से कम आयु में विवाह नहीं होते और विवाह के दौरान किसी निर्धारित राशि के लेनदेन की परंपरा नहीं है। आयोग ने उपलब्ध तथ्यों और रिपोर्ट में सामने आए बिंदुओं के आधार पर आगे की प्रक्रिया को लेकर विचार-विमर्श किया। बैठक में आयोग सदस्य राजीव राणा, राकेश चौधरी, के. एस. भारती, सपना कटोच, सदस्य सचिव शिव मोहन सिंह सैनी सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इनमें एडीएम कानून एवं व्यवस्था पंकज शर्मा, एसडीएम शिमला ग्रामीण मंजीत शर्मा, एसडीएम ठियोग डा. शशांक गुप्ता, एसडीएम कुमारसैन मुकेश कुमार, एसडीएम डोडरा क्वार कीर्ति चंदेल, एसडीएम सुन्नी राजेश वर्मा, एसडीएम चौपाल हेम चंद वर्मा, एसडीएम शिमला शहरी सन्नी शर्मा और एसडीएम जुब्बल गुरमीत नेगी सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे।

इसके बाद आयोग द्वारा संबंधित विभागों से लंबित बिंदुओं को भी शीघ्र स्पष्ट रिपोर्ट उपलब्ध करवाने पर जोर दिया गया। अध्यक्ष ने कहा कि सभी मामलों में निर्धारित मानकों और उपलब्ध तथ्यों का निष्पक्ष अध्ययन किया जाएगा। रिपोर्ट पूरी होने के बाद ही समुदायों को अन्य पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल करने संबंधी निर्णय की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। आयोग ने अधिकारियों को आवश्यक सूचनाएं जल्द उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए, ताकि आवेदनों के निस्तारण में अनावश्यक देरी न हो। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी समुदाय के मामले पर निर्णय सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति के समग्र मूल्यांकन के आधार पर लिया जाएगा।

पेंशनरों की लंबित देनदारियों के भुगतान की मांग, सरकार से जल्द कार्रवाई की अपील

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। भारतीय राज्य पेंशनर संघ जयनगर इकाई की बैठक अध्यक्ष सोहन लाल ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की जानकारी संघ के महासचिव हरदेव महाजन ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। बैठक में पेंशनरों से जुड़े विभिन्न लंबित मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान एक सितंबर को शिमला में प्रदेश संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय धरना-प्रदर्शन में भाग लेने वाले सभी पेंशनर साथियों का आभार व्यक्त किया गया।

बैठक में वक्ताओं ने प्रदेश सरकार के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि संयुक्त संघर्ष समिति के नेताओं को अभी तक वार्ता के लिए नहीं बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि पेंशनरों की समस्याओं का समाधान बातचीत के माध्यम से किया जाना चाहिए और सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पेंशनरों ने कहा कि 67 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनरों को भी बकाया राशि के भुगतान को लेकर सरकार की ओर से किए जा रहे दावे वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाते। उनके अनुसार केवल मूल पेंशन की बकाया राशि का भुगतान किया गया है जबकि लीव एनकैशमेंट, ग्रेच्युटी तथा अन्य देय लाभ अभी भी लंबित हैं। इससे पेंशनरों में असंतोष बढ़ रहा है।

पेंशनरों ने लंबित देनदारियों के शीघ्र भुगतान की उठाई मांग

बैठक में सरकार से सभी लंबित देनदारियों का शीघ्र भुगतान करने की मांग उठाई गई। इसके साथ ही 15 प्रतिशत महंगाई राहत की बकाया किस्तों का भुगतान भी जल्द करने की मांग की गई। पेंशनरों ने कहा कि लंबे समय से लंबित भुगतान के कारण सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं की तो प्रदेश संयुक्त संघर्ष समिति के आगामी आंदोलनात्मक कार्यक्रमों में जयनगर इकाई सक्रिय रूप से भाग लेगी।

बैठक में विद्यासागर, रामलाल, जगत राम, रतीराम, हरिदास, गोपालचंद, बाबूराम, श्याम सिंह, हरदेव महाजन, जीत राम, प्रताप सिंह और रमेश चंद्र सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि पेंशनरों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उन्होंने सरकार से शीघ्र बैठक बुलाकर सभी लंबित मामलों का समाधान करने तथा पेंशनरों को राहत देने की मांग दोहराई।

प्राथमिक शिक्षकों का क्रमिक अनशन 46वें दिन भी जारी, मांगों पर अड़े शिक्षक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से अपनी विभिन्न न्यायोचित मांगों को लेकर शुरू किया गया क्रमिक अनशन शुक्रवार को 46वें दिन भी जारी रहा। निदेशालय स्कूल शिक्षा शिमला परिसर में चल रहे इस आंदोलन में प्रदेशभर के प्राथमिक शिक्षक लगातार भाग ले रहे हैं। संघ का कहना है कि मांगों के समाधान तक आंदोलन शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से जारी रखा जाएगा।

अनशन के 46वें दिन जिला मंडी के राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक द्रंग-1 के पदाधिकारियों ने भी धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन में भाग लिया। इनमें ब्लॉक अध्यक्ष बलबीर, जिला मंडी पीटीएफ के मुख्य लेखाकार श्याम लाल, हिमाचल प्रदेश राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के सह सचिव पप्पू राम, सह कोषाध्यक्ष शंकरदेव और ब्लॉक द्रंग-1 के कार्यालय सचिव देवेंद्र कुमार शामिल रहे।

पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा और उनकी लंबित मांगों के समाधान के लिए संघ एकजुट होकर संघर्ष कर रहा है। शिक्षकों ने सरकार से अपील की कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द समाधान निकाला जाए। संघ का कहना है कि आंदोलन को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों की तर्ज पर गांधीगिरी के तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है।

शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य शांतिपूर्ण तरीके से सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाना है। संघ के अनुसार आंदोलन की शुरुआत 11 जुलाई 2026 को पैदल न्याय यात्रा से हुई थी। न्याय यात्रा शिमला पहुंचने के बाद 26 जुलाई को चौड़ा मैदान में विशाल धरना आयोजित किया गया। इसके बाद क्रमिक अनशन शुरू किया गया, जो अब 46वें दिन में पहुंच गया है।

प्रॉक्सी बैठाकर बैंक में नौकरी, तीन साल बाद खुला फर्जीवाड़ा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक में कथित फर्जी तरीके से नौकरी हासिल करने के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दो कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि दोनों ने संस्थानिक बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान की परीक्षा में अपनी जगह दूसरे व्यक्तियों को बैठाकर परीक्षा पास की और बाद में बैंक में नियुक्ति हासिल कर ली। मामले में राजस्थान निवासी रविंद्र मीणा और जितेंद्र कुमार मीणा को आरोपित बनाया गया है। प्राथमिकी दर्ज होने के समय रविंद्र मीणा मंडी जिले की बगस्याड़ शाखा तथा जितेंद्र कुमार मीणा पांगणा शाखा में कार्यालय सहायक के पद पर कार्यरत थे। जांच के दौरान सामने आया कि परीक्षा के समय और बाद के सत्यापन में अभ्यर्थियों की पहचान को लेकर विसंगतियां थीं।

अनिरुद्ध सिंह ने विजेता छात्राओं को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुग्गर में छात्राओं की चार दिवसीय खंड स्तरीय अंडर-14 खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और सभी प्रतिभागियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

मंत्री ने कहा कि खेल में हार और जीत से अधिक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में भाग लेना और अपनी प्रतिभा को निखारना है। उन्होंने हारने वाली टीमों से निराश न होने तथा भविष्य में और अधिक मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ खेलकूद भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। प्रदेश सरकार स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर भी विशेष ध्यान दे रही है।

उन्होंने कहा कि खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत की जा सकती है।

अनिरुद्ध सिंह ने कसुम्पटी क्षेत्र के विकास को लेकर भी कई घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि फागू से धरेच संपर्क सड़क के उन्नयन पर 15 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। जुग्गर से कटैया मझार संपर्क सड़क का निर्माण भी जल्द शुरू करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि जुग्गर स्कूल में छह अतिरिक्त कमरों का निर्माण किया जाएगा और इसके लिए संबंधित अधिकारियों को प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। सतोग पंचायत में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए उन्होंने एक करोड़ 14 लाख रुपये देने की घोषणा की। प्रतियोगिता प्रभारी कौशल्या देवी ने बताया कि प्रतियोगिता में 14 स्कूलों के 225 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, शतरंज, योग और भाषण सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

चयनित 40 छात्राओं को जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए भेजा जाएगा। वॉलीबॉल में ठियोग स्कूल, कबड्डी में चियोग स्कूल, खो-खो में जुग्गर स्कूल और बैडमिंटन में कयारटु स्कूल ने बाजी मारी। योग में एचपीएस ठियोग, शतरंज में एमपीएस चियोग तथा भाषण में सेहमल स्कूल विजेता रहे।

नाममात्र छात्रों वाले स्कूलों में संसाधन खर्च करना उचित नहीं : हाई कोर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने कम छात्र संख्या वाले सरकारी स्कूलों के विलय को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने बिलासपुर जिले के राजकीय मिडल स्कूल संडयार को नजदीकी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छत में विलय करने के सरकार के निर्णय को सही ठहराते हुए स्कूल प्रबंधन समिति की याचिका खारिज कर दी।

अदालत ने कहा कि जिन स्कूलों में छात्रों की संख्या नाममात्र रह गई है वहां शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों सहित अन्य संसाधनों का इस्तेमाल सीमित हो जाता है। ऐसे में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग उन विद्यालयों में किया जाना चाहिए जहां विद्यार्थियों की संख्या अधिक है और उनकी जरूरत भी अधिक है। न्यायाधीश अजय मोहन गोयल और न्यायाधीश योगेश जसवाल की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए सरकार के निर्णय में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। स्कूल प्रबंधन समिति ने सरकार की 10 जून 2026 को जारी अधिसूचना को चुनौती दी थी।

इस अधिसूचना के तहत शिक्षा ब्लॉक घुमारवीं प्रथम के राजकीय मिडल स्कूल संडयार को बंद कर उसका नजदीकी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छत में विलय करने का निर्णय लिया गया था। अदालत ने संसाधनों के विवेकपूर्ण और प्रभावी उपयोग को महत्वपूर्ण मानते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में उपलब्ध मानव संसाधन और सुविधाओं का बेहतर इस्तेमाल होना चाहिए। कम विद्यार्थियों वाले अलग-अलग स्कूलों में संसाधन बनाए रखने के बजाय उन्हें अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में उपलब्ध कराने से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है।

खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित् विकास और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव : कमलेश ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, देहरा। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला देहरा में बुधवार को अंडर-14 वर्ग की तीन दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ देहरा की विधायक कमलेश ठाकुर ने किया। प्रतियोगिता में कांगड़ा जिले के 23 शिक्षा खंडों से करीब 670 छात्र खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट के माध्यम से मुख्य अतिथि को सलामी दी।

इस अवसर पर विधायक कमलेश ठाकुर ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं। खेलों से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता और टीम भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलों में भागीदारी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीत और हार खेल का हिस्सा है।

खिलाड़ियों को परिणाम की चिंता किए बिना पूरी मेहनत, लगन और खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। उचित प्रशिक्षण, सुविधाओं और मंच के माध्यम से इन प्रतिभाओं को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया जा सकता है। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों के क्षेत्र में भी बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है।

देवत हादसे के घायल छात्र हार्दिक ने आईजीएमसी में तोड़ा दम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। देवत में पिछले सप्ताह हुए दर्दनाक स्कूल वाहन हादसे में गंभीर रूप से घायल छात्र हार्दिक चौहान ने आईजीएमसी शिमला में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि सात अन्य बच्चे घायल हुए थे। हार्दिक की हालत शुरू से ही गंभीर बनी हुई थी। उसे चौपाल के सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद आईजीएमसी रेफर किया गया था, जहां चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस कठिन घड़ी में हार्दिक के पिता ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए उसके अंगदान का निर्णय लिया। उनका उद्देश्य था कि बेटे के अंग किसी जरूरतमंद व्यक्ति के काम आ सकें और किसी दूसरे परिवार को जीवन की नई उम्मीद मिल सके। हालांकि आवश्यक कागजी औपचारिकताएं पूरी न होने के कारण अंगदान की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।

7 .98 प्रतिशत से 99 .5 प्रतिशत तक पहुंचा हिमाचल का साक्षरता सफर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में लंबा और उल्लेखनीय सफर तय करते हुए देश के सामने एक मिसाल पेश की है। वर्ष 1951 में प्रदेश की साक्षरता दर महज 7.98 प्रतिशत थी। पहाड़ी भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद सरकार और समाज के लगातार प्रयासों से शिक्षा का विस्तार गांव-गांव तक हुआ। स्कूलों की संख्या बढ़ने के साथ बच्चों को शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। इसका परिणाम यह रहा कि वर्ष 2011 तक हिमाचल की साक्षरता दर बढ़कर 82.80 प्रतिशत हो गई।

7.98 प्रतिशत से पूर्ण साक्षरता तक हिमाचल की प्रेरणादायक यात्रा।

साक्षरता बढ़ाने के लिए समय-समय पर विभिन्न अभियानों को गति दी गई। वर्ष 2017 में साक्षर भारत योजना के तहत 67,500 लोगों को साक्षर बनाया गया। इसके बाद पढ़ना-लिखना अभियान के माध्यम से भी बड़ी संख्या में लोगों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा गया। वर्ष 2022 तक करीब एक लाख लोगों ने इस अभियान के माध्यम से पढ़ना-लिखना सीखा। नव भारत साक्षरता कार्यक्रम उल्लास ने इस अभियान को और व्यापक बनाया।

वर्ष 2024 में प्रदेश में 95,307 निरक्षरों की पहचान की गई और उन्हें पढ़ने-लिखने का प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रयासों के चलते वर्ष 2025 में हिमाचल को पूर्ण साक्षर राज्य का दर्जा मिला। यह उपलब्धि बताती है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, निरंतर सरकारी प्रयास और समाज की भागीदारी से शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव संभव हैं। हिमाचल की कहानी अन्य पहाड़ी और ग्रामीण राज्यों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है।

सवाल शिवानी ठाकुर ने 26 पंचायतों के जनादेश की अनदेखी पर सरकार से मांगा जवाब

सरकारी कार्यक्रमों से जनप्रतिनिधियों को दूर रखना कैसा व्यवस्था परिवर्तन: शिवानी ठाकुर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा शिमला ग्रामीण मंडल अध्यक्षा एवं जिला परिषद सदस्य शिवानी ठाकुर ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ओगली में होने वाली खंड स्तरीय अंडर-19 छात्र खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर कांग्रेस सरकार और स्थानीय विधायक एवं मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी कार्यक्रम में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की अनदेखी लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए चिंताजनक है।

शिवानी ठाकुर के अनुसार 10 से 13 सितंबर तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के निमंत्रण पत्र में कई जनप्रतिनिधियों के नाम शामिल हैं, लेकिन संबंधित जिला परिषद सदस्य को न सूचना दी गई और न ही निमंत्रण भेजा गया। उन्होंने कहा कि मामला व्यक्तिगत सम्मान का नहीं, बल्कि उन 26 पंचायतों के मतदाताओं के जनादेश का है, जिनका वह प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने मंत्री विक्रमादित्य सिंह से पूछा कि जनप्रतिनिधियों के सम्मान को लेकर दोहरा मापदंड क्यों अपनाया जा रहा है। ठाकुर ने स्पष्ट किया कि वह बिना प्रमाण मंत्री पर सीधे निर्देश देने का आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन उन्हें बताना चाहिए कि ऐसी स्थिति क्यों बनी। उन्होंने स्कूल प्रशासन और शिक्षा विभाग से भी पूछा कि अतिथियों की सूची किस आधार पर तैयार की गई और जिला परिषद सदस्य का नाम क्यों छोड़ा गया। यदि यह प्रशासनिक चूक है तो इसे सुधारा जाना चाहिए और यदि राजनीतिक दबाव है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हैं। खेल प्रतियोगिताओं में राजनीति के बजाय बच्चों की प्रतिभा और खेल भावना को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी आयोजनों में सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को समान सम्मान और सहभागिता मिलनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा विभाग से मामले की जांच कर स्थिति स्पष्ट करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उचित कदम उठाने की मांग की।

जनप्रतिनिधियों को सरकारी कार्यक्रमों में मिले सम्मान

उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जनता और प्रशासन के बीच समन्वय का महत्वपूर्ण माध्यम है। निर्वाचित प्रतिनिधियों को कार्यक्रमों से दूर रखने से क्षेत्र की जनता में गलत संदेश जाता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। उन्होंने शिक्षा विभाग से आग्रह किया कि भविष्य में किसी भी सरकारी आयोजन में स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को नियमानुसार सूचना और आमंत्रण दिया जाए। ठाकुर ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचने वाले खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से आयोजन को सफल बनाने तथा खिलाड़ियों की सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने की मांग भी की।

दो महीने बाद भी धीमा सेब सीजन मंडियों में घट गई फसल की आवक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिले में सेब सीजन शुरू हुए करीब दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन इस बार मंडियों में सेब की आवक अपेक्षाकृत कम बनी हुई है। अब तक विभिन्न मंडियों और चेक पोस्टों के माध्यम से करीब 51.03 लाख पेटियों के बराबर सेब पहुंचा है। बागवानों और कारोबारियों को आने वाले दिनों में ऊंचाई वाले क्षेत्रों से आवक बढ़ने की उम्मीद है। एपीएमसी के आंकड़ों के अनुसार शिमला और किन्नौर क्षेत्र की प्रमुख मंडियों में पराला मंडी में सबसे अधिक सेब पहुंचा है। यहां करीब 11.47 लाख पेटियों की आवक दर्ज की गई है। इसके बाद मेहंदली मंडी में 6.87 लाख और भट्टाकुफर मंडी में 4.88 लाख पेटियों के बराबर सेब पहुंचा है। शिलारू में 2.09 लाख पेटियां जबकि नेरवा और अन्नू में भी सेब की आवक दर्ज की गई है। बाहर की मंडियों में भेजे गए सेब की मात्रा करीब 24.17 लाख पेटियों के बराबर रही है। भट्टाकुफर मंडी में इन दिनों रोजाना करीब 12 हजार पेटियां पहुंच रही हैं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 17 से 18 हजार पेटियां रोजाना आती थीं। इस वर्ष सेब की फसल कम होने के कारण मंडियों में आवक प्रभावित हुई है। मौसम की परिस्थितियों और अलग-अलग ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फसल तैयार होने के समय में अंतर का भी असर पड़ा है।

◆ **कम उत्पादन से शिमला की मंडियों में सेब कारोबार प्रभावित हुआ।**

विकसित भारत युवा नेता संवाद में युवाओं को प्रधानमंत्री के समक्ष विचार रखने का मिलेगा विशेष अवसर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। विकसित भारत युवा नेता संवाद 2027 का शुभारंभ विकसित भारत क्विज के साथ हो गया है। इस पहल का उद्देश्य देश के युवाओं को नेतृत्व, नवाचार, रचनात्मकता और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा एवं विचार प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रीय मंच उपलब्ध करवाना है।

इसके तहत चयनित युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष विकसित भारत के लिए अपने विचार और सुझाव रखने का अवसर मिलेगा। शिमला में आयोजित पत्रकार वार्ता में हिमाचल प्रदेश सरकार के विशेष सचिव नवीन तंवर, युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के राज्य निदेशक ध्रुव डोगरा तथा पत्र सूचना कार्यालय शिमला के सहायक निदेशक संजीव शर्मा ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

विकसित भारत युवा नेता संवाद 2027 का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण के अनुरूप किया जा रहा है जिसमें गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि से एक लाख युवा नेताओं को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं को सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का अवसर देना है जिनकी कोई पारिवारिक राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है।

◆ **युवा शक्ति से विकसित भारत का संकल्प**

कार्यक्रम में युवाओं का चयन पारदर्शी और योग्यता आधारित बहुस्तरीय प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। यात्रा विकसित भारत क्विज से शुरू होकर निबंध चुनौती, जिला स्तरीय चैंपियनशिप, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय संवाद और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगी।

न्यूज ब्रीफ

सुजानपुर बीडीसी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष उपाध्यक्ष ने धूमल से की शिष्टाचार भेंट

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सुजानपुर विकास खंड के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश चंद और उपाध्यक्ष रंजना कुमारी ने समीरपुर में पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रो. प्रेम कुमार धूमल से उनके निवास स्थान पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने दोनों नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सुरेश चंद और रंजना कुमारी क्षेत्र के विकास तथा जनसेवा से जुड़े कार्यों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी व समर्पण के साथ आगे बढ़ाएंगे। प्रो. धूमल ने कहा कि स्थानीय विकास में पंचायत व पंचायत समिति के निर्वाचित प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने दोनों के उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना करते हुए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

एनबीटी पुस्तक मेले में विद्यार्थियों ने बढ़ाया ज्ञान

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजकीय महाविद्यालय पनारसा के 25 विद्यार्थियों ने पुस्तकालय अध्यक्ष बिंदु के नेतृत्व में शैक्षणिक एवं एक्सपोज़र विजिट के तहत कुल्लू के कला केंद्र में आयोजित एनबीटी पुस्तक मेले का भ्रमण किया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. उर्मिला, डॉ. कविता और प्रोफेसर सुरेश कुमार भी मौजूद रहे। पुस्तक मेले के बाद विद्यार्थियों ने गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान, मोहल का दौरा किया। संस्थान के प्रमुख आरके सिंह ने विद्यार्थियों को संस्थान के उद्देश्यों और हिमालयी पर्यावरण संरक्षण के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कचरा प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में भी बताया। इसके बाद विद्यार्थियों ने रोमा नर्सरी का भ्रमण किया, जहां उन्हें विभिन्न फूलों और सजावटी पौधों की प्रजातियों से परिचित करवाया गया। विद्यार्थियों ने बीज से पौध तैयार करने, पौधों की देखभाल, नर्सरी प्रबंधन और व्यावसायिक उत्पादन की प्रक्रिया को करीब से समझा। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना रहा।

राजनीतिक शास्त्र शिक्षक भर्ती का परीक्षा परिणाम घोषित

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने स्कूल शिक्षा विभाग में राजनीतिक शास्त्र के शिक्षकों के 95 पदों को पोस्ट कोड-26028 के अंतर्गत फिक्स मानदेय के आधार पर भरने के लिए आयोजित कंप्यूटर बेस्ड स्क्रीनिंग टेस्ट (सीबीटी) का परिणाम घोषित कर दिया है। यह परीक्षा परिणाम आयोग की वेबसाइट एचपीआरसीए.एचपी.जीओवी.इन पर उपलब्ध करवा दिया गया है। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि राजनीतिक शास्त्र के शिक्षकों के 95 पदों के लिए 3650 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 3002 उम्मीदवारों ने सीबीटी परीक्षा दी थी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण 239 उम्मीदवारों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया जा रहा है जोकि 17 सितंबर को सुबह 10 बजे से आयोग के परिसर में आरंभ होगी। इसकी सूचना उम्मीदवारों को उनकी ईमेल आईडी पर दी जाएगी। उन्हें अलग से बुलावा पत्र नहीं भेजे जाएंगे। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय इन उम्मीदवारों को अपने साथ सभी आवश्यक दस्तावेजों की मूल प्रतियां, इनकी सेल्फ अटेस्टड फोटो प्रतियों के दो-दो सैट, आवेदन पत्र की डाउनलोड कॉपी और आईडी प्रूफ इत्यादि साथ लाने होंगे। सचिव ने बताया कि अगर कोई उम्मीदवार निर्धारित तिथि को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए उपस्थित नहीं होता है तो उसे कोई और अवसर नहीं दिया जाएगा।

वन माफिया से बरामद किए खैर की लकड़ी के 84 मौछे

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। डमटाल पुलिस ने अवैध वन कटान और वन संपदा की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो वाहनों से खैर की लकड़ी के 84 लट्ठे बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से एक इलेक्ट्रिक कटर, 10 बैटरियां और तीन चेन भी कब्जे में लीं। कार्रवाई 9 सितंबर को इंदौरा मोड़ पर नाकाबंदी के दौरान की गई। पुलिस टीम ने पठानकोट-मुकेरियां मार्ग पर डमटाल की ओर से आ रही इनोवा कार और बिना नंबर की पिकअप को रोककर तलाशी ली। पिकअप से 76 और इनोवा से आठ लट्ठे मिले। वाहन सवार लकड़ी के परिवहन संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। वन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में लकड़ी की पैमाइश कर दोनों वाहन और सामान कब्जे में लिया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता और भारतीय वन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत नौ आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस लकड़ी के स्रोत, गंतव्य और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

महाजन को अमेरिका में मरणोपरांत सम्मान

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित सेंट्रल पार्क में घोड़ा-बग्घी हादसे में अपनी मां को बचाते हुए जान गंवाने वाले पठानकोट निवासी 18 वर्षीय रोमांच महाजन को मरणोपरांत विशेष सम्मान मिला है। पशु अधिकार संस्था पेटा ने अपने 'ट्री ऑफ लाइफ' स्मारक में रोमांच की स्मृति में विशेष पत्ती समर्पित करने का निर्णय लिया है। वह यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय बताए जा रहे हैं। रोमांच 17 जून को सेंट्रल पार्क में हुए हादसे का शिकार हुए थे। परिवार के अनुसार, बेकाबू घोड़े के कारण बग्घी पलट गई थी। मां को बचाने के प्रयास में रोमांच नीचे गिर गए और सिर में गंभीर चोट लगने के बाद अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। रोमांच के पिता दीपक महाजन ने कहा कि उनका बेटा बेहद दयालु था और सभी जीवों से प्रेम करता था। उन्होंने उम्मीद जताई कि न्यूयॉर्क में प्रस्तावित 'रोमांच लॉ' पारित होगा, जिससे घोड़ा-बग्घी उद्योग पर रोक लग सकेगी। परिवार ने इस संबंध में न्यूयॉर्क शहर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू की है। प्रस्तावित कानून के तहत वर्ष 2028 तक घोड़ा-बग्घी उद्योग समाप्त करने का प्रावधान है।

खाद्यान्न भंडारण का निदेशक ने लिया जायजा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। निदेशक खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले कुमुद सिंह ने बुधवार को बिलासपुर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्नों के भंडारण और वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने निहाल में संचालित थोक गोदामों और उचित मूल्य की दुकानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने गोदाम प्रभारियों को खाद्यान्नों के सुरक्षित भंडारण और उचित रखरखाव के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्धारित खाद्यान्न और नियंत्रित वस्तुएं समय पर उपलब्ध करवाना विभाग की प्राथमिकता है। कुमुद सिंह ने क्षेत्रीय निरीक्षकों को खुले बाजार और उचित मूल्य की दुकानों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला नियंत्रक कार्यालय का भी निरीक्षण कर विभागीय कार्यों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से की मुलाकात

दो माह में तैयार होगी कांगड़ा एयरपोर्ट की रिपोर्ट

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश में हवाई संपर्क को मजबूत करने और विमानन सुविधाओं के विस्तार से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार के लिए टेक्नो-इकोनॉमिक फीजिबिलिटी रिपोर्ट यानी तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट को दो महीने के भीतर अंतिम रूप देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार का मामला प्राथमिकता से उठाया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बेहतर हवाई संपर्क जरूरी है। पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और बेहतर हवाई सेवाओं से पर्यटकों की आवाजाही आसान होगी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण की

◆ **हिमाचल को हेलिपोर्ट के लिए केंद्र देगा मदद**

प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है। इसके बाद केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को परियोजना की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट दो महीने में तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना के लिए सक्षम सलाहकार नियुक्त करने और तय समय में रिपोर्ट तैयार करवाने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिपोर्ट दो महीने में तैयार होने से कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार की प्रक्रिया को गति मिलेगी और परियोजना को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। उन्होंने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) से परियोजना की लागत का वास्तविक आकलन करने का भी आग्रह किया। बैठक में हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बनाए जा रहे हेलीपोर्ट का मुद्दा भी उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों तक हवाई संपर्क पहुंचाने के लिए हेलीपोर्ट का नेटवर्क मजबूत करना जरूरी है। आपात स्थिति में राहत और बचाव सहित दूसरी जरूरी सेवाओं के लिए भी इनका उपयोग किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने हेलीपोर्ट के निर्माण के लिए केंद्र से वित्तीय सहयोग मांगा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ने उड़ान योजना के तहत हिमाचल प्रदेश में हेलीपोर्ट के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता देने पर सहमति जताई। बैठक में शिमला एयरपोर्ट से नियमित उड़ानों के संचालन पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने शिमला को नियमित हवाई संपर्क उपलब्ध करवाने के लिए आवश्यक सहयोग देने का आश्वासन दिया। शिमला एयरपोर्ट के मौजूदा रनवे की क्षमता को देखते हुए उपयुक्त विमानों के संचालन की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

कांगड़ा की तर्ज पर शिमला एयरपोर्ट की सुरक्षा बदलेगी

मुख्यमंत्री ने कांगड़ा एयरपोर्ट की तर्ज पर शिमला एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से हटाकर हिमाचल प्रदेश पुलिस को सौंपने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश में हवाई संपर्क को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कांगड़ा एयरपोर्ट का विस्तार, शिमला एयरपोर्ट से नियमित उड़ानों का संचालन और प्रदेश में हेलीपोर्ट नेटवर्क को मजबूत करने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर हवाई संपर्क उपलब्ध हो सकेगा।

विद्यार्थियों ने पोस्टर, रंगोली और नाटिका से दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। डॉ. आरपीजीएमसी टांडा के नेत्र रोग विभाग की ओर से 25 अगस्त से 8 सितंबर तक नेत्रदान पखवाड़ा 2026 मनाया गया। इस दौरान छात्रों, संकाय सदस्यों और आम लोगों को नेत्रदान तथा कॉर्निया प्रत्यारोपण के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इस वर्ष पखवाड़े का 41वां संस्करण मनाया गया, जिसका विषय 'जीवन के बाद भी दृष्टि : परम विरासत' रहा।

पखवाड़े के तहत एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने पोस्टरों के माध्यम से नेत्रदान के महत्व को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। नर्सिंग विद्यार्थियों ने रंगोली बनाकर और लघु नाटिका के माध्यम से नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों तथा नेत्रदान की शपथ के महत्व को उजागर किया। नर्सिंग संकाय सदस्यों के लिए विशेष जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया।

इसमें लोगों और परिवारों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने तथा परिहार्य कॉर्नियल अंधेपन को कम करने में उनकी भूमिका पर चर्चा की गई। नेत्र रोग विभाग ने नेत्रदान को मृत्यु के बाद किसी अन्य व्यक्ति को दृष्टि का उपहार देने वाला नेक कार्य बताया और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। विभाग ने डॉ. मनु शर्मा के जुड़ने से रेटिना सेवाओं के मजबूत होने की जानकारी भी दी। डॉ. शर्मा ने पीजीआई चंडीगढ़ से विट्रियो-रेटिनल सर्जरी में एमसीएच किया है।

हिमाचल में लाबिंग सरकार का राज, कुर्सी बचाने-पाने की ही लगी होड़: राजेंद्र राणा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने जारी प्रेस बयान में कहा कि हिमाचल में लाबिंग सरकार ने सारी व्यवस्था चौपट कर दी है।

कांग्रेस में अलग-अलग लाबिंग सेल चल रहे हैं। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री तक दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं, हर कोई अपनी कुर्सी और मलाईदार महकमे की जुगत में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि किसी को सीएम बदलवाने की चिंता है, किसी को मंत्री बनने की तो किसी को अपना पद बचाने की। कांग्रेस ने सत्ता से पहले बड़ी गारंटियां दीं, पर सत्ता मिलते ही जनता हाशिए पर चली गई। व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर चलती-फिरती व्यवस्था को ही धराशायी कर दिया। उन्होंने कहा कि आपसी खींचतान में सरकार का कीमती समय निकल गया। पानी की योजनाएं बदहाल, सड़कें खस्ताहाल और स्वास्थ्य संस्थानों की हालत चिंताजनक है। स्कूल हैं तो शिक्षक नहीं, आलीशान भवन हैं पर पढ़ाने वाला कोई नहीं।

अस्पतालों के भवन खड़े हैं पर अंदर मशीनें हैं तो विशेषज्ञ नहीं, डॉक्टर हैं तो स्टाफ नहीं। वर्तमान सरकार की गलत नीतियों और वित्तीय कुप्रबंधन ने हिमाचल को कर्ज तले दबा दिया है और अब सरकार केंद्र से कर्ज सीमा बढ़ाने की मांग कर रही है। नई योजनाएं शुरू करना तो दूर, पुरानी योजनाओं का भी बंटाधार हो रहा है। स्थिति श्योजनाएं बंद, विकास ठप और लाबिंग चालूश् वाली हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अब कुर्सी बचाओ बंद कर हिमाचल बचाओ अभियान शुरू करना चाहिए और बताना चाहिए कि गारंटियों, सड़कों, स्कूलों और अस्पतालों का क्या हुआ।

अनुराग फिर सांसद रत्न अवॉर्ड से सम्मानित

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर को एक बार फिर उनके उत्कृष्ट संसदीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। उनकी अध्यक्षता वाली कोयला, खान व इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति को भी वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 16वें संसद रत्न पुरस्कार समारोह में मूल रिपोर्टों की प्रस्तुति में उत्कृष्ट प्रदर्शन की श्रेणी में प्रदान किया गया। अनुराग के नेतृत्व वाली समिति इस वर्ष संसद के दोनों सदनों की चयनित चार संसदीय समितियों में शामिल है, जिन्हें संसद की प्रभावी निगरानी और उत्कृष्ट कार्य के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया है। पुरस्कार प्राप्त करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने जूरी सदस्यों तथा प्राइम प्वॉइंट फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह सम्मान समिति के सभी सदस्यों तथा समिति सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सामूहिक प्रयास, गहन शोध, निरंतर परिश्रम और प्रभावी संसदीय निगरानी का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि संसदीय समितियां लोकतांत्रिक व्यवस्था में नीतियों की गहन समीक्षा और सरकार के कार्यों की प्रभावी निगरानी का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। अनुराग सिंह ठाकुर के नेतृत्व में कोयला, खान और इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने जून 2024 से अब तक 64 बैठकें आयोजित कर 29 व्यापक रिपोर्टें प्रस्तुत की हैं। समिति ने महत्वपूर्ण रणनीतिक विषयों पर गहन अध्ययन और समीक्षा की है, जिनमें काबिल के माध्यम से महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा, घरेलू खनिज अन्वेषण में तेजी, धुले हुए कोयले के उत्पादन में वृद्धि, इस्पात क्षेत्र में आत्मनिर्भरता तथा डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन फंड और प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषय प्रमुख हैं।

समिति का कार्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा, खनिज संसाधनों की उपलब्धता, औद्योगिक विकास और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों से सीधे जुड़ा हुआ है। समिति की रिपोर्टों में दीर्घकालिक आर्थिक एवं बुनियादी ढांचे की मजबूती से जुड़े विषयों पर ठोस सुझाव प्रस्तुत किए गए हैं।

संसदीय उपलब्धियों का गौरवपूर्ण रिकॉर्ड

अनुराग को इससे पहले 2019 में व्यक्तिगत रूप से संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। वर्ष 2019 में ही उन्हें उनके प्रभावशाली सामाजिक कार्यों के लिए चैंपियंस ऑफ चेंज अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था। वर्ष 2011 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ युवा सांसद पुरस्कार प्राप्त हुआ था, जबकि 2014 में विश्व आर्थिक मंच ने उन्हें यंग ग्लोबल लीडर के रूप में मान्यता दी थी।

भाजपा 18 सितंबर से पंजाब में निकालेगी राज्यव्यापी महायात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने राज्य में संगठन मजबूत करने और सरकार को घेरने के लिए 18 से 30 सितंबर तक राज्यव्यापी महायात्रा निकालने की तैयारी की है। यात्रा की शुरुआत 18 सितंबर को पठानकोट स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मारक से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन करेंगे। इसके अलावा श्री आनंदपुर साहिब, तलवंडी साबो और फाजिल्का के आसफवाला युद्ध स्मारक से भी यात्राएं शुरू होंगी। अभियान के दौरान यात्रा राज्य के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेगी और युवाओं को जोड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर बाइक रैलियां आयोजित की जाएंगी। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अलग-अलग क्षेत्रों में जनता से संवाद करेंगे। यात्रा का समापन 29 या 30 सितंबर को जालंधर में प्रस्तावित विशाल रैली से होगा, जिसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संबोधित करेंगे। पार्टी ने आगामी चुनाव में सभी 117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का संकेत दिया है।

विजयपुर में महिलाओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

उद्यमिता से आत्मनिर्भरता पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जन शिक्षण संस्थान बिलासपुर के मुख्य केंद्र विजयपुर में महिलाओं के सशक्तिकरण और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य विषय महिलाओं को डिजिटल साक्षरता, ऋण सुविधा और ई-कॉमर्स से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं व्यवसायी अनिल कुमार शर्मा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। जन शिक्षण संस्थान की अध्यक्षा डॉ. मल्लिका नड्डा, प्रोफेसर शैलेन्द्र, क्षेत्रीय समन्वयक सोनू चौहान, उद्योगपति इंदर सिंह डोगरा, अग्रणी बैंक प्रबंधक चंद्रशेखर यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और विशेष प्रशिक्षण केंद्र विजयपुर की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। चेतना संस्था के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। संस्थान के निदेशक अरुण कुमार गौतम ने संस्थान की उपलब्धियों और आगामी गतिविधियों की जानकारी दी तथा महिला सशक्तिकरण में कौशल प्रशिक्षण की भूमिका पर प्रकाश डाला। उद्योगपति इंदर सिंह डोगरा ने उद्यमिता पर व्याख्यान देते हुए महिलाओं को स्वरोजगार अपनाने और अपने कौशल को व्यवसाय में बदलने के लिए प्रेरित किया। प्रोफेसर शैलेन्द्र ने डिजिटल साक्षरता और ई-कॉमर्स की उपयोगिता बताते हुए ऑनलाइन माध्यमों से उत्पादों की बिक्री बढ़ाने और नए बाजारों तक पहुंच बनाने की जानकारी दी। सोनू चौहान ने स्वयं सहायता समूहों के गठन, सामूहिक बचत, स्वरोजगार और आजीविका संवर्धन में उनकी भूमिका समझाई। अग्रणी बैंक प्रबंधक चंद्रशेखर यादव ने ऋण सुविधा, बैंकिंग प्रक्रिया, बचत, ऋण के उचित उपयोग और समय पर पुनर्भुगतान की जानकारी दी। समापन अवसर पर डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को नए ज्ञान, कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में मिली जानकारी को अपने कार्यक्षेत्र और समुदाय में लागू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संस्थान एवं चेतना संस्था के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

डुमैहर फीडर की मरम्मत के कारण11 सितंबर को बिजली रहेगी बंद

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। बिजली उपमंडल भूमती के तहत बलेरा और जयनगर क्षेत्र के कई गांवों में 11 सितंबर को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग की ओर से 11 केवी डुमैहर फीडर की आवश्यक मरम्मत का कार्य किया जाएगा। विभाग के अनुसार इस दौरान सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली बंद रहेगी। इसके अलावा कुंहर के घड़याच से हाण तक के क्षेत्र में भी निर्धारित अवधि के दौरान बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। बिजली उपमंडल भूमती के सहायक अभियंता ई. आकाश गुप्ता ने क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने बताया कि मरम्मत कार्य के दौरान बिजली बंद रखने की अवधि मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगी। खराब मौसम होने की स्थिति में निर्धारित समय में बदलाव किया जा सकता है। विभाग ने लोगों से आवश्यक कार्य पहले ही निपटा लेने की अपील की है, ताकि बिजली आपूर्ति बंद रहने से उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े।

लंज में बीपीएल परिवारों से पठानिया ने किया संवाद, योजनाओं की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। विकास खंड कांगड़ा की ओर से लंज में बीपीएल परिवारों के साथ 'अपना परिवार सुखी परिवार' संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने की। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र परिवारों से बीपीएल सूची में चयन के लिए आवेदन करने का आग्रह किया। केवल सिंह पठानिया ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बीपीएल चयन की समय सीमा बढ़ाकर पात्र परिवारों को दोबारा चयन का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि बीपीएल परिवारों से सीधा संवाद होने से चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनेगी तथा वास्तविक पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने 'अपना परिवार सुखी परिवार योजना' के तहत चयनित परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में समान विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। गांवों को मजबूत करने के साथ बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय भी खोले गए हैं। बीडीओ पारुल कटियार ने बीपीएल चयन प्रक्रिया और कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी दी। बीएमओ डॉ. विक्रम कटोच ने 14 वर्ष की लड़कियों को जीवन रक्षक टीका लगवाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एसडीएम पूजा अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

हमीरपुर में शिक्षकों को मिलेगी आधुनिक तकनीकों की ट्रेनिंग

◆ **प्रशिक्षण में बहुतकनीकी, आईटीआई व कॉलेजों-स्कूलों के आईटी शिक्षक लेंगे भाग**

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश के बहुतकनीकी कॉलेजों और आईटीआई संस्थानों के शिक्षकों, डिग्री कॉलेजों के बीसीए शिक्षकों तथा स्कूलों के पीजीटी शिक्षकों को आधुनिक तकनीकों से परिचित करवाने के लिए राजकीय बहुतकनीकी संस्थान बड़ू हमीरपुर में 15 से 19 सितंबर तक पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'शिक्षकों के लिए उभरती तकनीकें' रखा गया है। यह प्रशिक्षण इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रायोजन तथा ई एंड आईसीटी अकादमी और सी-डैक मोहाली के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम समन्वयक एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष पंकज ठाकुर ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को उभरती तकनीकों की नवीनतम जानकारी देने के साथ उन्हें शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध कार्य में इनका प्रभावी उपयोग करने में सक्षम बनाना है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जनरेटिव एआई, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, एडेप्टिव सिस्टम और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा शिक्षण एवं शोध में एआई आधारित उपकरणों के उपयोग तथा इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीकों के व्यावहारिक ज्ञान के साथ पेशेवर नेटवर्किंग का अवसर भी मिलेगा। प्रधानाचार्य ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए कोई पंजीकरण शुल्क नहीं लिया जाएगा। पात्र प्रतिभागी क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे। कार्यक्रम के सह-समन्वयक वरुण गुप्ता हैं। सी-डैक मोहाली की ओर से डॉ. बलविंदर सिंह तथा ई एंड आईसीटी अकादमी से परियोजना अभियंता सोनिया समन्वय करेंगी।

आयोजन हॉलमार्किंग और उपभोक्ता अधिकारों को लेकर अधिकारियों को दी जानकारी

बीआईएस केयर ऐप से उत्पादों की गुणवत्ता जांचने की सुविधा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), शाखा कार्यालय परवाणू की ओर से जिला प्रशासन बिलासपुर के सहयोग से जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त राहुल कुमार ने की, जबकि अतिरिक्त उपायुक्त रूपिंदर कौर विशेष रूप से मौजूद रहीं।

कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों को भारतीय मानकों, उपभोक्ता अधिकारों, गुणवत्ता आश्वासन, हॉलमार्किंग और विधिक माप विज्ञान से जुड़े प्रावधानों की जानकारी देना रहा। डीसी राहुल कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण और मानकीकृत उत्पाद उपभोक्ता हितों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपने विभागों के माध्यम से भारतीय मानकों, हॉलमार्किंग और गुणवत्ता प्रमाणन के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया।

उन्होंने कार्यालयों में खरीदारी के दौरान आईएसआई चिह्न वाले उत्पादों को प्राथमिकता देने तथा विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीदते समय निर्धारित मानकों की जांच करने को कहा। डीसी ने अधिकारियों से बीआईएस केयर ऐप डाउनलोड करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐप के माध्यम से हॉलमार्क आभूषणों की प्रामाणिकता जांचने के साथ उत्पादों, लाइसेंस और गुणवत्ता संबंधी शिकायतों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। आईएसआई चिह्न के दुरुपयोग की शिकायत भी इसके माध्यम से दर्ज कराई जा सकती है। बीआईएस शाखा कार्यालय परवाणू के निदेशक शिव प्रकाश ने आभूषण खरीदते समय सावधानियां बरतने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ज्वैलर की इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन विधिक माप विज्ञान विभाग से सत्यापित होनी चाहिए और उसकी सटीकता एक मिलीग्राम तक होनी चाहिए। हॉलमार्क स्वर्ण आभूषण खरीदते समय बीआईएस लोगो, शुद्धता अंकन और छह अंकों वाली एचयूआईडी संख्या अवश्य जांचनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हॉलमार्क अधिकृत केंद्र में वैज्ञानिक जांच के बाद ही लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि हॉलमार्किंग के लिए निर्धारित शुल्क 45 रुपए प्रति वस्तु है और इसे बिल में अलग से दर्शाया जाता है।

इसके अतिरिक्त शुल्क लेना नियमों के विरुद्ध है। उपभोक्ता तौल, हॉलमार्किंग या अन्य मामलों में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन 1915 पर शिकायत कर सकते हैं। उन्होंने खरीदारी के समय बिल लेने की भी अपील की। कार्यशाला में पेयजल के लिए निर्धारित भारतीय मानकों पर भी चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि पैकेज्ड पेयजल, कच्चे पानी और प्रसंस्करण प्रक्रिया के लिए अलग-अलग मानक निर्धारित हैं। सहायक नियंत्रक विधिक माप विज्ञान प्रवीण सीउटा ने उपभोक्ताओं को बिल, अधिकतम खुदरा मूल्य, निर्माण एवं पैकिंग तिथि और शुद्ध वजन जांचने की सलाह दी। इस अवसर पर प्रणय जैन, विक्रम आचले, पंकज पटियाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत पपलोग विकास खण्ड धर्मपुर जिला मंडी (हि0प्र0)

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत पपलोग में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए समस्त मदों के अंतर्गत विकास योजनायों हेतु सामग्री सप्लाई की निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। विवरण इस प्रकार से है। **सामग्री का विवरण-** रेता क्रशर प्रति क्यूबिक मीटर, रेता खडड प्रति क्यूबिक मीटर, बजरी क्रसर 10 mm,20 mm,40 mm प्रति क्यूबिक मीटर, बोल्डर प्रति क्यूबिक मीटर, ईंट पकी 2nd class प्रति इंट, शटरिंग स्टील व लकड़ी प्रति स्क्वेयर मीटर, JCB मशीन कटाई प्रति घंटा, JCB मशीन कटाई हार्ड रॉक (ब्रेकर) प्रति घंटा, सीमेंट ढुलबाई सिविल सप्लाई धर्मपुर से कार्यस्थल तक प्रति बैग, बोर्ड लिखवाई व फोटो in sqr. (2 ×3 ft) प्रति बोर्ड, बोर्ड सीमेंट in sqr.(2 ×3 ft) प्रति बोर्ड। निविदाए कार्यालय ग्राम पंचायत पपलोग में दिनांक 22 सितंबर 2026 को शाम 5 बजे तक जमा हो जानी चाहिए। निविदाएं ग्राम पंचायत की मासिक बैठक में कार्यकारणी के समक्ष 28 सितंबर 2026 को 11 बजे के बाद खोली जायगी। निविदादाता के द्वारा ही निविदा मान्य होगी। **नियम व शर्त-** 1. सप्लायर के पास GST No या Tin No होना चाहिए फोटो कापी संलगन करे। 2. यदि सप्लाई समय पर सप्लायर द्वारा नहीं दी जाती है तो कुटेशन को रद्द करने का अधिकार पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा । 3. ग्राम पंचायत के समस्त क्षेत्राधिकार में एक ही मूल्य देय होगा, सामग्री जहा तक सड़क सुबिधा होगी वहां तक पहचानी होगी। 4. जिन निविदादाताओं की निविदा पास होगी उन्हें 30000/- रूपए की FDR ग्राम पंचायत के खाते मे पलज करा के पंचायत में जमा करवानी होगी। 5. निविदादाता पंचायत के किसी भी पदाधिकारी व कर्मचारी का सगा समन्धी नहीं होना चाहिये। 6. निविदादाता प्राधिकृत अधिकारी खनन विभाग द्वारा जारी म फार्म व टेक्स सहित अपनी सामग्री की दर से रेट देगा। 7. जिस दिन निविदाए खोली जायगी उस दिन निविदादाता पंचायत में उपस्थित होना चाहिये जो निविदादाता उस दिन उपस्थित नहीं होगा उस की निविदा खोली नहीं जायगी उसे रद्द कर दिया जाएगा। 8. यदि सप्लाई समय पर सप्लायर द्वारा नहीं दी जाती है तो सप्लायर को आगे 5 वर्ष के लिए ब्लैक लिस्ट कर दिया जायेगा। 9. निविदायें आइटम वाइज ही ली जाएगी।

प्रधान/सचिव, कार्यालय ग्राम पंचायत पपलोग विकास खण्ड धर्मपुर जिला मंडी (हि0प्र0)

न्यूज शॉर्ट्स

डल्लेवाल हाउस अरेस्ट किसान पंचायत से पहले कई नेता भी नजरबंद

भारतेंदु संवाददाता, फरीदकोट। भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर की किसान पंचायत से पहले पुलिस ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल को फरीदकोट में उनके घर पर नजरबंद कर दिया। इसके अलावा फरीदकोट और आसपास के जिलों में संगठन के कई पदाधिकारियों को भी घरों में नजरबंद किए जाने की सूचना है। पुलिस कार्रवाई से किसान संगठन में रोष है। डल्लेवाल ने कार्रवाई का विरोध किया है।

सड़कों पर बसें खड़ी कर सवारी भरने पर रोक, 60 हजार के चालान

भारतेंदु संवाददाता, जीरकपुर। जीरकपुर में निजी और मिनी बसों के खिलाफ परिवहन विभाग ने विशेष जांच अभियान चलाया। दस्तावेज और कर की जांच के दौरान करीब 60 हजार रुपये के चालान किए गए। बस संचालकों को सड़क किनारे सवारी भरने से रोकते हुए यातायात बाधित न करने की हिदायत दी गई। अधिकारियों ने बस संचालकों को नियमों का पालन करने की चेतावनी दी और उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी सख्त कार्रवाई करने की बात कही।

राहुल गांधी के आरोपों पर केजरीवाल का पलटवार, बोले- नशे के खिलाफ जारी युद्ध

गुलजार सिंह की मौत पर राजनीति न करने की अपील, नशे के मुद्दे पर राहुल को दिया जवाब

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में नशे के मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के बीच सियासी तकरार तेज हो गई है। राहुल गांधी की ओर से लगाए गए आरोपों और इंटरनेट मीडिया पर की गई पोस्ट के बाद केजरीवाल ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर पंजाब में नशे की समस्या को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ पंजाब सरकार का अभियान लगातार जारी है और इसे निर्णायक लड़ाई के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है।

केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार नशे के खिलाफ युद्ध लड़ रही है। उनका दावा है कि देश में पहली बार कोई राज्य नशे के खिलाफ इतने व्यापक स्तर पर अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशे की समस्या अचानक पैदा नहीं हुई, बल्कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में यह लगातार बढ़ती गई। केजरीवाल ने कांग्रेस के साथ-साथ अकाली दल और भाजपा की पिछली सरकारों पर भी निशाना साधा।

नशे के मुद्दे पर राहुल गांधी और केजरीवाल आमने-सामने।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन सरकारों के दौरान पंजाब में नशे की समस्या को गंभीरता से खत्म करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। अब उनकी सरकार नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है और समस्या की जड़ तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। इस राजनीतिक बयानबाजी के बीच गुलजार सिंह की मौत का मामला भी चर्चा में है। केजरीवाल ने इस घटना को लेकर राजनीति नहीं करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की मौत को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय बनाने के बजाय नशे की समस्या को खत्म करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। राहुल गांधी के आरोपों के बाद केजरीवाल की प्रतिक्रिया से पंजाब की राजनीति में एक बार फिर नशे का मुद्दा केंद्र में आ गया है। दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बीच अब सरकार के नशा विरोधी अभियान और उसके परिणामों को लेकर भी सियासी बहस तेज होने की संभावना है।

नशा विरोधी अभियान पर घिरी सरकार

राजनीतिक बयानबाजी के बीच पंजाब सरकार की ओर से चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष लगातार सरकार से अभियान की प्रगति और अब तक की कार्रवाई का ब्योरा मांग रहा है। वहीं आम आदमी पार्टी का कहना है कि नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल नशे की बिक्री रोकना नहीं, बल्कि युवाओं को इससे दूर रखना भी है। उन्होंने लोगों से अभियान में सहयोग करने की अपील की। दूसरी ओर कांग्रेस इस मुद्दे पर सरकार को घेरने में जुटी है। इससे पंजाब में नशे को लेकर सियासी बहस और तेज हो गई है।

चन्नी पहुंचे दिल्ली, वेणुगोपाल से मुलाकात संभव

पंजाब कांग्रेस की गुटबाजी पर हाईकमान से चन्नी कर सकते हैं चर्चा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में चल रही अंदरूनी खींचतान के बीच पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद चरणजीत सिंह चन्नी बुधवार को नई दिल्ली पहुंचे। चन्नी को संसद रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाना है। वह कृषि संबंधी संसदीय समिति के चेयरमैन भी हैं। दिल्ली प्रवास के दौरान कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से उनकी मुलाकात होने की संभावना है।

ऐसे में इस मुलाकात को पंजाब कांग्रेस के मौजूदा राजनीतिक हालात के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संभावित मुलाकात के दौरान पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी, वरिष्ठ नेताओं के बीच मतभेद और संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। पार्टी में लंबे समय से अलग-अलग नेताओं के बीच खींचतान की स्थिति बनी हुई है। विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए कांग्रेस हाईकमान के लिए प्रदेश संगठन में बेहतर समन्वय और नेताओं के बीच तालमेल बढ़ाना अहम चुनौती है।

एक जुलाई को विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस हाईकमान की ओर से चुनाव समितियों के गठन के बाद चन्नी और उनके समर्थक नेताओं ने असहमति जताई थी। इसके बाद से चन्नी की हाईकमान के साथ सक्रिय स्तर पर कोई महत्वपूर्ण मुलाकात नहीं हो सकी है। चन्नी समेत कई नेताओं ने राहुल गांधी से मिलने का समय भी मांगा था, लेकिन संसद सत्र के दौरान उनकी राहुल गांधी से मुलाकात नहीं हो पाई। अब चन्नी के दिल्ली पहुंचने और वेणुगोपाल से संभावित मुलाकात को लेकर कांग्रेस के भीतर चर्चा तेज हो गई है। पार्टी ने पंजाब के लिए सचिन पायलट को नया प्रभारी बनाया है।

पायलट के सामने भी प्रदेश कांग्रेस के विभिन्न गुटों के बीच समन्वय स्थापित करने और संगठन को चुनाव के लिए तैयार करने की चुनौती है। ऐसे में चन्नी और वेणुगोपाल की मुलाकात होती है तो पंजाब कांग्रेस के राजनीतिक हालात पर खुलकर बातचीत होने की संभावना है। साथ ही चुनावी रणनीति और संगठन को मजबूत करने के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श हो सकता है। मुलाकात से पार्टी में आपसी मतभेद दूर करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने पर सहमति बन सकती है।

पंजाब कांग्रेस गुटबाजी पर चर्चा संभव

इसके अलावा पार्टी में नेताओं की जिम्मेदारियों, संगठनात्मक बदलाव और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की रणनीति पर चर्चा होने की उम्मीद है। इससे चुनावी तैयारियों को नई दिशा मिल सकती है और गुटों के बीच बेहतर तालमेल कायम करने की कोशिश होगी।

पंजाब में 4 साल से नियमित डीजीपी नहीं हाई कोर्ट ने सरकार से मांगा हलफनामा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के मुखिया के पद पर पिछले चार साल से नियमित नियुक्ति नहीं होने का मामला पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंच गया है। इस संबंध में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार से हलफनामा दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर 2026 को होगी।

याचिका अधिवक्ता निखिल थम्मन की ओर से दायर की गई है। इसमें कहा गया है कि पंजाब में पुलिस महानिदेशक का सर्वोच्च पद लंबे समय से अतिरिक्त प्रभार के आधार पर चल रहा है। याचिकाकर्ता ने नियमित डीजीपी की नियुक्ति की मांग करते हुए कहा कि इतने लंबे समय तक अतिरिक्त प्रभार की व्यवस्था जारी रखना पुलिस विभाग की संस्थागत स्वतंत्रता और स्थिरता के लिहाज से उचित नहीं है। याचिका में नियमित नियुक्ति से जुड़े निश्चित कार्यकाल और संस्थागत सुरक्षा का भी उल्लेख किया गया है।

याचिकाकर्ता के अनुसार पुलिस बल के प्रमुख पद पर स्थायी नियुक्ति होने से नेतृत्व में स्थिरता आती है और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में प्रशासनिक निर्णय अधिक प्रभावी ढंग से लिए जा सकते हैं। इससे पुलिस व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत होता है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेशों का हवाला देते हुए कहा गया है कि पुलिस प्रमुख की नियुक्ति और कार्यकाल को लेकर निर्धारित व्यवस्था का पालन किया जाना चाहिए।

मोहाली में मुठभेड़ से हड़कंप, घायल बदमाश अस्पताल में भर्ती

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। मोहाली के सनेटा पुलिस चौकी के पास बुधवार को सीआईए टीम और बदमाश गुरदित्त सिंह के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सुनसान इलाके में जाल बिछाया था। अल्टो टैक्सी में सवार आरोपित को रोकने का प्रयास किया गया तो उसने पुलिस टीम पर तीन राउंड फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपित के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल मोहाली में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान आरोपित के कब्जे से तीन पिस्तौल बरामद की गई हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित कथित तौर पर उगाही की साजिश में शामिल था। पुलिस अब उसके आपराधिक रिकॉर्ड और साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पंजाब दौरे से पहले राहुल ने सरकार पर साधा निशाना

- राहुल गांधी ने गुलजार मामले में स्वतंत्र जांच की मांग उठाई।

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ अपना रुख और आक्रामक कर दिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संगरूर के गुलजार सिंह प्रकरण को लेकर भगवंत मान सरकार पर तीखा हमला बोला है।

राहुल गांधी ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट के माध्यम से इस मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही उन्होंने पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के इस्तीफे की मांग भी उठाई। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पंजाब में सरकार की नाकामी पर सवाल उठाने वाले लोगों को धमकियों और प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार से सवाल पूछना नागरिकों का अधिकार है और ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए।

राहुल गांधी के इस रुख को पंजाब में कांग्रेस की आगामी राजनीतिक रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कांग्रेस ने संगठनात्मक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी अब प्रदेश की आम आदमी पार्टी सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है। गुलजार सिंह प्रकरण को भी कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने के लिए प्रमुख मुद्दे के तौर पर उठा रही है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि किसी भी मामले की जांच राजनीतिक प्रभाव से मुक्त होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। पार्टी ने सरकार से पूरे प्रकरण में पारदर्शिता बरतने की मांग की है। राहुल गांधी के बयान के बाद पंजाब की राजनीति में इस मुद्दे को लेकर सियासी हलचल तेज होने के संकेत हैं। कांग्रेस आने वाले दिनों में इस मामले के साथ-साथ कानून-व्यवस्था, नशे और सरकार की कथित विफलताओं को लेकर आम आदमी पार्टी सरकार पर हमले और तेज कर सकती है।

न्यूज ब्रीफ

दो बार तारीख बढ़ने के बाद ईडी दफ्तर पहुंचे अनुराग वर्मा, दस्तावेज लेकर हुई पेशी

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। मोहाली में जमीन के उपयोग में बदलाव की मंजूरियों और लेआउट परिवर्तन से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच के मामले में पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव एवं वरिष्ठ आइएएस अधिकारी अनुराग वर्मा बुधवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पहुंचे। वह मामले से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों की फाइल भी साथ लेकर पहुंचे। केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने उनसे मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं को लेकर पूछताछ की। अनुराग वर्मा की पेशी की तारीख इससे पहले दो बार आगे बढ़ चुकी थी। प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें पहली बार 31 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह उस दिन पेश नहीं हुए। उन्होंने जांच से संबंधित जरूरी दस्तावेज जुटाने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। इसके बाद उनकी पेशी की तारीख बढ़ाई गई। बुधवार को वह तय कार्यक्रम के अनुसार ईडी कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों के समक्ष दस्तावेज प्रस्तुत किए। मामले में भूमि उपयोग परिवर्तन और लेआउट मंजूरियों से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है।

कृत्रिम गर्भाधान और विदेशी सीमेन पर पाबंदियों से नाराज डेयरी किसान

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में पशु नस्ल सुधार और डेयरी फार्मिंग से जुड़े वर्ष 2021 के नियमों के खिलाफ प्रोग्रेसिव डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन ने विरोध जताया है। संगठन का आरोप है कि कृत्रिम गर्भाधान, सीमेन स्ट्रॉ और अन्य प्रक्रियाओं पर पाबंदियों से किसानों की परेशानी बढ़ेगी। इससे पशुओं की गर्भधारण दर प्रभावित होने और डेयरी कारोबार को नुकसान की आशंका है। एसोसिएशन ने नियमों में बदलाव या उन्हें रद करने की मांग की है।

आवासीय-व्यावसायिक संपत्तियां फ्रीहोल्ड कराने का अवसर, 25 सितंबर तक चलेगा शिविर

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड की लीजहोल्ड संपत्तियों को फ्रीहोल्ड में बदलवाने के इच्छुक आवंटियों और संपत्ति मालिकों के लिए राहत की खबर है। चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड की ओर से कन्वर्जन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए 10 से 25 सितंबर तक जन सुविधा शिविर लगाए जाएंगे। शिविर सभी कार्य दिवसों में आयोजित होंगे, जबकि अवकाश के दिनों में इनका आयोजन नहीं किया जाएगा। यहां आवासीय इकाइयों के साथ व्यावसायिक संपत्तियों को भी फ्रीहोल्ड कराने से जुड़े मामलों पर कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड का उद्देश्य लोगों को जरूरी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराकर प्रक्रिया को सरल और जल्द पूरा करना है।

12 सितंबर को अमृतसर में स्थानीय अवकाश, स्कूल-दफ्तर रहेंगे बंद

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब सरकार ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाश पर्व के धार्मिक महत्व को देखते हुए 12 सितंबर, शनिवार को अमृतसर जिले में स्थानीय अवकाश घोषित किया है। इस संबंध में पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार 12 सितंबर को जिले में स्थित सभी सरकारी शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे। इसके अलावा सरकारी कार्यालयों, बोर्डों और निगमों को भी बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने यह निर्णय प्रकाश पर्व के धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए लिया है। स्थानीय अवकाश के चलते अमृतसर जिले में संचालित सरकारी संस्थानों की सेवाएं प्रभावित रहेंगी। नागरिकों से संबंधित आवश्यक कार्यों को देखते हुए छुट्टी की जानकारी पहले से रखने की अपील की गई है। प्रकाश पर्व को लेकर जिले में धार्मिक आयोजन भी होंगे। अवकाश के दौरान लोगों को पर्व में शामिल होने का अवसर मिलेगा। प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

आठ दिन बाद पंजाब कांग्रेस का धरना खत्म आरोपी नहीं पकड़े तो दोबारा आंदोलन

आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो कांग्रेस ने फिर सड़क पर उतरने की दी चेतावनी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

उत्तराखंड के हल्द्वानी में कथित शुद्धिकरण मामले और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के विरोध में पंजाब कांग्रेस भवन के बाहर चल रहा क्रमिक धरना बुधवार को समाप्त हो गया। पंजाब कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग की ओर से यह धरना पिछले आठ दिनों से जारी था। उत्तराखंड पुलिस द्वारा मामले में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद कांग्रेस ने आंदोलन समाप्त करने का फैसला लिया।

जानकारी के अनुसार हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद रामलीला मैदान में कथित तौर पर शुद्धिकरण किए जाने का मामला सामने आया था। इसी मामले को लेकर उत्तराखंड पुलिस ने हल्द्वानी कोतवाली में मामला दर्ज किया। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और 299 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(1)(आर) के तहत कार्रवाई की गई है।

- हल्द्वानी मामले के विरोध में पंजाब कांग्रेस का आठ दिवसीय धरना।
- धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने हल्द्वानी मामले में जताया विरोध।

इस कार्रवाई के विरोध में पंजाब कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग ने पंजाब कांग्रेस भवन के बाहर धरना शुरू किया था। धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मामले में दर्ज प्राथमिकी को लेकर विरोध जताया तथा कार्रवाई पर सवाल उठाए।

कांग्रेस नेताओं का कहना था कि मामले में राजनीतिक दबाव में कार्रवाई की गई है। बुधवार को प्राथमिकी दर्ज होने के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। हालांकि कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि आंदोलन समाप्त होने का अर्थ संघर्ष खत्म होना नहीं है। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि मामले में आरोपी व्यक्तियों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो कांग्रेस दोबारा सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी।

मोहाली के सेक्टर-71 शिव मंदिर में धूमधाम से मनाई श्रीकृष्ण छठी

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। मोहाली के सेक्टर-71 स्थित प्राचीन शिव मंदिर में श्रीकृष्ण छठी समारोह श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था और पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के भजनों का आनंद लिया और जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। समारोह के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन में महिलाओं और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हवाई फायरिंग का वीडियो वायरल, पंजाबी सिंगर विक्की तालीबान गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाबी सिंगर विक्की तालीबान उर्फ बिक्रमजीत सिंह को खेतों में हवा में फायरिंग करना और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करना भारी पड़ गया। खन्ना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि विक्की तालीबान ने अपने एक दोस्त की लाइसेंसी पिस्तौल से खेतों में हवा में गोलियां चलाई थीं। इस दौरान फायरिंग का वीडियो भी बनाया गया। बाद में उन्होंने इसे अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर पोस्ट कर दिया। पुलिस के संज्ञान में वीडियो आने के बाद मामले की जांच शुरू की गई। इसके बाद मच्छीवाड़ा साहिब थाने में विक्की तालीबान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, वीडियो में सिंगर खेतों में पिस्तौल से फायरिंग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जांच के दौरान उनकी पहचान गांव बहलोलपुर निवासी विक्की तालीबान के रूप में हुई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की जांच जारी है।

मंजीत कौर हत्याकांड में बड़ी कामयाबी रिंकू का साथी पिंदा गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाबी इंफ्लुएंसर मंजीत कौर की अपहरण के बाद हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सेक्टर-34 थाना पुलिस ने मुख्य आरोपित रिंकू के साथी परमिंदर सिंह उर्फ पिंदा (25) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे सेक्टर-48 की मोटर मार्केट से वारदात में इस्तेमाल रिंकू की फॉर्च्यूनर कार के साथ पकड़ा। पुलिस के अनुसार, परमिंदर सिंह पंजाब के कपूरथला जिले के खानोवाल का रहने वाला है।

- मंजीत कौर अपहरण-हत्याकांड में पुलिस को मिली बड़ी सफलता।

उसका खरड़ में इमिग्रेशन का काम था, लेकिन वारदात से कुछ दिन पहले वह रिंकू के लिए चालक के तौर पर काम करने लगा था। दोनों के बीच दोस्ती भी बताई जा रही है। मंजीत कौर को सेक्टर-34 से बुलाने और अगवा करने के दौरान परमिंदर रिंकू के साथ मौजूद था। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपित से वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ करेगी। परमिंदर को बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस अदालत से उसका रिमांड मांग सकती है, ताकि हत्या की साजिश, मंजीत कौर के अपहरण और वारदात में अन्य लोगों की भूमिका के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

वहीं, मामले का मुख्य आरोपित रिंकू अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि वारदात के पीछे क्या कारण था और इसमें कितने लोग शामिल थे। पुलिस को उम्मीद है कि पिंदा से पूछताछ के बाद रिंकू तक पहुंचने में मदद मिलेगी। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ से हत्या की साजिश और अन्य आरोपितों की जानकारी सामने आएगी।

सुनवाई गुरप्रीत कौर के खिलाफ मानहानिकारक सामग्री पर चंडीगढ़ अदालत ने लगाई रोक

सीएम मान की पत्नी के खिलाफ पोस्ट पर अदालत सख्त, मजीठिया-खैरा को निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी गुरप्रीत कौर को मानहानि मामले में चंडीगढ़ जिला अदालत से अंतरिम राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ अपुष्ट और मानहानिकारक सामग्री प्रकाशित, प्रसारित या साझा करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। यह आदेश इंटरनेट मीडिया समेत अन्य माध्यमों पर लागू रहेगा। मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर 2026 को होगी।

गुरप्रीत कौर ने अकाली दल के नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया, कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा और सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजीत सिंह के खिलाफ चंडीगढ़ में मानहानि का मामला दायर किया है। याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ गंभीर और आपत्तिजनक आरोप लगाए गए तथा उन्हें विभिन्न माध्यमों से प्रसारित किया गया। गुरप्रीत कौर का कहना है कि इन आरोपों से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। याचिका के अनुसार, प्रतिवादियों की ओर से उन पर दुष्कर्म के एक आरोपित को बचाने के लिए पांच करोड़ रुपये मांगने का आरोप लगाया गया था।

गुरप्रीत कौर ने इन आरोपों को आधारहीन बताते हुए अदालत से राहत की मांग की थी। उनका आरोप है कि यह सामग्री इंटरनेट मीडिया, समाचार प्रसारण और प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई गई। मामले पर सुनवाई करते हुए चंडीगढ़ जिला अदालत ने गुरप्रीत कौर के पक्ष में अंतरिम आदेश जारी किया।

अदालत ने प्रतिवादियों को उनके खिलाफ किसी भी अपुष्ट और मानहानिकारक सामग्री को प्रकाशित, प्रसारित या साझा करने से रोक दिया है। यह रोक अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। अदालत के आदेश के बाद अब मामले में दोनों पक्षों के बीच कानूनी लड़ाई आगे बढ़ेगी। गुरप्रीत कौर की ओर से लगाए गए आरोपों और प्रतिवादियों के पक्ष को सुनने के बाद अदालत आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेगी। फिलहाल अदालत का अंतरिम आदेश केवल मानहानिकारक और अपुष्ट सामग्री के प्रसार पर रोक से संबंधित है।

> **अदालत** के अंतरिम आदेश के बाद मामले में दोनों पक्षों के बीच कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। गुरप्रीत कौर की ओर से लगाए गए आरोपों और प्रतिवादियों के पक्ष को सुनने के बाद अदालत आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेगी। फिलहाल आदेश का उद्देश्य उनके खिलाफ अपुष्ट और मानहानिकारक सामग्री के प्रसार पर रोक लगाना है। मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को निर्धारित की गई है। उस दौरान अदालत के समक्ष दोनों पक्ष अपनी दलीलें रख सकते हैं। गुरप्रीत कौर ने आरोपों को आधारहीन बताते हुए अपनी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने की बात कही है।

सोनमर्ग बना पर्यटकों की पहली पसंद आठ महीनों में पहुंचे 6.17 लाख सैलानी

गुलमर्ग की तर्ज पर सोनमर्ग बना हर मौसम का पर्यटन स्थल, बढ़ा पर्यटकों का आकर्षण

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग इस वर्ष पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। वर्ष 2026 के शुरुआती आठ महीनों में यहां छह लाख से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ है। इससे कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों और पर्यटकों के लौटते भरोसे का संकेत मिल रहा है। पर्यटन पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एक जनवरी से 31 अगस्त तक कुल 6,17,269 पर्यटक सोनमर्ग पहुंचे।

इस आंकड़े में देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पर्यटकों के अलावा विदेशी और जम्मू-कश्मीर के स्थानीय पर्यटक भी शामिल हैं। बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने से सोनमर्ग में पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों के चेहरे पर भी रौनक लौटी है। पर्यटन से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, सरकार, पर्यटन कारोबारियों और यात्रा एजेंसियों की ओर से किए गए संयुक्त प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। पर्यटकों के बीच जम्मू-कश्मीर को लेकर भरोसा धीरे-धीरे मजबूत हुआ है। इसका सीधा लाभ सोनमर्ग जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों को मिल रहा है। सोनमर्ग की प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़, बर्फ से ढकी चोटियां और शांत वातावरण पर्यटकों को लगातार आकर्षित करते हैं। पहले इसे मुख्य रूप से गर्मियों और सर्दियों के पर्यटन के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यहां वर्षभर पर्यटकों की आवाजाही बढ़ रही है। इसी वजह से सोनमर्ग को गुलमर्ग की तर्ज पर हर मौसम में घूमने योग्य पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने की दिशा में भी गतिविधियां तेज हुई हैं।

> **स्थानीय** प्रशासन और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि बेहतर व्यवस्थाओं के साथ सोनमर्ग आने वाले समय में कश्मीर के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में और मजबूत स्थान बनाएगा। बढ़ती पर्यटक संख्या से स्थानीय कारोबार को गति मिलने के साथ क्षेत्र में रोजगार और आय के अवसर भी बढ़ने की संभावना है।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या का असर स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है। होटल, रेस्तरां, वाहन, घुड़सवारी, स्थानीय दुकानों और अन्य पर्यटन गतिविधियों से जुड़े कारोबार को इसका लाभ मिल रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों में दर्ज 6,17,269 पर्यटकों की संख्या जम्मू-कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। आने वाले महीनों में पर्यटकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

सोनमर्ग में बढ़ेंगी पर्यटन सुविधाएं

पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए सोनमर्ग में पर्यटन सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर होटल, ढाबे, वाहन सेवाएं और अन्य पर्यटन गतिविधियों से जुड़े कारोबारियों को उम्मीद है कि आने वाले समय में यहां सैलानियों की संख्या और बढ़ेगी। अधिकारियों का मानना है कि बेहतर सुविधाओं, सुरक्षित माहौल और सुगम यातायात व्यवस्था से सोनमर्ग का आकर्षण और मजबूत होगा। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावना है।

डोडा में लकड़ी तस्करी पर शिकंजा, सैकड़ों देवदार स्लीपर बरामद

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह वन प्रभाग में अवैध पेड़ कटान और लकड़ी तस्करी के खिलाफ वन सुरक्षाबल ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार तड़के की गई छापेमारी के दौरान टीम ने जंगल से अवैध रूप से काटे गए सैकड़ों देवदार और ग्रीन कैल के लकड़ी के स्लीपर बरामद किए। कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद छह मजदूरों को हिरासत में लिया गया है। वन विभाग की टीम ने जब्त लकड़ी को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में लकड़ी के अवैध कटान और तस्करी से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, जंगलों में अवैध कटान रोकने और वन संपदा की सुरक्षा के लिए निगरानी बढ़ाई गई है। वन सुरक्षाबल की इस कार्रवाई के बाद लकड़ी तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन संपदा को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। इसके साथ ही वन विभाग ने जंगल क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और संवेदनशील इलाकों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

विनय कुमार सक्सेना ने जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी को पद की दिलाई शपथ

पुष्पेंद्र सिंह भाटी बने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

न्यायमूर्ति पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्हें लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पद की शपथ दिलाई। सक्सेना वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल रहे हैं। केंद्र सरकार ने पांच सितंबर को न्यायमूर्ति भाटी की नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी की थी।

सर्वोच्च न्यायालय की कॉलेजियम ने अगस्त में राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत न्यायमूर्ति पुष्पेंद्र सिंह भाटी के नाम की सिफारिश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद के लिए की थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी। न्यायमूर्ति भाटी का न्यायिक और कानूनी क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने जोधपुर स्थित राजस्थान उच्च न्यायालय में सेवा कानून, जनहित याचिकाओं, चुनाव, राजस्व, खनन, शिक्षा, पंचायती राज, पारिवारिक, आपराधिक और विभिन्न अन्य मामलों से संबंधित रिट क्षेत्राधिकार में वकालत की। वह राजस्थान उच्च न्यायालय में दो कार्यकाल के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता भी रहे। न्यायमूर्ति भाटी केंद्रीय विद्यालय संगठन, तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम, राजस्थान सरकार के श्रम विभाग और आयुर्वेद विभाग के पैनल वकील रह चुके हैं। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर सहित कई संस्थाओं का प्रतिनिधित्व किया। वह करीब 16 वर्षों तक भारतीय रेलवे के स्थायी वकील भी रहे।

न्यायमूर्ति भाटी को 16 नवंबर 2016 को राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति से दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के न्यायिक प्रशासन को उनके व्यापक कानूनी और न्यायिक अनुभव का लाभ मिलेगा। न्यायमूर्ति भाटी की नियुक्ति से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के न्यायिक प्रशासन को उनके लंबे अनुभव का लाभ मिलेगा। कानून, जनहित याचिकाओं, राजस्व, शिक्षा और आपराधिक मामलों में विशेषज्ञता के चलते उनसे न्यायिक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की उम्मीद है।

पुलिस पोस्ट पर बेहोश हुआ 32 वर्षीय व्यक्ति, अस्पताल ले जाते समय मौत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। आर.एस. पुरा सेक्टर में बुधवार सुबह चकरोई पुलिस पोस्ट पर बेहोश होकर गिरे 32 वर्षीय उत्तम चंद की मौत हो गई। वह रख गांव का रहने वाला था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, संपत्ति विवाद को लेकर एक महिला पड़ोसी की शिकायत के बाद उसे पुलिस पोस्ट बुलाया गया था। वहां अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे करीब सुबह चार बजे आर.एस. पुरा के उपजिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जम्मू के राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर भेजा गया है। मौत के बाद परिजनों ने विरोध प्रदर्शन कर घटना की परिस्थितियों की स्पष्ट जानकारी और उचित कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए मौके पर अतिरिक्त बल तैनात किया और जांच प्रक्रिया आगे बढ़ाई।

'वंदे मातरम का सम्मान करें, लेकिन गाने के लिए मजबूर न करें': तनवीर सादिक

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। वंदे मातरम को लेकर जारी सियासी बहस के बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और विधायक तनवीर सादिक ने बुधवार को पार्टी का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम का सम्मान करना वैधानिक दायित्व है, लेकिन किसी व्यक्ति को इसे गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का इस मुद्दे पर हमेशा स्पष्ट रुख रहा है और पार्टी ने कभी दोहरा रवैया नहीं अपनाया। तनवीर सादिक ने कहा कि पार्टी और सरकार अलग-अलग चीजें हैं।

राजबाग में नौ ग्राम चिट्टे के साथ तस्कर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ । नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने राजबाग थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए करीब नौ ग्राम चिट्टे के साथ एक कथित नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मसकीन अली पुत्र मुरीद अली निवासी खंडवाल कोटपुन्नू, तहसील मढ़हीन, जिला कठुआ के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार राजबाग थाना पुलिस की टीम थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को पैदल जा रहे एक व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और नियमानुसार तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब नौ ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने नशीला पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में राजबाग थाने में प्राथमिकी संख्या 210/2026 दर्ज की गई है।

मनोज सिन्हा के अवकाश पर जाते ही बदली जम्मू-कश्मीर की प्रशासनिक कमान

मनोज सिन्हा छुट्टी पर, विनय सक्सेना संभालेंगे जम्मू-कश्मीर की कमान

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर की प्रशासनिक कमान में अस्थायी बदलाव किया गया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के छुट्टी पर जाने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। अब विनय सक्सेना लद्दाख के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर का प्रशासन भी संभालेंगे।

राष्ट्रपति की ओर से जारी आदेश के अनुसार, यह व्यवस्था मनोज सिन्हा के अवकाश से लौटकर दोबारा कार्यभार संभालने तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान विनय सक्सेना जम्मू-कश्मीर से जुड़े प्रशासनिक कार्यों और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। दोनों केंद्र शासित प्रदेशों की जिम्मेदारी एक साथ संभालने के कारण उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।

जानकारी के मुताबिक, मनोज सिन्हा के 14 सितंबर को वापस लौटने की उम्मीद है। उनके लौटने के बाद जम्मू-कश्मीर की कमान दोबारा उन्हें सौंपे जाने की संभावना है। हालांकि, सिन्हा के अवकाश पर जाने के साथ ही स्थानीय राजनीतिक हलकों में सियासी चर्चाएं और अटकलें तेज हो गई हैं। प्रशासनिक स्तर पर नई व्यवस्था के तहत कामकाज सामान्य रूप से जारी रखने की तैयारी की गई है।

रियासी हमले के बाद फरार तीन आरोपी जालंधर से गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में दुकानदार पर लाठी से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से तीन आरोपियों को बुधवार को पंजाब के जालंधर से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद तीनों आरोपी फरार होकर पंजाब पहुंच गए थे। पुलिस ने उनका पीछा करते हुए जालंधर तक पहुंच बनाई और तीनों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में पुलिस की कार्रवाई के बाद अन्य आरोपियों से भी पूछताछ की जा रही है। बताया गया कि आरोपियों ने दुकान में घुसकर दुकानदार पर लाठियों से हमला किया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

हंदवाड़ा में हिजबुल के पूर्व आतंकी को हथियारों संग दबोचा

मंजूर अहमद भट के पास से पिस्तौल, दो मैगजीन और 16 कारतूस बरामद हुए

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने आतंकी गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हिजबुल मुजाहिद्दीन से जुड़े एक संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त कार्रवाई में हिजबुल मुजाहिद्दीन के एक पूर्व आतंकी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मंजूर अहमद भट के रूप में हुई है।

सुरक्षा बलों को क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने 21 राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 92वीं बटालियन के साथ मिलकर संयुक्त अभियान शुरू किया। तलाशी और जांच के दौरान सुरक्षा बलों ने संदिग्ध को पकड़ लिया।

उसके कब्जे से एक पिस्तौल, दो मैगजीन और 16 कारतूस बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार व्यक्ति प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन से जुड़ा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह मौजूदा समय में किन गतिविधियों में शामिल था और आतंकी संगठन के अन्य सदस्यों के साथ उसका संपर्क था या नहीं। सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई को क्षेत्र में आतंकी नेटवर्क के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान बरामद हथियारों और गोला-बारूद की भी जांच की जा रही है। इसके साथ ही गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और संभावित सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि बरामद हथियारों का इस्तेमाल किसी आपराधिक या आतंकी गतिविधि में किया जाना था या नहीं। मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है। हंदवाड़ा और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है।

चिट्टा सेवन करते पकड़ा गया पीएसआई विभाग ने किया निलंबित; जांच शुरू

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस विभाग से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसने खाकी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हीरानगर पुलिस थाने में तैनात प्रोबेशनर सब इंस्पेक्टर अमजद खान को चिट्टा यानी हेरोइन का सेवन करते हुए पकड़ा गया। घटना के बाद पुलिस विभाग ने उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे निलंबित कर दिया और विभागीय जांच के आदेश जारी किए हैं।

पुलिस के अनुसार, अमजद खान के खिलाफ नशीले पदार्थों से संबंधित कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि वह हेरोइन का सेवन कर रहा था। मामले की जानकारी सामने आने के बाद विभाग में भी हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है।

अमजद खान को निलंबित किए जाने के साथ ही उसके खिलाफ दर्ज मामले की जांच भी की जा रही है। विभागीय जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों को जुटा रही है। वहीं, एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज मामले में सब इंस्पेक्टर को अगले ही दिन जमानत मिल गई।

तनवीर सादिक के बयान को भाजपा-पीडीपी ने बताया अपमानजनक, मांगी सार्वजनिक माफी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

बयान को लेकर तनवीर सादिक से मांगी माफी

नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और विधायक तनवीर सादिक के 'एक पायजामे' वाले बयान को लेकर जम्मू-कश्मीर की सियासत गरमा गई है।

शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की 44वीं पुण्यतिथि के मौके पर गरीबी का जिक्र करते हुए सादिक ने कहा था कि आजादी के समय कश्मीर में इतनी गरीबी थी कि एक पूरे गांव में पहनने के लिए सिर्फ एक ही पायजामा हुआ करता था। उनके इस बयान पर भाजपा और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई है। दोनों दलों ने सादिक के बयान को अपमानजनक बताते हुए उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि इस तरह का बयान कश्मीर के लोगों की गरिमा और इतिहास का अपमान है।

वहीं, पीडीपी ने भी बयान की आलोचना करते हुए सादिक से अपनी टिप्पणी वापस लेने और माफी मांगने को कहा है। मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा और पीडीपी के नेताओं ने कहा कि राजनीतिक नेताओं को इतिहास और आम लोगों की भावनाओं से जुड़े मुद्दों पर बयान देते समय संयम बरतना चाहिए। वहीं, सादिक की टिप्पणी के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भी विपक्षी दलों का हमला बढ़ गया है।

श्रीनगर फिल्म फेस्टिवल को अकबर खान ने बताया ऐतिहासिक

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में पहली बार आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल ने देशभर में अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी है। फेस्टिवल के तीसरे दिन बॉलीवुड अभिनेता और फिल्ममेकर अकबर खान भी कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने श्रीनगर में आयोजित इस फिल्म महोत्सव की जमकर सराहना की और इसे ऐतिहासिक शुरुआत बताया।

अकबर खान ने कहा कि आने वाले समय में यह महोत्सव दुनिया के प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल को भी टक्कर देने की क्षमता रखेगा। श्रीनगर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान अकबर खान ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और फिल्म फेस्टिवल के आयोजकों को इस आयोजन के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि कश्मीर की धरती पर इस तरह का अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन होना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने फेस्टिवल की शुरुआत को शानदार और रूहानी बताते हुए कहा कि कश्मीर में सिनेमा के लिए अपार संभावनाएं हैं। अकबर खान ने कश्मीर की प्राकृतिक खूबसूरती और यहां की संस्कृति की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कश्मीर लंबे समय से फिल्मकारों और कलाकारों को आकर्षित करता रहा है। यहां की वादियां, वातावरण और स्थानीय संस्कृति फिल्मों के लिए शानदार पृष्ठभूमि उपलब्ध कराते हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के आयोजन से जम्मू-कश्मीर को वैश्विक सिनेमा के नक्शे पर नई पहचान मिल सकती है।

उन्होंने सिनेमा की भूमिका पर भी अपनी बात रखी। अकबर खान के अनुसार सिनेमा लोगों को जोड़ने का माध्यम है और इसका उद्देश्य समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिल्मों के जरिए अलग-अलग संस्कृतियों, विचारों और लोगों के बीच संवाद को बढ़ावा दिया जा सकता है।

70 वर्षीय यूएपीए आरोपी की जमानत बरकरार, सरकार की अपील खारिज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने यूएपीए के एक मामले में 70 वर्षीय आरोपी गुलाम नबी को बड़ी राहत दी है। अदालत ने बुजुर्ग आरोपी को जमानत देने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए सरकार की अपील खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने मामले में व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को महत्वपूर्ण माना और निचली अदालत के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। सरकार की ओर से ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई जमानत को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की गई थी। सरकार का पक्ष था कि आरोपी पर यूएपीए जैसे गंभीर कानून के तहत मामला दर्ज है, इसलिए उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जाना चाहिए।

हालांकि, हाईकोर्ट ने मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए सरकार की दलील को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को केवल आरोपों की गंभीरता के आधार पर अनिश्चित समय तक बाधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने जमानत के संबंध में निचली अदालत द्वारा दिए गए फैसले को उचित माना। इस तरह 70 वर्षीय आरोपी की जमानत बरकरार रही और सरकार को राहत नहीं मिल सकी।

जलनिकासी — आगामी मानसून में जलभराव रोकने के लिए जम्मू नगर निगम ने 32 प्रमुख नालों के जीर्णोद्धार का काम किया शुरू

जम्मू में जलभराव से मिलेगी राहत, 121 करोड़ से नालों का कायाकल्प

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू शहर को आगामी मानसून में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति से बचाने के लिए जम्मू नगर निगम ने बड़े स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। बरसात का दौर थमते ही निगम ने शहर के विभिन्न वार्डों में नालों के जीर्णोद्धार, उन्हें चौड़ा करने, किनारों को पक्का करने और सुरक्षा दीवारें बनाने का अभियान शुरू किया है। इसके तहत शहर के 32 प्रमुख नालों का कायाकल्प किया जाएगा।

इस पूरी योजना पर करीब 121 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नगर निगम का उद्देश्य बारिश के दौरान शहर में जलभराव की समस्या को कम करना और पानी की निकासी को सुचारू बनाना है। जम्मू में हर वर्ष मानसून के दौरान कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है। तेज बारिश होने पर नालों की क्षमता कम पड़ने से पानी सड़कों और निचले इलाकों में जमा हो जाता है। कई स्थानों पर घरों और दुकानों तक पानी पहुंचने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए निगम ने नालों की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया है।

अभियान के तहत प्रमुख नालों की मौजूदा स्थिति का सुधार किया जा रहा है। जहां जरूरत है, वहां नालों को चौड़ा किया जाएगा, जबकि क्षतिग्रस्त हिस्सों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। नालों के किनारों को मजबूत करने के लिए पक्की संरचनाएं तैयार की जाएंगी। इसके अलावा संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा दीवारें भी बनाई जाएंगी, ताकि तेज बहाव के दौरान आसपास के क्षेत्रों में पानी फैलने का खतरा कम हो सके। निगम की योजना शहर के विभिन्न वार्डों में जलनिकासी व्यवस्था को मजबूत करने की है। इसके लिए उन नालों को प्राथमिकता दी जा रही है, जहां बरसात के दौरान सबसे अधिक पानी जमा होने की समस्या सामने आती है।

अधिकारियों का मानना है कि नालों की चौड़ाई और जलधारण क्षमता बढ़ने से बारिश के पानी की निकासी तेजी से हो सकेगी। नगर निगम की ओर से यह काम बरसात का दौर समाप्त होने के बाद शुरू किया गया है, ताकि आगामी मानसून से पहले अधिक से अधिक कार्य पूरा किया जा सके। निगम का प्रयास है कि निर्माण कार्यों के साथ नालों की नियमित सफाई और रखरखाव पर भी ध्यान दिया जाए। इससे नालों में गाद और कचरा जमा होने की समस्या को नियंत्रित किया जा सकेगा।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर रहेगी निगम की नजर

इसके साथ ही निगम अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। नालों के चौड़ीकरण और सुरक्षा दीवारों के निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसका भी ध्यान रखा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार कार्य पूरा होने के बाद बारिश के दौरान पानी के तेज बहाव को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। इससे जलभराव वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। निगम ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यों की नियमित समीक्षा करने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

प्रश्नपत्र लीक करने वाले हाथों से ज्यादा खतरनाक वह व्यवस्था है जो उन्हें बच निकलने देती है

डॉ अंकिता चौधरी
(सह-प्राध्यापक)
अभिलाषी विश्वविद्यालय, मंडी (हि. प्र.)

परीक्षा का दिन किसी विद्यार्थी के लिए केवल एक तारीख नहीं होता, वह वर्षों की तपस्या का परिणाम होता है। उस दिन परीक्षा कक्ष में केवल प्रश्नपत्र नहीं खुलता, बल्कि किसी माँ की अनगिनत प्रार्थनाएँ, किसी पिता की अधूरी इच्छाएँ और किसी बच्चे के सुनहरे भविष्य की आशाएँ भी खुलती हैं। लेकिन जब वही प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले बाज़ार में बिकने लगे, तब समझ लीजिए कि केवल कागज़ नहीं लीक हुआ, बल्कि इस देश की शिक्षा व्यवस्था का विश्वास भी रिस गया है।

पेपर लीक का सबसे बड़ा शिकार वह विद्यार्थी नहीं होता जो परीक्षा दोबारा देता है, बल्कि वह होता है जिसका विश्वास मर जाता है। वह बच्चा जिसने रातों की नींद, त्योहारों की खुशियाँ और अपने सपनों को दाँव पर लगाकर पढ़ाई की, अचानक यह महसूस करने लगता है कि उसकी मेहनत की कोई कीमत नहीं। उसके मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है—क्या इस देश में सफलता अब परिश्रम से नहीं, बल्कि पहुँच और पैसे से तय होगी? जब मेहनत करने वाला स्वयं को असहाय और बेबस महसूस करने लगे, तब केवल एक परीक्षा नहीं हारती, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता हारने लगती है।

दुखद यह है कि ऐसे अपराध किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं होते। इनके पीछे अक्सर एक ऐसा तंत्र खड़ा दिखाई देता है, जहाँ जिम्मेदार पदों पर बैठे कुछ लोग अपने कर्तव्य को भूलकर कुर्सी को कमाई का साधन बना लेते हैं। जिस कुर्सी पर बैठकर भविष्य गढ़ा जाना चाहिए, वहीं से यदि भविष्य बेचा जाने लगे, तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के साथ विश्वासघात है। शिक्षा किसी भी राष्ट्र की सबसे पवित्र व्यवस्था मानी जाती है। यदि उसी व्यवस्था में ईमानदारी का स्थान सौदेबाजी ले ले, तो राष्ट्र की नींव धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है।

पेपर लीक केवल कानून तोड़ने का अपराध नहीं है; यह उस छात्र की आत्मा पर प्रहार है जिसने अपनी पूरी ईमानदारी से संघर्ष किया। यह उस किसान पिता के पसीने का अपमान है जिसने खेत गिरवी रखकर या बेचकर कोचिंग की फीस भरी। यह उस मजदूर माँ के त्याग का अपमान है जिसने अपनी जरूरतों को भूलकर बच्चे की किताबें खरीदीं। यह उस परिवार की उम्मीदों का गला घोंट देना है जिसने हर सुबह अपने बच्चे को यह विश्वास दिलाया कि मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। जब वही बच्चा परिणाम से पहले ही व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाने लगे, तब समझ लेना चाहिए कि सबसे बड़ी क्षति अंकों की नहीं, विश्वास की हुई है।

सबसे भयावह स्थिति तब होती है जब दोषी ऊँचे पदों और प्रभावशाली कुर्सियों के पीछे छिप जाते हैं। कानून का भय यदि केवल आम नागरिक तक सीमित रह जाए और प्रभावशाली लोग बच निकलें, तो न्याय का अर्थ ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र में कुर्सी सम्मान देती है, लेकिन उससे कहीं अधिक उत्तरदायित्व भी देती है। यदि वही उत्तरदायित्व बिक जाए, तो राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी—उसका युवा—निराशा के अंधकार में धकेल दिया जाता है। युवा जब व्यवस्था पर से भरोसा खो देता है, तब वह केवल एक परीक्षा से नहीं हारता, बल्कि उसके भीतर भविष्य के प्रति विश्वास भी टूटने लगता है।

आज देश में लाखों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। कोई डॉक्टर बनने का सपना देखता है, कोई शिक्षक, कोई इंजीनियर, कोई प्रशासनिक अधिकारी और कोई सैनिक। इन सपनों के पीछे केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार का संघर्ष जुड़ा होता है। अनेक परिवार आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद अपने बच्चों को बेहतर भविष्य दिलाने का प्रयास करते हैं। ऐसे में यदि एक प्रश्नपत्र कुछ लालची लोगों की वजह से लीक हो जाए, तो उसकी कीमत केवल परीक्षा रद्द होने तक सीमित नहीं रहती। उसकी कीमत लाखों युवाओं का टूटा हुआ मनोबल चुकाता है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

लुटेरी दुल्हनों का जेवरात लेकर शादी के बाद फरार होना विश्वास के रिश्तों पर सबसे बड़ा हमला

प्रो. मनोज डोगरा
राजकीय महाविद्यालय बड़सर

भारतीय संस्कृति में विवाह केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि सात जन्मों का पवित्र बंधन माना जाता है। अग्नि को साक्षी मानकर लिए गए सात फेरे विश्वास, समर्पण और जीवनभर साथ निभाने के वचन का प्रतीक हैं। लेकिन हाल के वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों से लगातार सामने आ रही घटनाओं ने इस पवित्र रिश्ते पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। कई मामलों में नई नवेली दुल्हन शादी के कुछ ही घंटे या कुछ दिनों के भीतर घर के जेवरात, नकदी और कीमती सामान लेकर फरार हो जाती है। इससे न केवल एक परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद होता है, बल्कि विवाह जैसी सामाजिक संस्था में लोगों का भरोसा भी डगमगाने लगता है।

ऐसी घटनाएँ अब अपवाद नहीं रहीं। कई मामलों में पुलिस जांच से पता चलता है कि कुछ विवाह पहले से ही सुनियोजित धोखाधड़ी का हिस्सा थे। फर्जी पहचान, नकली दस्तावेज, बिचौलियों का नेटवर्क और झूठी पारिवारिक जानकारी के सहारे शादी कराई जाती है। जैसे ही मौका मिलता है, दुल्हन जेवरात और नकदी लेकर गायब हो जाती है। बाद में पता चलता है कि उसके पीछे पूरा गिरोह सक्रिय था, जिसने कई राज्यों में इसी तरह की वारदातों को अंजाम दिया है।

सबसे दुखद पहलू यह है कि ऐसे अपराध केवल धन की चोरी नहीं हैं, बल्कि विश्वास की भी चोरी हैं। जिस परिवार ने नई बहू का स्वागत बेटी की तरह किया, उसी परिवार को कुछ ही दिनों में पुलिस थाने और अदालतों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचती है, मानसिक तनाव अलग से झेलना पड़ता है। कई परिवार कर्ज लेकर शादी करते हैं और ऐसी घटना के बाद वर्षों तक आर्थिक संकट से उबर नहीं पाते लेख का प्रारूप पंजाब केसरी की संपादकीय शैली को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। शादी के बाद जेवरात लेकर घर से फरार होने की बढ़ती घटनाएँ-विश्वास के रिश्तों पर गहराता संकट

विवाह भारतीय समाज में केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का पवित्र और सामाजिक बंधन माना जाता है। यह रिश्ता विश्वास, सम्मान, जिम्मेदारी और पारदर्शिता की मजबूत नींव पर खड़ा होता है। लेकिन हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं, जहाँ विवाह के कुछ ही दिनों बाद नवविवाहित दूल्हा या दुल्हन घर के ऐसी घटनाओं का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि समाज में विश्वास का संकट पैदा हो रहा है। अब परिवार रिश्ता तय करने से पहले कई बार सोचने लगे हैं। जहाँ पहले आपसी परिचय और सामाजिक प्रतिष्ठा के आधार पर विवाह तय हो जाते थे, वहीं अब लोगों को हर जानकारी की पुष्टि करनी पड़ रही है। इसका असर उन हजारों ईमानदार परिवारों पर भी पड़ रहा है, जिनका इन घटनाओं से कोई संबंध नहीं है।

इस समस्या के पीछे कई कारण हैं। बेरोजगारी, तेजी से धन कमाने की लालसा, गिरते नैतिक मूल्य, अपराधी गिरोहों की सं, यता तथा वैवाहिक वेबसाइटों और सोशल मीडिया का दुरुपयोग प्रमुख कारणों में शामिल हैं। कई बार परिवार बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के केवल दिखावे, जल्दबाजी या बिचौलियों के भरोसे रिश्ता तय कर लेते हैं। यही लापरवाही बाद में भारी नुकसान का कारण बनती है।

हालाँकि यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी एक-दो घटनाओं के आधार पर पूरे समाज या किसी वर्ग विशेष पर आरोप लगाना उचित नहीं है। अधिकांश विवाह आज भी विश्वास, प्रेम और जिम्मेदारी के साथ सफलतापूर्वक निभाए जा रहे हैं। अपराध करने वाले कुछ लोग पूरे समाज की छवि को धूमिल कर देते हैं। इसलिए समस्या का समाधान पूर्वाग्रह नहीं, बल्कि सतर्कता और कानून के प्रभावी ि, यान्वयन में है।

पुलिस और प्रशासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों की त्वरित जांच होनी चाहिए तथा यदि किसी संगठित गिरोह की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

उच्च शिक्षा को चाहिए स्थायी नेतृत्व

भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप, पेटेंट, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की बात लगातार हो रही है। लेकिन इन सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं की वास्तविक नींव हमारे विश्वविद्यालयों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और शोध संस्थानों में तैयार होती है। ऐसे में यदि देश के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में बड़ी संख्या में शिक्षकीय पद खाली पड़े हों और कई विश्वविद्यालय नियमित कुलपति की प्रतीक्षा कर रहे हों तो यह केवल प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सीधे देश की आर्थिक, वैज्ञानिक और सामाजिक प्रगति से जुड़ी हुई है।

कुलपति किसी विश्वविद्यालय के केवल प्रशासनिक प्रमुख नहीं होते। संस्थान की शैक्षणिक दिशा, नए विभागों की स्थापना, शोध केंद्रों का विकास, शिक्षकों की नियुक्ति, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वित्तीय प्राथमिकताएं और दीर्घकालीन योजनाएं काफी हद तक स्थायी नेतृत्व पर निर्भर करती हैं। इसके बावजूद 57 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 18 विश्वविद्यालय ऐसे हैं जहां नियमित कुलपति की नियुक्ति की प्रतीक्षा बनी हुई है। इनमें कई संस्थान कार्यवाहक अथवा प्रभारी कुलपतियों के भरोसे चल रहे हैं। कार्यवाहक व्यवस्था कुछ समय के लिए जरूरी हो सकती है, लेकिन लंबे समय तक यही व्यवस्था जारी रहना किसी भी विश्वविद्यालय की संस्थागत स्थिरता के लिए उचित नहीं कहा जा सकता।

विश्वविद्यालय को केवल रोजमर्रा के प्रशासनिक कामकाज के लिए नेतृत्व की आवश्यकता नहीं होती। उसे ऐसा नेतृत्व चाहिए जो अगले पांच या दस वर्षों की अकादमिक दिशा तय कर सके। नए पाठ्यक्रम शुरू कर सके, शोध को प्रोत्साहित कर सके, उद्योग और विश्वविद्यालय के बीच सहयोग बढ़ा सके तथा विद्यार्थियों के लिए बेहतर अवसर तैयार कर सके। इसलिए कुलपति के कार्यकाल की समाप्ति से काफी पहले नए उत्तराधिकारी की चयन प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए, ताकि नेतृत्व में किसी प्रकार का शून्य पैदा न हो।

शिक्षकों के रिक्त पदों की स्थिति भी गंभीर है। एक जुलाई 2025 तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 18,951 स्वीकृत शिक्षकीय पदों में 4,889 पद खाली थे। यानी लगभग एक चौथाई पद रिक्त थे। यह जरूर सकारात्मक है कि वर्ष 2014 के मुकाबले स्वीकृत पदों की संख्या बढ़ी है और विशेष भर्ती अभियानों के माध्यम से हजारों शिक्षकों की नियुक्ति भी हुई है। लेकिन सुधार के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में पद खाली रहना यह संकेत देता है कि भर्ती प्रक्रिया को अधिक तेज, पारदर्शी और नियमित बनाने की जरूरत है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थिति इससे भी अधिक चिंता पैदा करती है। जनवरी 2026 तक देश के 23 आइआइटी में 12,498 स्वीकृत फैकल्टी पदों में 4,804 पद खाली थे। यह लगभग 38 प्रतिशत की रिक्ति है। कुछ संस्थानों में रिक्त पदों का अनुपात आधे से भी अधिक दर्ज किया गया। सरकार यदि आइआइटी में विद्यार्थियों की संख्या और सीटें बढ़ाने की योजना बना रही है तो उसके साथ शिक्षकों की संख्या बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। केवल सीटें बढ़ाने से उच्च शिक्षा का विस्तार नहीं होगा। यदि विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती जाए और शिक्षकों की उपलब्धता उसी अनुपात में न बढ़े तो इसका असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ना स्वाभाविक है।

भारतीय प्रबंध संस्थानों में भी शिक्षकों की कमी चिंता का विषय है। जनवरी 2026 में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 18 आइआइएम में स्वीकृत फैकल्टी पदों का लगभग एक तिहाई हिस्सा खाली था। ये संस्थान देश के भविष्य के प्रबंधकीय नेतृत्व को तैयार करते हैं। ऐसे में शिक्षकों की कमी का प्रभाव केवल वर्तमान विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर आने वाले वर्षों में उद्योग, प्रशासन और आर्थिक क्षेत्र में दिखाई दे सकता है।

शिक्षकों की कमी का सबसे पहला असर कक्षा में दिखाई देता है। उपलब्ध शिक्षकों पर अतिरिक्त शिक्षण और प्रशासनिक जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। इससे विद्यार्थियों के साथ व्यक्तिगत संवाद का समय कम होता है। शोध कार्य के लिए उपलब्ध समय भी घटता है। इसका सीधा असर पीएचडी विद्यार्थियों, शोध परियोजनाओं, प्रयोगशाला कार्य, प्रकाशन और नए शोध समूहों के निर्माण पर पड़ सकता है। किसी भी विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय की पहचान केवल उसके भवनों से नहीं होती, बल्कि उसके शिक्षकों और शोधकर्ताओं की गुणवत्ता से होती है।

यह भी समझना होगा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले कर्मचारी नहीं हैं। वे विद्यार्थियों के मार्गदर्शक, शोध के प्रेरक और नई सोच के निर्माता होते हैं। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल विषय का ज्ञान नहीं देता, बल्कि उसमें प्रश्न पूछने, समस्या का समाधान खोजने और नए विचार विकसित करने की क्षमता पैदा करता है। इसलिए शिक्षकों की कमी को केवल संख्या के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। इसका प्रभाव संस्थान की बौद्धिक संस्कृति और भविष्य की शोध क्षमता पर भी पड़ता है।

-शिवांश धाकड़

कविता

उठो धरा के वीर सपूतों

डॉ. कौमार्या मनोज (शिक्षा विशेषज्ञ)

उठो धरा के वीर सपूतों,
आओ अब निर्माण करो।
जिस मिट्टी ने पाला तुमको,
उस मिट्टी का मान करो ।।
खून-पसीने से सींची है,
जिसने डगर ,ये ज्ञान करो।
शीश पे अपनी भारत माता,
तुम गौरव का ताज धरो।।
उठो धरा के वीर सपूतों...
उठो धरा के लाल जगो तुम,
देश को गढ़ने कसम करो ।
जिस धरती ने दिया तुम्हें सब,
उसका धरती का मान करो।।
देश ने तुमको मान दिया,
सम्मान दिया कुछ मान करो।
दी घर, अन्न औ ज्ञान दिया , अपना सर्वस्व कुर्बान करो।।
उठो वीर , हुंकार भरो तुम, देश निर्माण संकल्प भरो ।
जिस मिट्टी में जन्म लिया,
उस मिट्टी का मान करो ।।
सीमा पे शौर्य, खेतों में श्रम, प्रयोगशाला में विज्ञान भरो।
हर हाथ हुनर तालीम मिले, हर आँगन में प्रकाश भरो।।
उठो धरा के वीर सपूतों।
भूल के बंधन जाती भाषा,
तिरंगे का मान बढ़ाओ ।
नए भारत का सपना बुनो,
मिलकर इसको सभी सजाओ।।
उठो धरा के वीर सपूतों ।।।

सोशल मीडिया : सूचना क्रांति का सशक्त माध्यम, किंतु संतुलित उपयोग की आवश्यकता

वर्तमान समय को यदि सोशल मीडिया का युग कहा जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। जिस प्रकार पहले विज्ञान के संदर्भ में यह कहा जाता था कि 'विज्ञान वरदान भी है और अभिशाप भी', उसी प्रकार आज यही बात सोशल मीडिया पर भी पूरी तरह लागू होती है। सोशल मीडिया ने दुनिया को जोड़ने, सूचना के आदान-प्रदान और ज्ञान के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन इसके बढ़ते दुष्प्रभावों ने इसे कई मायनों में अभिशाप का रूप भी दे दिया है।

आज अधिकांश लोग व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब और एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घंटों व्यस्त रहते हैं। यह केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि धीरे-धीरे एक ऐसी आदत बनता जा रहा है जो कई लोगों के लिए लत का रूप ले चुकी है। जब किसी भी चीज का अत्यधिक उपयोग होने लगे, तो उसके दुष्परिणाम सामने आना स्वाभाविक है। यही स्थिति आज सोशल मीडिया के साथ देखने को मिल रही है। लगातार मोबाइल स्क्रीन पर समय बिताने से सबसे पहले इसका प्रतिकूल प्रभाव हमारी आंखों पर पड़ता है। साथ ही, लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने से शरीर की संरचना और स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। मानसिक तनाव, अनिद्रा, एकाग्रता में कमी तथा शारीरिक निष्क्रियता जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

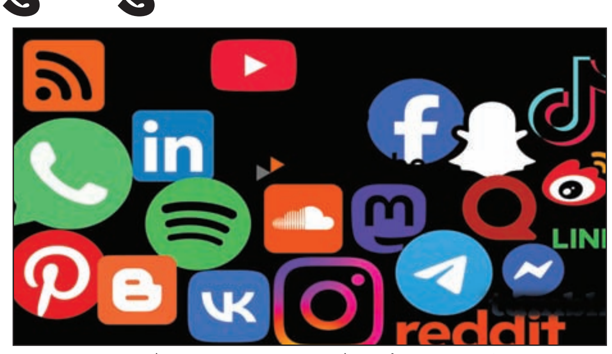

आनंद स्वरूप धीमान
सेवानिवृत्त कोषाधिकारी, पंचरुखी

विशेष रूप से युवाओं और बच्चों में इसका प्रभाव अधिक दिखाई देता है। सोशल मीडिया का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानवीय रिश्तों पर पड़ रहा है। पहले लोग एक-दूसरे से मिलकर या फोन पर बातचीत कर अपने सुख-दुःख साझा करते थे, लेकिन आज केवल व्हाट्सऐप संदेश भेज देना ही हालचाल पूछने का माध्यम बन गया है। आमने-सामने बातचीत और आत्मीयता लगातार कम होती जा रही है। इसका परिणाम यह है कि पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में दूरी बढ़ रही है तथा लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ता जा रहा है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाएं, अफवाहें और नफरत फैलाने वाली सामग्री समाज में विषैले वातावरण का निर्माण कर रही हैं। कई बार झूठी खबरें सामाजिक अशांति और तनाव का कारण बन जाती हैं। साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, फर्जी पहचान, साइबर बुलिंग तथा निजी जानकारी की चोरी जैसी घटनाओं में भी लगातार वृद्धि हो रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि बढ़ते साइबर अपराधों में सोशल मीडिया का दुरुपयोग एक प्रमुख कारण बन चुका है।

हालांकि, सोशल मीडिया का दूसरा पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि इसका उपयोग संयम और विवेक के साथ किया जाए, तो यह शिक्षा, व्यवसाय, रोजगार, सामाजिक जागरूकता और आपदा के समय सहायता पहुंचाने का अत्यंत प्रभावी माध्यम बन सकता है। आज अनेक विद्यार्थी ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, छोटे व्यवसाय अपने उत्पादों का प्रचार कर रहे हैं और समाजसेवी संगठन लोगों तक अपनी बात पहुंचाने में सोशल मीडिया का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया स्वयं न तो पूरी तरह वरदान है और न ही पूर्णतः अभिशाप। इसका स्वरूप इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसका उपयोग किस प्रकार करते हैं। यदि हम इसे सीमित, संतुलित और सकारात्मक उद्देश्य के लिए अपनाएं, तो यह हमारे जीवन को सरल और उपयोगी बना सकता है, लेकिन यदि इसका अंधाधुंध और अनियंत्रित उपयोग किया जाए, तो यह हमारे स्वास्थ्य, रिश्तों और सामाजिक जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

स्वतंत्रता सेनानी से केंद्रीय गृह मंत्री तक

गोविंद बल्लभ पंत स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सेनानी, कुशल राजनीतिज्ञ और स्वतंत्र भारत के प्रभावशाली नेताओं में शामिल थे। उनका जन्म 10 सितंबर 1887 को अल्मोड़ा के निकट खूंट गांव में हुआ था। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने के बाद काशीपुर में वकालत शुरू की। वर्ष 1914 में उन्होंने अंग्रेजी शासन की शोषणकारी कुली बेगार प्रथा के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाकर सार्वजनिक जीवन में कदम रखा।

गोविंद बल्लभ पंत
जन्म : 10 सितंबर 1887

1921 में पंत राजनीति में आए और संयुक्त प्रांत की विधान परिषद के सदस्य चुने गए। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रहे। 1928 में साइमन कमीशन के विरोध के दौरान पुलिस की लाठियों से उन्हें गंभीर चोटें आईं। इसके बावजूद उन्होंने संघर्ष जारी रखा। नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन सहित विभिन्न आंदोलनों में भाग लेने के कारण उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर अहमदनगर किले में रखा गया और लगभग तीन वर्ष बाद स्वास्थ्य खराब होने पर रिहा किया गया।

1937 में पंत संयुक्त प्रांत के प्रीमियर बने। स्वतंत्रता के बाद भी उन्होंने प्रदेश का नेतृत्व जारी रखा और 1950 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासनिक सुधार, पंचायत व्यवस्था और किसानों की आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने ग्रामीण विकास तथा शिक्षा को भी महत्व दिया।

1955 में पंत को भारत का केंद्रीय गृह मंत्री बनाया गया। इस पद पर रहते हुए राज्यों के भाषाई आधार पर पुनर्गठन और हिंदी को केंद्र सरकार की आधिकारिक भाषा के रूप में स्थापित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके योगदान को देखते हुए 1957 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। 1960 में उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्या हुई और 7 मार्च 1961 को 73 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। गोविंद बल्लभ पंत का जीवन राष्ट्रसेवा, स्वतंत्रता संघर्ष और जनकल्याण के प्रति समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है।

किताबें केवल कागज के पन्ने नहीं, जीवनभर हमारा साथ निभाने वाली सच्ची मित्र हैं

दुनिया में हमारे जीवन के अलग-अलग पड़ावों पर कई तरह के दोस्त मिलते हैं। कुछ मित्र सुख-दुख में साथ देते हैं तो कुछ समय और परिस्थितियों के बदलते ही दूर हो जाते हैं। लेकिन किताब एक ऐसा मित्र है जो जीवनभर हमारा साथ निभाती है। वह बोलती नहीं है फिर भी सबसे अधिक सिखाती है। वह शिकायत नहीं करती फिर भी हमारी सबसे अधिक संभाल करती है। आज जब जीवन तेजी से बदल रहा है और मोबाइल फोन हमारी दिनचर्या का बड़ा हिस्सा बन चुका है तब किताबों की जरूरत पहले से कहीं अधिक महसूस होती है। किताब केवल कागज और स्याही का पुलिंदा नहीं बल्कि मनुष्य के अनुभव ज्ञान और विचारों का संचित संसार है।

एक अच्छी किताब किसी व्यक्ति के वर्षों के अनुभव को कुछ घंटों में हमारे सामने रख देती है। जब हम कोई पुस्तक पढ़ते हैं तो वास्तव में हम केवल शब्द नहीं पढ़ रहे होते बल्कि उसके लेखक के विचारों के साथ संवाद कर रहे होते हैं। किसी वैज्ञानिक की पुस्तक हमें उसकी खोज और जिज्ञासा की दुनिया में ले जाती है। किसी सैनिक की आत्मकथा हमें साहस और संघर्ष का अर्थ समझाती है। किसी मां की जीवनकथा हमें त्याग और ममता का अनुभव कराती है। किसी साहित्यकार की रचना हमें समाज और मनुष्य के भीतर झांकने का अवसर देती है। इसीलिए किताबों को ज्ञान का भंडार ही नहीं बल्कि अनुभवों का जीवंत संसार कहा जा सकता है।

किताबों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उनका मूल्य उनकी कीमत से कहीं अधिक होता है। कुछ सौ रुपये में खरीदी गई पुस्तक अपने भीतर करोड़ों रुपये से भी अधिक मूल्य का ज्ञान समेटे हो सकती है। विद्यालय में वर्षों तक जो बातें हम अलग-अलग विषयों के माध्यम से सीखते हैं उनका सार किसी अच्छी पुस्तक में मिल सकता है। डॉक्टर क्या सोचता है किसान किन परिस्थितियों से गुजरता है सैनिक किस तरह कठिनाइयों का सामना करता है और समाज किन बदलावों से गुजर रहा है यह सब किताबों के माध्यम से समझा जा सकता है। किताबें हमारी भाषा को भी समृद्ध करती हैं। नियमित पढ़ने वाला व्यक्ति अपने विचारों को अधिक स्पष्ट और प्रभावशाली ढंग से व्यक्त कर सकता है।

कितावें हमें धैर्य और एकाग्रता भी सिखाती हैं। आज हम कुछ ही सेकंड में मनोरंजन पाने के आदी होते जा रहे हैं। मोबाइल की लगातार बदलती सामग्री हमारा ध्यान एक विषय पर लंबे समय तक टिकने नहीं देती। इसके विपरीत तीन सौ पन्नों की किताब पढ़ने के लिए हमें रुकना पड़ता है। एकाग्र होना पड़ता है और विचारों को समय देना पड़ता है। यही आदत आगे चलकर जीवन की दूसरी चुनौतियों में भी काम आती है। पुस्तक पढ़ना केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं बल्कि अपने मन को अनुशासित करना भी है।

किताबों का मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। भागदौड़ और तनाव से भरे जीवन में कुछ समय शांत होकर पढ़ना मन को राहत देता है। मोबाइल और लगातार आती सूचनाओं से पैदा होने वाली मानसिक थकान के बीच किताब एकाग्रता का शांत माध्यम बन सकती है। कहानी या साहित्य पढ़ते समय व्यक्ति कुछ समय के लिए अपनी परेशानियों से अलग होकर एक दूसरी दुनिया में प्रवेश करता है। इस प्रक्रिया में कल्पनाशक्ति विकसित होती है और सोचने का दायरा भी व्यापक होता है।

हमारी महान परंपराओं को समझने में भी किताबों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महाभारत रामायण गुरु ग्रंथ साहिब बाइबल कुरान और विभिन्न धार्मिक तथा दार्शनिक ग्रंथों ने मानव समाज को जीवन मूल्यों और नैतिकता के बारे में व्यापक दृष्टि दी है। इनके अतिरिक्त साहित्य इतिहास विज्ञान और समाज से संबंधित पुस्तकों ने भी पीढ़ियों के अनुभवों को सुरक्षित रखा है। यदि पुस्तकों की परंपरा नहीं होती तो मानव सभ्यता अपने पूर्वजों के अनुभवों और ज्ञान का बड़ा हिस्सा खो देती।

किताबों की ताकत का एक सुंदर उदाहरण उस व्यक्ति की कहानी में दिखाई देता है जो सुबह चार बजे अपनी छोटी सी दुकान खोलता है और रात दस बजे उसे बंद करता है। दिनभर काम करने के बाद उसे एक दिन कचरे में

नरेंद्र भारती
स्वतंत्र लेखक, मंडी

पंचतंत्र की कहानियों की फटी हुई पुस्तक मिलती है। वह उसे मामूली कीमत में खरीद लेता है और रात को भोजन करने के बाद उसके कुछ पन्ने पढ़ता है। धीरे-धीरे पढ़ने में उसकी रुचि बढ़ती जाती है और वह पुरानी तथा सस्ती किताबें जमा करने लगता है। आज उसकी चाय की दुकान के पीछे लकड़ी की अलमारी में डेढ़ सौ से अधिक किताबें हैं। ग्राहक केवल चाय पीने नहीं आते बल्कि कहानियां सुनने और किताबों से जुड़ने भी आते हैं। उसके पास बड़ी संपत्ति नहीं है लेकिन वह यह कह सकता है कि उसके पास दुनिया के बड़े-बड़े लोगों से संवाद करने का अवसर है। प्रेमचंद तुलसीदास और एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तित्व उसकी किताबों के माध्यम से उसके साथी बन जाते हैं। यही किताब की असली शक्ति है।

आज सवाल यह है कि हम किताबों से दूर क्यों होते जा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण मोबाइल फोन और डिजिटल मनोरंजन का बढ़ता प्रभाव है। पहले घरों में अखबार पत्रिकाएं और किताबें पढ़ने की परंपरा थी। बच्चे कहानियां पढ़ते थे और बड़े ज्ञानवर्धक पुस्तकें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

लखनऊ को मिलेंगे पांच नए आरओबी

पांच आरओबी और अंडरपास से 15 से 18 लाख आबादी को होगा लाभ

एजेंसी, लखनऊ

लखनऊ में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए सड़क एवं पुल परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। राजधानी को दिसंबर 2027 तक पांच नए रोड ओवर ब्रिज और एक अंडरपास मिलने की योजना है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से शहर और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाली करीब 15 से 18 लाख आबादी को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। नए पुलों के निर्माण से रेलवे क्रॉसिंग और प्रमुख मार्गों पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी तथा आवागमन अधिक सुगम होगा।

इन परियोजनाओं में हरौनी और केसरी खेड़ा रोड ओवर ब्रिज का काम पूरा होने के बाद इस माह से इनके उपयोग की सुविधा मिलने लगी है। हालांकि दोनों परियोजनाओं का औपचारिक लोकार्पण अभी नहीं हुआ है। वहीं मरी माता फ्लाईओवर पर भी कई माह से वाहनों का संचालन जारी है। इन पुलों के शुरू होने से संबंधित इलाकों में रोजाना आने-जाने वाले लोगों को काफी राहत मिल रही है। लंबे समय से यातायात दबाव झेल रहे क्षेत्रों में संपर्क व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है। आने वाले समय में मेहंदी घाट और पक्का पुल सेतु भी राजधानी के यातायात ढांचे को मजबूत करेंगे। इन दोनों परियोजनाओं को दिसंबर 2026 तक शुरू करने की योजना बनाई गई है।

'पीएम टेक्सटाइल' सेतु से आवागमन होगा आसान

एजेंसी, लखनऊ। राजधानी में पुल निर्माण से जुड़ी कई अन्य परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड और लोक निर्माण विभाग की एनएच शाखा इन योजनाओं को आगे बढ़ा रही हैं। इनका उद्देश्य शहर के विभिन्न हिस्सों में बेहतर संपर्क उपलब्ध कराने के साथ रेलवे और अन्य व्यस्त मार्गों पर यातायात बाधाओं को कम करना है। बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए ऐसी आधारभूत संरचनाओं की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

पीएम टेक्सटाइल सेतु का निर्माण भी पूरा हो चुका है, लेकिन अभी इस पर वाहनों का संचालन शुरू नहीं हो पाया है। इसके पीछे लोक निर्माण विभाग की ओर से एप्रोच रोड का निर्माण पूरा न होना बताया गया है। एप्रोच रोड तैयार होने के बाद इस सेतु का भी इस्तेमाल शुरू होने की उम्मीद है। इससे संबंधित क्षेत्र में आवागमन आसान होगा और स्थानीय लोगों को बेहतर सड़क संपर्क मिल सकेगा। लखनऊ में लगातार बढ़ती आबादी के साथ यातायात का दबाव भी बढ़ रहा है।

नोएडा में अवैध रूप से पटाखा का भंडारण करने वाला गिरफ्तार

बिसरख पुलिस ने शराब और हथियारों के मामले में भी की कार्रवाई

एजेंसी, नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने अवैध रूप से पटाखा का भंडारण करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उनके पास से दर्जनों पेटियों में भरे हुए लाखों रुपये कीमत का विस्फोटक बरामद किया है। पुलिस ने विभिन्न जगहों से चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक विपिन कुमार ने आज सुबह एक सूचना के आधार पर नितिन गर्ग पुत्र मुकेश कुमार गर्ग को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने पेटियों के अंदर भरे हुए अवैध पटाखे बरामद किया है। बरामद पटाखे की कीमत लाखों रुपये है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपित आगामी त्योहारों के मद्देनजर पटाखों का अवैध भंडारण करने के लिए पटाखे लेकर आया था। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में उप निरीक्षक सुशील कुमार ने दीपू कुमार पुत्र संजय सिंह को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 24 पाउच देशी शराब बरामद किया है।

राष्ट्रीय रॉकबाल चैंपियनशिप में बांदा के खिलाड़ियों का जलवा, यूपी टीम बनी उपविजेता

भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी के खिलाड़ियों ने बढ़ाया बांदा का गौरव

एजेंसी, बांदा

बांदा के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। तेलंगाना के मेडक जिले में 6 से 8 सितंबर तक आयोजित 10वीं सीनियर राष्ट्रीय रॉकबाल चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया और राष्ट्रीय उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। इस सफलता में बांदा स्थित भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता के दौरान उत्तर प्रदेश की टीम ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए विभिन्न मुकाबलों में अपनी प्रतिभा साबित की। बांदा के खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए टीम की सफलता में अहम योगदान दिया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उपविजेता बनना खिलाड़ियों की मेहनत और लगातार अभ्यास का परिणाम माना जा रहा है।

भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी के खिलाड़ी इससे पहले बांदा मिनी ओलंपिक में भी प्रतिभाग कर चुके थे। वहां मिली प्रतिस्पर्धात्मक तैयारी और अनुभव का लाभ उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में मिला। उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय उपविजेता टीम में बांदा के रिजवान खान ने कप्तान की भूमिका निभाई। उनके साथ इरफान खान, सोहेल नसरत खान, आफताब खान, आकाश कुमार और हर्ष वर्धन ने भी टीम का प्रतिनिधित्व किया।

उपविजेता टीम को खेल पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

उत्तर प्रदेश टीम के राष्ट्रीय उपविजेता बनने पर जिला ओलंपिक एसोसिएशन बांदा के अध्यक्ष रामेंद्र शर्मा, महासचिव डा. इन्द्रवीर सिंह और मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना सहित विभिन्न खेल संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी। जिला वालीबाल एसोसिएशन के सचिव शिवकुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव महेश प्रसाद गर्ग, जिला कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष अंकित कुशवाहा और सचिव कमल सिंह यादव समेत अन्य खेल पदाधिकारियों ने भी खिलाड़ियों, कोच और एकेडमी की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। मध्य प्रदेश वालीबाल रेफरी बोर्ड के तकनीकी अध्यक्ष रमेश बाबू विद्यार्थी, पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी सबल सिंह सहित अन्य लोगों ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चंदौली में कार से 3.92 करोड़ का सोना बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, चंदौली। चंदौली में कोतवाली पुलिस, एओजी और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नवही नहर पुलिया के पास एक लक्जरी कार से 2 किलो 565.720 ग्राम सोना बरामद किया। इसकी अनुमानित कीमत करीब 3.92 करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस ने कार सवार जुबेर मुबारक शेख निवासी सांगली महाराष्ट्र और मनीष कुमार निवासी फतेहाबाद हरियाणा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि कार के गियर बॉक्स के नीचे बने गुप्त केबिन में सोना छिपाया गया था। पुलिस ने केबिन से टेप में लिपटी दो सोने की सिल्लियां बरामद कीं। आरोपित सोने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। जांच में सोना विदेश निर्मित पाया गया। पुलिस ने कार और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। मामले की सूचना आयकर विभाग और राजस्व आसूचना निदेशालय को दी गई है। पुलिस तस्करी के नेटवर्क और सोने की आपूर्ति से जुड़े लोगों की जांच कर रही है

नोएडा में एमबीए के छात्र सहित तीन ने की आत्महत्या

एजेंसी, नोएडा

◆ **एमबीए छात्र ने 22वीं मंजिल से कूदकर दी जान, परीक्षा में असफलता से था तनाव**

नोएडा में थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के सेक्टर 150 स्थित जेपी अमन सोसायटी में रहने वाले एमबीए के छात्र ने 22 वीं मंजिल से कूदकर आज आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि मौर्य पटेल 26 वर्ष पुत्र जगदीश कुमार पटेल मूल निवासी नौचंडी जनपद मेरठ मौजूदा समय में सेक्टर 150 स्थित जेपी अमन सोसायटी में अपने एक दोस्त के साथ रहते थे। वह एमिटी यूनिवर्सिटी से एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे, तथा ऑनलाइन कुछ काम भी करते थे। पढ़ाई के दौरान वह परीक्षा पास नहीं कर पा रहे थे। इस बात को लेकर वह तनाव में थे। उन्होंने बताया कि आज मौर्य पटेल ने अपनी सोसाइटी की 22वीं मंजिल से नीचे को छलांग लगा दिया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि आकाश (26 वर्ष) पुत्र योगेंद्र मूल निवासी जनपद हजारीबाग झारखंड थाना सूरजपुर क्षेत्र में रहते थे। उन्होंने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं लिखा है। पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लगा रही है।

थाना ईकोटेक -3 के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मूल रूप से जमुई बिहार की रहने वाली आंचल पुत्री सत्येंद्र थाना ईकोटेक 3 क्षेत्र के कुलेसरा कालोनी में रहती थी। वह कुछ दिनों से बीमार थी। इस वजह से वह मानसिक तनाव में थी। उन्होंने मानसिक तनाव के चलते आज सुबह को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना फेस -वन के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि थाना क्षेत्र में एक 34 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव आज मिला है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मौत के कारण का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

राहुल गांधी की बैठक से पहले सपा विधायकों ने जताया विरोध

एजेंसी, रायबरेली

◆ **सपा विधायकों ने स्कूलों और जमीन कब्जों को लेकर जताया विरोध**

रायबरेली सांसद राहुल गांधी की अध्यक्षता में बुधवार को जिला निगरानी एवं अनुश्रवण समिति की बैठक शुरू हुई। कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन में आयोजित इस बैठक में जिले के विकास कार्यों, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति तथा उनके क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों ने भी भाग लिया। बैठक शुरू होने से पहले ही सपा विधायकों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर माहौल को गरमा दिया।

बैठक में शामिल होने पहुंचे सपा विधायक राहुल लोधी और श्याम सुंदर भारती ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारे लगाए। दोनों विधायकों ने प्रदेश सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। उनका आरोप था कि प्रदेश में कई स्थानों पर स्कूल बंद हैं और लोगों पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। इसके अलावा जमीनों पर कब्जे की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। विधायकों ने कहा कि जब जनता की मूलभूत समस्याएं लगातार बनी हुई हैं तो ऐसे में निगरानी एवं अनुश्रवण समिति की बैठकों का वास्तविक लाभ आम लोगों तक पहुंचना चाहिए।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने सपा विधायकों के हाथों से तख्तियां ले लीं। इसके बाद दोनों विधायकों को बैठक में शामिल होने की अनुमति दी गई। विरोध प्रदर्शन के बावजूद दिशा की बैठक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरू हुई। बैठक में विकास योजनाओं की स्थिति और विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई।

बैठक में राहुल गांधी के अलावा अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा, कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पांडेय, राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह तथा विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायक मौजूद रहे। हरचंदपुर विधायक राहुल लोधी, सलोन विधायक अशोक कुमार, बछरावां विधायक श्याम सुंदर भारती और सरेनी विधायक देवेंद्र सिंह ने बैठक में हिस्सा लिया।

वाराणसी के मदनपुरा में जर्जर भवन का हिस्सा गिरा, बड़ा हादसा टला

एजेंसी, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में बुधवार को दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के मदनपुरा इलाके में बारिश के बीच एक पुराने जर्जर भवन का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। संयोग से हादसे के समय मौके पर कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। भवन का हिस्सा गिरने की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय पुलिस और पार्षद चंद्रनाथ मुखर्जी मौके पर पहुंचे। मदनपुरा पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि इलाके में स्थित भवन संख्या डी-31/207 काफी समय से जर्जर अवस्था में है। बुधवार को भवन का कुछ हिस्सा अचानक ढह गया। भवन में वर्तमान में कोई नहीं रहता है। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार, यह भवन मोहम्मद स्वालेह का है।

इंडिया-इजराइल जल परियोजना से बुंदेलखंड में जल संकट होगा दूर

योगी सरकार की पहल से बुंदेलखंड में सिंचाई व्यवस्था बदलेगी

एजेंसी, लखनऊ

जल संरक्षण सिंचाई दक्षता और आधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा देने के लिए इंडिया-इजराइल बुंदेलखंड वाटर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रही है। झांसी के विकासखंड बड़ागांव स्थित ग्राम गंगावली में करीब 19.1 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे मिनी पायलट प्रोजेक्ट में कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो चुके हैं।

नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के विशेष सचिव एवं निदेशक, भूगर्भ जल विभाग डॉ. राजेश कुमार प्रजापति ने बताया कि योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य बुंदेलखंड की स्थानीय जल उपलब्धता और कृषि परिस्थितियों के अनुसार ऐसा मॉडल तैयार करना है, जिसमें उपलब्ध पानी का अधिकतम और वैज्ञानिक तरीके से उपयोग किया जा सके। परियोजना में जल संरक्षण, जल भंडारण, सौर ऊर्जा, माइक्रो इरिगेशन, आधुनिक कृषि तकनीक और किसान प्रशिक्षण को एक साथ जोड़ा गया है। इसके तहत जलाशय, नहर से पानी लाने की व्यवस्था, पाइपलाइन, सोलर पंप, ड्रिप-स्प्रिंकलर, प्राकृतिक एसटीपी, कृषि मशीनरी और आधुनिक खेती की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

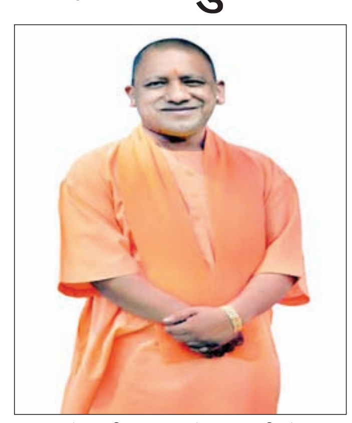

19 करोड़ की लागत से गंगावली में तैयार हो रहा जल प्रबंधन मॉडल।

मिनी पायलट प्रोजेक्ट के तहत करीब 8.5 हेक्टेयर क्षेत्र में आधुनिक कृषि गतिविधियों का प्रदर्शन प्रस्तावित है। अगले चरण में ड्रिप और स्प्रिंकलर आधारित माइक्रो इरिगेशन सिस्टम को स्थापित और क्रियाशील किया जाएगा। इसके साथ ही ग्रीनहाउस, टनल, पाइपलाइन और सिंचाई ऑटोमेशन-एससीएडीए व्यवस्था को भी क्रियाशील किया जाएगा।

परियोजना में केवल आधारभूत ढांचा तैयार करने के बजाय किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने पर भी जोर दिया गया है। प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 72 प्रैक्टिकल ट्रेनिंग सेशन आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक सत्र में करीब 100 किसानों की भागीदारी का प्रावधान है। प्रशिक्षण में किसानों को वाटर बजटिंग, फर्टिगेशन, क्रॉप प्लानिंग, सिंचाई संचालन और कृषि मशीनरी के इस्तेमाल की जानकारी दी जाएगी। इससे किसान उपलब्ध पानी के आधार पर फसल क्षेत्र तय करने और सिंचाई का बेहतर प्रबंधन करने में सक्षम होंगे।

24 गांवों तक पहुंचेगा गंगावली का मॉडल

डॉ. राजेश कुमार प्रजापति ने कहा कि गंगावली में तैयार हो रहे मिनी पायलट प्रोजेक्ट के अनुभवों को आगे बड़े क्षेत्र में लागू करने की भी तैयारी है। अगले चरण में बड़ागांव विकासखंड में पाहुज नहर के डाउनस्ट्रीम स्थित 24 अन्य गांवों में विस्तृत प्रदर्शनात्मक प्रोजेक्ट प्रस्तावित है। इससे गंगावली में सफल रहने वाली उपयोगी तकनीकों को दूसरे गांवों तक पहुंचाने का रास्ता तैयार होगा। भूगर्भ जल विभाग के अधिशासी अभियांता व वैयक्तिक सहायक निदेशक अनुपम ने कहा कि परियोजना के वर्तमान निर्माण एवं क्रियान्वयन चरण को 31 दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बिजनौर में बंदरों के हमले में छत से गिरकर राजमिस्त्री की मौत

एजेंसी, बिजनौर। उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर के कोतवाली शहर क्षेत्र के मोहल्ला मिर्दगान में बुधवार सुबह बंदरों के हमले से बचने के प्रयास में एक राजमिस्त्री छत से नीचे गिर गया। सिर में गंभीर चोट लगने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 35 वर्षीय उमेर के रूप में हुई है। वह अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार बुधवार सुबह उमेर घर की छत पर मौजूद था। इसी दौरान अचानक बंदरों का झुंड छत पर आ गया। उमेर बंदरों को भगाने के लिए उनकी ओर बढ़ा, तभी बंदरों ने उस पर हमला कर दिया। हमले से घबराकर उमेर उनसे बचने के लिए नीचे की ओर भागा। इसी दौरान सीढ़ियों पर उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर पड़ा।

गोरखपुर और दिल्ली के बीच 16 सितंबर से चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन

एजेंसी, गोरखपुर

रेलवे ने दशहरा, दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए गोरखपुर के रास्ते दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल तक पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। ट्रेन संख्या 04014/04013 कुल 75 फेरों में संचालित होगी। आनंद विहार टर्मिनल से यह ट्रेन 16 सितंबर से 29 नवंबर तक और लौकहा बाजार से 17 सितंबर से 30 नवंबर तक चलेगी। त्योहारी सीजन में दिल्ली और पूर्वांचल के बीच आवागमन करने वाले यात्रियों को इससे बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। ट्रेन में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का एक, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के दो, शयनयान श्रेणी के नौ और सामान्य द्वितीय श्रेणी के छह कोच लगाए जाएंगे। रेलवे की इस अतिरिक्त सेवा से नियमित ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को कम करने में भी मदद मिलेगी। दीपावली और छठ जैसे प्रमुख पर्वों पर बड़ी संख्या में लोग रोजगार या अन्य कारणों से दूसरे शहरों से अपने घर लौटते हैं। ऐसे में अतिरिक्त ट्रेन की सुविधा यात्रियों के लिए उपयोगी साबित होगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार विशेष ट्रेन के संचालन का उद्देश्य त्योहारी अवधि में यात्रियों को सुविधाजनक और अतिरिक्त रेल सेवा उपलब्ध कराना है।

मुलाकात 'हनुमान अंश' को उत्तर प्रदेश में करमुक्त करने की उम्मीद में फिल्म के निर्देशक

योगी आदित्यनाथ से मिले 'हनुमान अंश' के शोभिनव

एजेंसी, लखनऊ

नीब करौरी बाबा के जीवन और हनुमान भक्ति पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' इन दिनों अपनी अप्रत्याशित सफलता को लेकर चर्चा में है। करीब दो करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने अब तक लगभग 170 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। कम बजट में बनी फिल्म की इतनी बड़ी सफलता को फिल्म जगत में उल्लेखनीय उपलब्धि माना जा रहा है।

इसी बीच फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी और मुख्य अभिनेता शोभिनव ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान फिल्म की सफलता और उसकी विषयवस्तु को लेकर चर्चा हुई। फिल्म से जुड़े लोगों ने उम्मीद जताई कि उत्तर प्रदेश सरकार इसे करमुक्त करने पर विचार कर सकती है।

मुख्यमंत्री योगी से मिलते 'हनुमान अंश' मूवी के कलाकार।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने फिल्म के कुछ दृश्यों को भी देखा। इनमें गुरु गोरखनाथ और नाथ संप्रदाय से जुड़े प्रसंग शामिल हैं। निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने बताया कि फिल्म में नीब करौरी बाबा और नाथ संप्रदाय के संतों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को भी दर्शाया गया है।

'हनुमान अंश' को योगी की सराहना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फिल्म की विषयवस्तु और पूरी टीम की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। फिल्म की टीम का कहना है कि धार्मिक और आध्यात्मिक विषय पर आधारित इस फिल्म को दर्शकों से जिस तरह का समर्थन मिला है, वह उनके लिए उत्साहजनक है। 'हनुमान अंश' की कमाई को इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि फिल्म का बजट बड़ी व्यावसायिक फिल्मों की तुलना में बेहद कम है। लगभग दो करोड़ रुपये की लागत से तैयार फिल्म का 170 करोड़ रुपये के आसपास पहुंचना निर्माताओं के लिए बड़ी उपलब्धि है। फिल्म की सफलता यह संकेत देती है कि मजबूत विषय, आस्था से जुड़े प्रसंग और प्रभावी प्रस्तुति दर्शकों को आकर्षित कर सकती है।

गोरखपुर का बुढ़िया माता मंदिर बनेगा नया पर्यटन केंद्र

एजेंसी, गोरखपुर। गोरखपुर में बुढ़िया माता मंदिर और उसके आसपास के तालाब क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने मंदिर का निरीक्षण कर विकास कार्यों की संभावनाएं देखीं और तालाब की सफाई के निर्देश दिए। तालाब के दोनों ओर स्थित मंदिरों को जोड़ने के लिए पीपे का पुल बनाने की योजना है। वर्तमान में श्रद्धालुओं को तालाब पार स्थित प्राचीन बुढ़िया माता मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ता है। पुल बनने से विशेष अवसरों और अधिक भीड़ के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही सुरक्षित और सुविधाजनक हो सकेगी। इसके अलावा तालाब के किनारों पर सुंदरीकरण, बोल्डर पिचिंग और अन्य विकास कार्य कराने की तैयारी है।

लखीमपुर खीरी : दुष्कर्म आरोपित खलील का अवैध मकान बुलडोजर से ध्वस्त

एजेंसी, लखीमपुर खीरी

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में सिंगाही थाना क्षेत्र में प्रशासन ने बुधवार को चार साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोपित खलील के अवैध मकान को बुलडोजर से ढहा दिया। यह मकान सरकारी रास्ते की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करके बनाया गया था। उक्त अवैध मकान को लेकर प्रशासनिक और न्यायिक स्तर पर पहले ही बेदखली के आदेश पारित किए जा चुके थे।

जानकारी के अनुसार, सिंगाही थाना क्षेत्र में बीते रविवार को खलील (65) ने पैसे का लालच देकर मासूम चार साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया। घटना के बाद पीड़ित मासूम बच्ची को गंभीर हालत में बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना के बाद से स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त था। गुस्साई जनता और परिजनों ने आरोपित के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने के साथ ही उसके अवैध मकान को भी जमींदोज करने की मांग उठाई। मामले की गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपित के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। जनता के आक्रोश और मांग के बाद हरकत में आए प्रशासन ने राजस्व टीम को मौके पर भेजकर जमीन की पैमाइश कराई।

सात रंगों में नहाया प्रयागराज का नया पुल

एजेंसी, प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा नदी पर स्टेनली रोड से मलाक हरहर तक बन रहे सिक्स लेन पुल की खूबसूरती अब रात में भी देखने लायक हो गई है। मंगलवार शाम पुल पर लगाई गई फसाड लाइट्स का सफल परीक्षण किया गया। सूरज ढलने के बाद पुल सात अलग-अलग रंगों की रोशनी से जगमगा उठा। बदलते रंगों ने पुल को आकर्षक रूप दे दिया। फाफामऊ पुल पर मौजूद लोगों ने इस मनमोहक दृश्य को काफी देर तक देखा और तस्वीरें भी खींचीं। पुल पर तिरंगे की रोशनी सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र रही।

हरियाणा फायर विभाग को मिलेंगे 104 मीटर ऊंचे प्लेटफॉर्म, आग से निपटने की बढ़ेगी क्षमता

निर्माताओं से सुझाव लेकर एरियल प्लेटफॉर्म की खरीद प्रक्रिया आगे बढ़ेगी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में ऊंची इमारतों में आग लगने की घटनाओं से निपटने के लिए अग्निशमन व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा निदेशालय अब 90 और 104 मीटर ऊंचाई तक पहुंचने वाले एरियल लेडर प्लेटफॉर्म खरीदेगा। इनकी मदद से बहुमंजिला इमारतों में आग लगने की स्थिति में दमकलकर्मी ऊपरी मंजिलों तक आसानी से पहुंच सकेंगे और राहत एवं बचाव अभियान को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा।

निदेशालय की योजना के अनुसार 90 मीटर क्षमता वाले दो और 104 मीटर क्षमता वाले दो एरियल लेडर प्लेटफॉर्म खरीदे जाएंगे। इन आधुनिक उपकरणों को विशेष रूप से उन स्थानों पर उपयोगी माना जा रहा है, जहां सामान्य दमकल गाड़ियों की सीढ़ियां ऊंचाई तक नहीं पहुंच पातीं।

शहरों में लगातार बढ़ती बहुमंजिला इमारतों और व्यावसायिक परिसरों को देखते हुए इस तरह के उपकरणों की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इन प्लेटफॉर्म के माध्यम से दमकलकर्मी ऊंची इमारतों की खिड़कियों और अन्य ऊपरी हिस्सों तक पहुंचकर आग बुझाने के साथ लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम कर सकेंगे।

आपात स्थिति में ऊंचाई तक पानी पहुंचाने और राहत कार्य करने में भी इनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इससे दमकल विभाग की मौजूदा क्षमता में बढ़ोतरी होगी और ऊंची इमारतों में होने वाली आग की घटनाओं के दौरान प्रतिक्रिया समय कम करने में मदद मिल सकती है। एरियल लेडर प्लेटफॉर्म की खरीद प्रक्रिया शुरू करने से पहले अग्निशमन निदेशालय भारतीय और विदेशी निर्माताओं से तकनीकी सुझाव लेगा।

इसके लिए एक परामर्श बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में संबंधित निर्माता इन उपकरणों की तकनीकी क्षमता, संचालन, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य जरूरी पहलुओं के बारे में जानकारी देंगे। विभाग इन सुझावों के आधार पर अपनी जरूरत के अनुरूप उपकरणों की खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा। अधिकारियों का मानना है कि आधुनिक अग्निशमन उपकरणों से दमकलकर्मियों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर तरीके से काम करने में मदद मिलेगी। खासकर घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों और ऊंची इमारतों में आग लगने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी होती है।

15 साल से लंबित जेबीटी वरिष्ठता सूची होगी जारी, स्कूलों में शिक्षकों की कमी भी होगी दूर

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जिला प्रधान योगेंद्र वर्मा की अगुवाई में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अनीता बाई से मुलाकात कर प्राथमिक शिक्षकों और विद्यालयों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं व मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। बैठक में 15 वर्षों से लंबित जेबीटी अध्यापकों की वरिष्ठता सूची जारी करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। अधिकारी ने आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर वरिष्ठता सूची जारी कर दी जाएगी।

राज्य चेयरमैन देवेंद्र दहिया ने बताया कि 12वीं में अंक सुधार कर 50 प्रतिशत की शर्त पूरी करने वाले शिक्षकों के एसीपी मामलों को भी जल्द मंजूर किया जाए। इस पर अधिकारी ने बताया कि एसीपी कब से देय होगी, इस संबंध में निदेशालय से मार्गदर्शन मांगा गया है। जिला संरक्षक सुरेंद्रपाल नैन ने तीन महीने से लंबित मिड-डे मील कुकिंग लागत का बजट जारी करने की मांग की। अधिकारी ने बताया कि कुक के वेतन का बजट खंड शिक्षा अधिकारियों को पहले ही जारी किया जा चुका है। टोहाना और रतिया में यह राशि अभी विद्यालयों को आवंटित नहीं हुई है, जिसे जल्द करवाया जाएगा।

संघ ने बिना सेवादार वाले प्राथमिक विद्यालयों में सफाई व्यवस्था के लिए प्रति विद्यालय आठ हजार रुपये मासिक बजट देने और शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में सरप्लस शिक्षकों को अस्थायी रूप से समायोजित करने की मांग की। अधिकारी ने कहा कि किसी भी स्कूल में अध्यापकों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। इसके लिए विद्यालयों को एसएमसी प्रस्ताव बनाकर बीईओ के माध्यम से जिला कार्यालय भेजने के निर्देश दिए गए। संघ ने एफएलएन प्रशिक्षण शिविर छमाही परीक्षाओं के बाद आयोजित करने और चिकित्सा प्रतिपूर्ति मामलों के जल्द निपटारे की मांग भी रखी। अधिकारी ने सभी जायज मांगों को प्राथमिकता से पूरा करने का भरोसा दिया।

न्यूज ब्रीफ

दोस्तों ने चोरी के शक में युवक की हत्या की 40 दिन बाद पुलिया के नीचे मिला कंकाल

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। हरिद्वार घूमने गए सोनीपत के युवक विक्की की हत्या का करीब 40 दिन बाद खुलासा हुआ। एक अगस्त को वह दो दोस्तों के साथ हरिद्वार गया था। लौटने के बाद दोनों दोस्त उसे दोबारा घर से साथ लेकर गए, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने तलाश की और मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन फोन बंद मिला। पुलिस जांच में विक्की के दोस्तों विक्रम और प्रीतम पर शक हुआ। हिरासत में पूछताछ के दौरान दोनों ने हत्या की बात कबूल कर ली। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने गोहाना में पानीपत बाईपास के पास पुलिया के नीचे से विक्की का शव बरामद किया। लंबे समय तक पड़े रहने के कारण शव पूरी तरह सड़कर कंकाल में बदल चुका था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, हरिद्वार यात्रा के दौरान प्रीतम के 18 हजार रुपये गुम हो गए थे। दोनों को विक्की पर चोरी करने का शक था। इसी शक में उन्होंने हत्या की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच आगे बढ़ा दी है।

बिना नक्शे बन रही इमारतों पर निगम सुस्त तीन महीने में सिर्फ 22 भवनों की पहचान

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। शहर में बिना नक्शे और नियमों के बन रही इमारतों की पहचान के लिए नगर निगम की ओर से शुरू किया गया सर्वे तीन महीने बाद भी पूरा नहीं हो पाया है। चारों जोन में ऐसे भवनों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक केवल एनआइटी जोन में 22 भवन चिन्हित किए गए हैं। सर्वे में भवनों की संख्या के साथ उनके रिहायशी या व्यावसायिक होने, सुरक्षा इंतजाम, स्थान और सड़क की चौड़ाई का रिकॉर्ड भी तैयार किया जाना था। अधिकारियों के अनुसार एनआइटी में चिन्हित 22 भवन वास्तविक संख्या की तुलना में काफी कम हैं। क्षेत्र में बड़ी संख्या में बिना स्वीकृत नक्शे के निर्माण होने की बात सामने आती रही है। जून में लखनऊ में बिना नक्शे बने भवन में आग लगने की घटना के बाद नगर निगम ने भी ऐसे भवनों का सर्वे कराने के निर्देश दिए थे। तत्कालीन निगम आयुक्त धीरेन्द्र कुमार ने चारों जोन के संयुक्त आयुक्तों को अपने-अपने क्षेत्र में सर्वे कर रिपोर्ट तैयार करने को कहा था। इसके बावजूद तीन महीने में काम पूरा नहीं हो सका है।

तांत्रिक ने किसान को बनाया शिकार, 22 लाख ऐंठे; खेत खोदने का दिया झांसा

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। सिरसा जिले के डबवाली क्षेत्र में एक किसान से तांत्रिक बनकर करीब 22 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने किसान को भरोसा दिलाया कि हवन कराने से उसके सभी काम ठीक हो जाएंगे और खाते में जमा रकम दोगुनी हो जाएगी। इसके लिए किसान से अलग-अलग समय पर रकम खाते में जमा करवाई गई। आरोपी ने यह भी झांसा दिया कि खेत में एक स्थान बताया जाएगा, जिसे खोदने पर धन मिलने के साथ रकम दोगुनी हो जाएगी। किसान ने आरोपी की बातों पर विश्वास कर रकम जुटाने के लिए पत्नी के जेवर तक बेच दिए। बाद में ठगी का अहसास होने पर उसने पुलिस से शिकायत की। डबवाली पुलिस जिला के साइबर थाना प्रभारी आनंद बेनीवाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

चार साल की मासूम से पड़ोसी ने किया दुष्कर्म, मां के लौटने तक आरोपी फरार

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। रेवाड़ी के कसोला थाना क्षेत्र में चार साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बिहार निवासी परिवार अस्पताल जाते समय बच्ची को पड़ोसी युवक के पास छोड़ गया था। मां के वापस लौटने पर बच्ची आरोपी के कमरे में बदहाल और बेहोशी की हालत में मिली। आरोपी मध्य प्रदेश के सागर का रहने वाला है और बावल की एक कंपनी में काम करता है। वारदात के बाद वह मौके से फरार हो गया। मां की शिकायत पर कसोला थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

कैथल : वाहन की टक्कर से 17 वर्षीय किशोर की मौत, दोस्त घायल

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

कैथल-जींद मार्ग पर गांव किठाना के बाहर बुधवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। हादसे में उसका साथी भी घायल हो गया। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान जींद जिले के गांव अलेवा निवासी नितिन के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार नितिन अपने एक दोस्त के साथ मोटरसाइकिल पर किठाना से कैथल की ओर आ रहा था। गांव से बाहर निकलते ही कैथल-जींद मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि नितिन गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही किठाना चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की

नितिन की मौत की सूचना मिलने पर परिवार में पसरा मातम।

मदद से नितिन को नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घायल युवक का अस्पताल में उपचार कराया गया। नितिन के परिवार में माता-पिता के अलावा बड़ा भाई साहिल है। परिवार की किठाना में दरवाजे-चौखट की दुकान बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया। मृतक के भाई साहिल के बयान पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

फरीदाबाद : पानी की बाल्टी में डूबने से बच्चे की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। जीवन नगर पार्ट-2 में ईदगाह के पास दर्दनाक हादसे में पानी से भरी बाल्टी में डूबने से एक साल के बच्चे आर्यन की मौत हो गई। हादसे के समय बच्चे की मां घर के ऊपर वाले कमरे में घरेलू काम कर रही थी, जबकि पिता बजरंगी काम पर गए हुए थे। मृतक की दादी मीना ने बताया कि परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने काम में व्यस्त थे। आर्यन कमरे के बाहर छत पर खेल रहा था। खेलते हुए वह बाथरूम के पास रखी पानी से भरी बाल्टी के पास पहुंच गया और उसमें मुंह के बल गिर गया। पानी में दम घुटने से उसकी हालत गंभीर हो गई। बच्चे के शोर नहीं करने पर परिजनों ने बाहर आकर देखा तो वह बाल्टी में पड़ा था। परिजन उसे सरकारी अस्पताल ले गए, जहां से निजी अस्पताल रेफर किया गया। निजी अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हरियाणा रोडवेज में 2072 नियमित परिचालकों की होगी भर्ती, आठ घंटे बाद मिलेगा ओवरटाइम

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा रोडवेज के चालक और परिचालकों के लिए राहत भरी खबर है। अब आठ घंटे की ड्यूटी पूरी करने के बाद अतिरिक्त काम करने पर उन्हें ओवरटाइम का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही कर्मचारियों को मिलने वाले वर्दी और जूते के भत्ते में भी बढ़ोतरी की जाएगी।

परिवहन मंत्री अनिल विज के साथ रोडवेज कर्मचारी साझा मोर्चा की बैठक में कर्मचारियों की करीब 80 से 90 प्रतिशत मांगों पर सहमति बनी। बैठक में गर्मी और सर्दी की वर्दी के भत्ते में बढ़ोतरी का प्रस्ताव मुख्यमंत्री ने स्वीकृत किया। गर्मी की वर्दी के लिए मिलने वाला भत्ता 1350 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये किया जाएगा। इसी तरह सर्दी की वर्दी का भत्ता 1450 रुपये से बढ़ाकर 1780 रुपये करने का निर्णय लिया गया है। कर्मचारियों के जूता भत्ते में

भी बढ़ोतरी होगी। यह भत्ता अब 1000 रुपये के बजाय 1600 रुपये किया जाएगा।

रोडवेज में परिचालकों की कमी को दूर करने के लिए भी महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। जल्द ही 700 परिचालकों के पद भरे जाएंगे। इसके अलावा 2072 नियमित परिचालकों की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजा गया है। नियमित भर्ती होने से रोडवेज की सेवाओं को बेहतर बनाने और कर्मचारियों पर काम का दबाव कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। बैठक में चालक और परिचालकों की सुरक्षा से जुड़ी मांग पर भी सहमति बनी।

ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों के साथ होने वाले झगड़े और मारपीट की घटनाओं को देखते हुए प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। यह अधिकारी कर्मचारियों की शिकायतों और सुरक्षा से जुड़े मामलों पर कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। कर्मचारी संगठनों ने बैठक में अपनी विभिन्न मांगें रखीं। इनमें वेतन, ड्यूटी, भत्ते और कर्मचारियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे शामिल थे।

रोहतक में युवक की हत्या के बाद जलाया शव, पहचान मिटाने की कोशिश

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

गांव मदीना में रेडियो स्टेशन के पीछे कच्चे रास्ते के पास झाड़ियों में सुबह करीब 25 वर्षीय युवक का जला हुआ शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना के बाद बहुअकबरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। प्राथमिक जांच में पुलिस को आशंका है कि युवक की पहले हत्या की गई और इसके बाद उसकी पहचान छिपाने के उद्देश्य से शव पर केमिकल डालकर आग लगाई गई।

पुलिस को सुबह करीब आठ बजे सूचना मिली थी कि झाड़ियों के पास एक शव जल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया। एफएसएल विशेषज्ञ सरोज दहिया ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मौके से मिले साक्ष्यों को जांच के लिए सुरक्षित किया है। शव की

मदीना गांव में झाड़ियों के पास मिला युवक का जला शव, पुलिस ने जांच शुरू की।

हालत काफी जली हुई होने के कारण फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को पहचान के लिए पीजीआइएमएस की मोर्चरी में रखवा दिया है।

पुलिस आसपास के क्षेत्रों में युवक के बारे में जानकारी जुटा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवक वहां तक कैसे पहुंचा और घटना से पहले वह किसके संपर्क में था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात में कितने लोग शामिल हो सकते हैं और युवक की हत्या के पीछे क्या कारण रहा होगा। प्राथमिक जांच में शव को जलाने के लिए किसी रासायनिक पदार्थ के इस्तेमाल की आशंका जताई गई है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है।

पहचान होने के बाद जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों, एफएसएल रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में लगी है। युवक की पहचान और मौत के वास्तविक कारण का पता चलने के बाद ही पूरी घटना की तस्वीर साफ हो सकेगी।

फैक्ट्री में केमिकल ड्रम उठाते ही मजदूर बेहोश, इलाज के दौरान 58 वर्षीय की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

काबड़ी रोड स्थित एक फैक्ट्री में काम करने के दौरान 58 वर्षीय मजदूर सटहू राय की संदिग्ध परिस्थितियों में हालत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। बताया जा रहा है कि केमिकल से भरा भारी ड्रम उठाते समय अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई और वे बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। बाद में अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी आंत फटने से मौत हो गई।

साथी श्रमिकों के अनुसार, घटना के तुरंत बाद सटहू राय को उपचार के लिए नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर उपचार की जरूरत बताई। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने फैक्ट्री मालिक से इलाज के खर्च में मदद मांगी, लेकिन मालिक ने खर्च उठाने से इनकार कर दिया। इसके कारण मजदूर को समय पर उचित इलाज नहीं मिल सका। परिजनों और साथी श्रमिकों ने आरोप लगाया कि यदि समय रहते इलाज के लिए आर्थिक मदद मिल जाती तो सटहू राय की जान बचाई जा सकती थी।

घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है। मृतक परिवार के लिए मजदूरी कर जीवनयापन करते थे।

परिजनों ने मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर उचित व्यवस्था होनी चाहिए। फिलहाल मजदूर की मौत को लेकर विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना के वास्तविक कारण और फैक्ट्री प्रबंधन की भूमिका जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। परिजनों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि श्रमिकों की सुरक्षा के लिए फैक्ट्री में आवश्यक इंतजाम होने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

रिश्तेदारी से लौट रहे युवक की रहस्यमयी मौत, कार अंदर से लॉक मिली, खिड़की तोड़कर निकाला शव

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

लाडवा क्षेत्र में इंद्री रोड पर सड़क किनारे खड़ी एक कार से युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। कार देर रात से सड़क किनारे खड़ी थी। सुबह तक कार में किसी प्रकार की हलचल नहीं होने पर आसपास के लोगों को संदेह हुआ। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और कार की जांच की। कार अंदर से बंद थी और चालक सीट पर एक युवक बेसुध अवस्था में पड़ा दिखाई दिया।

पुलिस ने खिड़की तोड़कर कार को खोला और युवक को बाहर निकाला। जांच में युवक की मौत होने की पुष्टि हुई। मृतक की पहचान करनाल जिले के गांव अंशुमाजरा निवासी रमन कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रमन किसी रिश्तेदारी से लौट रहा था। इसी दौरान वह लाडवा के इंद्री रोड पर कार में मृत मिला। युवक की अचानक और संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से परिजनों में शोक का माहौल है। घटना की जानकारी

कार अंदर से लॉक थी, खिड़की तोड़कर युवक का शव निकाला गया।

मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया।

टीम ने कार और घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मौत के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। आसपास मौजूद लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कार रात में किस समय यहां पहुंची और युवक की मौत कब हुई।

पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले की सही स्थिति सामने आएगी। परिजनों के अनुसार रमन सामान्य रूप से रिश्तेदारी में गया था और वहां से वापस लौट रहा था। रास्ते में उसकी कार इंद्री रोड पर खड़ी मिली। सुबह कार में शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है।

करनाल के गांवों का होगा कायाकल्प, मनोहर लाल ने शुरू किया पायलट प्रोजेक्ट

मनोहर लाल की पहल पर तैयार हो रहे नए मॉडल में गांवों की प्राथमिक जरूरतों के मुताबिक होंगे विकास कार्य

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

करनाल लोकसभा क्षेत्र के गांवों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और विकास कार्यों को अधिक प्रभावी तरीके से पूरा करने के लिए नई पहल शुरू की गई है। केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री और करनाल के सांसद मनोहर लाल की पहल पर गांवों के समग्र विकास के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इस परियोजना के तहत गांवों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आठ प्रमुख विकास कार्यों को एक साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

इस पायलट प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य गांवों में अलग-अलग समय पर छोटे-छोटे विकास कार्य कराने के बजाय जरूरत के मुताबिक एक समग्र विकास मॉडल तैयार करना है। इसके तहत गांव में उपलब्ध सार्वजनिक संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाएगा। इससे विकास कार्यों में आपसी तालमेल बढ़ाने और ग्रामीणों को जरूरी सुविधाएं एक साथ उपलब्ध कराने का प्रयास रहेगा। इस मॉडल में गांवों की प्राथमिक आवश्यकताओं को आधार बनाया जाएगा। स्थानीय स्तर पर जिन सुविधाओं की सबसे अधिक जरूरत है, उन्हें चिन्हित कर विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए

गांव की मौजूदा स्थिति, उपलब्ध संसाधनों और लोगों की जरूरतों का आकलन किया जाएगा। इसके बाद तय कार्यों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा।

पायलट प्रोजेक्ट में शिव धाम, तालाब और ग्राम सचिवालय के सुदृढ़ीकरण जैसे कार्यों को भी शामिल किया गया है। शिव धाम के विकास से संबंधित सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ तालाबों के संरक्षण और सुधार पर भी ध्यान दिया जाएगा। वहीं, ग्राम सचिवालय को मजबूत करने का उद्देश्य ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। योजना के तहत आठ प्रमुख कार्यों को एक साथ आगे बढ़ाने का विचार इसलिए रखा गया है, ताकि गांव के विकास को अलग-अलग विभागों और योजनाओं में बांटने के बजाय एक समग्र दृष्टिकोण के साथ काम किया जा सके। इससे उपलब्ध धन और संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल होने की उम्मीद है। साथ ही विकास कार्यों की निगरानी और उनके क्रियान्वयन में भी आसानी हो सकती है।

सांसद मनोहर लाल की पहल पर शुरू किए गए इस मॉडल को ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की नई दिशा के रूप में देखा जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि गांवों में उपलब्ध सार्वजनिक सुविधाओं को व्यवस्थित और उपयोगी बनाना भी है। ग्रामीणों की जरूरतों के अनुरूप कार्य तय किए जाने से विकास का सीधा लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिन गांवों को शामिल किया जाएगा, वहां विकास कार्यों की प्राथमिकता स्थानीय जरूरतों के आधार पर तय होगी। संबंधित विभागों और स्थानीय स्तर के अधिकारियों के सहयोग से कार्यों को आगे बढ़ाने की योजना है। परियोजना के दौरान यह भी देखा जाएगा कि एक साथ कई विकास कार्य कराने से गांव की सुविधाओं और सार्वजनिक संसाधनों पर कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इस पहल के सफल रहने पर समग्र ग्रामीण विकास के इस मॉडल को आगे भी विस्तार दिया जा सकता है। इससे करनाल लोकसभा क्षेत्र के अन्य गांवों में भी इसी तरह जरूरत आधारित विकास कार्यों को एक साथ कराने की राह खुल सकती है। फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के जरिए इस मॉडल की उपयोगिता और प्रभाव का आकलन किया जाएगा। ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस पहल से गांवों में बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी और विकास कार्य अधिक व्यवस्थित तरीके से पूरे किए जा सकेंगे। इससे गांवों में विकास कार्यों की गति बढ़ने के साथ सुविधाओं का बेहतर लाभ ग्रामीणों को मिलने की उम्मीद है। परियोजना के परिणामों के आधार पर भविष्य में इस मॉडल को अन्य गांवों तक विस्तार देने पर भी विचार किया जाएगा।

मनीषा मौत मामले में ग्रामीणों की पंचायत सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट से परिवार असंतुष्ट

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

भिवानी जिले के गांव ढाणी लक्ष्मण निवासी शिक्षिका मनीषा की मौत के मामले में बुधवार को धर्मदास आश्रम में ग्रामीणों की पंचायत हुई। पंचायत में मनीषा के पिता संजय के अलावा गांव के गणमान्य लोग और अन्य ग्रामीण शामिल हुए। बैठक में मनीषा की मौत से जुड़े मामले को लेकर आगे की कानूनी लड़ाई जारी रखने का निर्णय लिया गया। ग्रामीणों ने कहा कि परिवार केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से प्रस्तुत की गई क्लोजर रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं है। ऐसे में न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखा जाएगा। पंचायत में मनीषा के पिता संजय ने ग्रामीणों के सामने मामले की स्थिति रखी। उन्होंने कहा कि बेटी की मौत के मामले में परिवार को अभी तक न्याय नहीं मिला है।

जांच के बाद सामने आई क्लोजर रिपोर्ट को परिवार स्वीकार नहीं करता। उनका कहना है कि मामले में न्याय की उम्मीद को देखते हुए कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। पंचायत में मौजूद ग्रामीणों ने भी परिवार के साथ खड़े रहने की बात कही। ग्रामीणों का कहना था कि मनीषा के परिवार को न्याय दिलाने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास किए जाएंगे। पंचायत में निर्णय लिया गया कि मामले की लड़ाई अदालत में जारी रहेगी। जरूरत पड़ने पर परिवार और ग्रामीण सर्वोच्च न्यायालय तक जाएंगे। ग्रामीणों ने कहा कि मामला केवल एक परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि न्याय की मांग से जुड़ा हुआ है। इसलिए जब तक परिवार को संतुष्टि नहीं

मिलती, कानूनी स्तर पर प्रयास जारी रखे जाएंगे। पंचायत में मौजूद लोगों ने परिवार को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया।

पंचायत के निर्णय के बाद मनीषा के परिजनों ने स्पष्ट किया कि क्लोजर रिपोर्ट के बावजूद वे मामले को आगे बढ़ाएंगे। परिवार का कहना है कि न्याय के लिए उपलब्ध सभी कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल किया जाएगा। ग्रामीणों ने भी इस संघर्ष में परिवार का साथ देने का ऐलान किया है। पंचायत में ग्रामीणों ने कहा कि मनीषा के परिवार को न्याय दिलाने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि कानूनी लड़ाई में आर्थिक और सामाजिक सहयोग भी दिया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि मामले की निष्पक्ष सुनवाई और न्याय की उम्मीद को लेकर वे एकजुट हैं। पंचायत में मौजूद लोगों ने परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहने का संकल्प दोहराया और जरूरत पड़ने पर आगे आंदोलन करने की बात कही।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे किनारे बनेगा 18 किमी लंबा ग्रीन कॉरिडोर

सेक्टर 61-62 में 10 एकड़ में नगर वन विकसित करने की भी बनाई गई योजना

एजेंसी, नई दिल्ली

शहरी विकास प्रधान सलाहकार डीएस ढेसी की अध्यक्षता में बुधवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में विभिन्न विकास परियोजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के किनारे 18 किलोमीटर लंबे ग्रीन कॉरिडोर को विकसित करने का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य एक्सप्रेसवे के आसपास के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण करने के साथ हरियाली को बढ़ावा देना है।

बैठक में बताया गया कि फरीदाबाद के सेक्टर 61-62 में करीब 10 एकड़ क्षेत्र में नगर वन भी विकसित किया जाएगा। इससे शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती देने में मदद मिलेगी। प्रशासन की ओर से संबंधित विभागों को परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में इलेक्ट्रिक बस सेवा की भी समीक्षा की गई। शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के

लिए इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। इसके अलावा निर्माण एवं विध्वंस कचरा प्रबंधन व्यवस्था की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

बैठक में मंडलायुक्त संजय जून, निगमायुक्त यशेंद्र सिंह, एफएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीसी मीणा, उपायुक्त आयुष सिन्हा, एचएसवीपी प्रशासक धीरज सहित विभिन्न विभागों और संबंधित एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने चल रही परियोजनाओं की प्रगति और आगे की कार्ययोजना पर भी चर्चा की। बैठक में अधिकारियों को विकास परियोजनाओं में तेजी लाने, आपसी समन्वय बनाए रखने और निर्धारित समयसीमा के अनुसार कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

विकास परियोजनाओं को समयसीमा में पूरा करने के निर्देश

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि शहर में चल रही विकास परियोजनाओं को निर्धारित योजना के अनुसार आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रशासन ने परियोजनाओं की प्रगति पर नियमित निगरानी रखने और कार्यों में आने वाली समस्याओं का समय पर समाधान करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा गया कि विभिन्न विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके। ग्रीन कॉरिडोर के विकास से एक्सप्रेसवे के आसपास का क्षेत्र अधिक आकर्षक और हराभरा बनाने में मदद मिलेगी। वहीं नगर वन से स्थानीय लोगों को हरित वातावरण उपलब्ध होगा। इलेक्ट्रिक बस सेवा की समीक्षा के दौरान सार्वजनिक परिवहन को बेहतर और सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया गया। निर्माण एवं विध्वंस कचरा प्रबंधन को लेकर भी व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता बताई गई।

विनेश फोगाट पहुंचीं दिल्ली हाई कोर्ट

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई के फैसले को हाई कोर्ट में दी चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान विनेश फोगाट ने वर्ष 2026 की वरिष्ठ विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति मांगते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। विनेश ने अपनी नई अर्जी के माध्यम से भारतीय कुश्ती महासंघ के सात सितंबर के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसके तहत उन्हें चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। मामले पर अदालत में अगली सुनवाई गुरुवार को होगी।

विनेश की ओर से दायर नई अर्जी एक लंबित याचिका से जुड़ी हुई है। मूल याचिका में महिला पहलवानों के मातृत्व अवकाश अथवा गर्भावस्था के बाद खेल में वापसी से संबंधित नीति बनाए जाने की मांग की गई है। इसी मामले में अब विनेश ने अलग से आवेदन दाखिल करते हुए चयन ट्रायल में शामिल होने की अनुमति देने और महासंघ के हालिया आदेश पर रोक लगाने की मांग की है।

मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ की ओर से पेश अधिवक्ता से इस संबंध में निर्देश लेने को कहा है। अदालत के इस रुख के बाद अब महासंघ का पक्ष अगली सुनवाई में सामने आने की उम्मीद है। विनेश की अर्जी में मुख्य रूप से इस बात को उठाया गया है कि उन्हें विश्व चैंपियनशिप की चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेने का अवसर दिया जाना चाहिए।

वर्ष 2026 की वरिष्ठ विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल की प्रक्रिया को लेकर विनेश की याचिका ऐसे समय में सामने आई है, जब महिला खिलाड़ियों के लिए मातृत्व के बाद खेल में वापसी और चयन प्रक्रिया को लेकर नीतिगत चर्चा भी जारी है।

विनेश की याचिका पर महासंघ से जवाब तलब, आज की सुनवाई पर टिकी नजर

विनेश की लंबित याचिका इसी व्यापक मुद्दे से जुड़ी हुई है। नई अर्जी में तत्काल राहत की मांग करते हुए सात सितंबर के आदेश को चुनौती दी गई है। विनेश फोगाट भारतीय कुश्ती की प्रमुख खिलाड़ियों में रही हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। ऐसे में उनके चयन ट्रायल में शामिल होने से जुड़ा मामला खेल जगत के साथ-साथ महिला खिलाड़ियों के अधिकारों और खेल में वापसी की प्रक्रिया के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, इस मामले में अंतिम निर्णय अदालत की सुनवाई और संबंधित पक्षों के तर्कों के बाद ही स्पष्ट होगा। अदालत ने फिलहाल भारतीय कुश्ती महासंघ का पक्ष जानने के लिए उसके अधिवक्ता को निर्देश लेने को कहा है। गुरुवार की सुनवाई में महासंघ की ओर से अपना रुख स्पष्ट किए जाने की संभावना है। इसके बाद अदालत विनेश की नई अर्जी पर आगे की कार्रवाई को लेकर दिशा तय कर सकती है। विनेश की मांग का केंद्र विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में भाग लेने का अधिकार है। उन्होंने महासंघ के सात सितंबर के उस फैसले पर रोक लगाने की मांग की है, जिसके कारण वह चयन प्रक्रिया से बाहर हो गई हैं। अब सबकी नजर गुरुवार को होने वाली सुनवाई पर है। अदालत का रुख यह तय करने में महत्वपूर्ण होगा कि विनेश को आगामी चयन ट्रायल में शामिल होने का अवसर मिल पाता है या नहीं।

दिल्ली पीडब्ल्यूडी को मिला अपना इंजीनियरिंग कैडर, अब तय होगी जवाबदेही

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **स्वतंत्र कैडर से दिल्ली में विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार**

दिल्ली के विकास कार्यों को गति देने और परियोजनाओं में होने वाली देरी पर शिकंजा कसने के लिए केंद्र सरकार ने दिल्ली लोक निर्माण विभाग को अपना स्वतंत्र इंजीनियरिंग कैडर बनाने की मंजूरी दे दी है। अब दिल्ली पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के कैडर से अलग अपने स्वतंत्र कैडर के तहत कार्य कर सकेंगे।

इससे विभाग की कार्यप्रणाली में अधिक स्पष्टता आने और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होने की उम्मीद है। अब दिल्ली में विकास परियोजनाओं से जुड़े प्रत्येक कार्य के लिए संबंधित इंजीनियर की जवाबदेही तय की जाएगी। अधिकारियों के कामकाज का आकलन उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। इंजीनियरों की कार्यप्रणाली की नियमित समीक्षा होगी और काम के आधार पर उनकी मार्किंग की जाएगी। इससे परियोजनाओं में अनावश्यक देरी या किसी प्रकार की लापरवाही होने पर जिम्मेदारी तय करना आसान होगा। अभी तक दिल्ली पीडब्ल्यूडी में इंजीनियरिंग से जुड़े कार्यों के लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के कैडर पर निर्भरता रहती थी। इसके कारण कई बार इंजीनियरों की उपलब्धता और तैनाती से जुड़ी समस्याओं का असर विकास कार्यों पर पड़ता था।

स्वतंत्र कैडर बनने के बाद विभाग को अपनी जरूरत के अनुसार इंजीनियरिंग व्यवस्था संचालित करने में सुविधा मिलने की संभावना है। नई व्यवस्था से सड़क, पुल, भवन और अन्य विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आने की उम्मीद है। विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट होने से कार्यों की निगरानी भी बेहतर तरीके से की जा सकेगी। परियोजनाओं की प्रगति पर नजर रखने के साथ समयसीमा का पालन सुनिश्चित करने पर जोर रहेगा।

पहली पोस्टिंग से पहले सिपाही की हादसे में मौत

एजेंसी, गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में बंथला-चिरोड़ी मार्ग पर मंगलवार शाम हुए सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के 24 वर्षीय सिपाही सूरज की मौत हो गई। वह ट्रेनिंग पूरी करने के बाद अपनी पहली तैनाती के तहत बंथला चौकी जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनके ऑटो में टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल सिपाही ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

◆ **बंथला-चिरोड़ी मार्ग पर हादसा, 24 वर्षीय सिपाही सूरज की उपचार के दौरान मौत**

मूल रूप से आगरा के ग्राम गढ़ी ठाकुरदास निवासी सूरज वर्ष 2025 बैच के सिपाही थे। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उनकी पहली तैनाती लोनी थाने में हुई थी। वर्तमान में वह बंथला चौकी में तैनात थे। एसीपी लोनी रामकिशन के अनुसार, मंगलवार दोपहर करीब साढ़े चार बजे सूरज लोनी थाने से बंथला चौकी जाने के लिए ऑटो में आगे की सीट पर बैठे थे। बंथला-चिरोड़ी मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में सूरज गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी जांघ की हड्डी टूट गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सिपाही को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

बल्लभगढ़ अग्निकांड के दो दिन बाद फिर लौटा अतिक्रमण, शारदा राठौर ने मांगा मुआवजा

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **बल्लभगढ़ बाजार में अग्निकांड के दो दिन बाद फिर शुरू हुआ अतिक्रमण**

◆ **अग्निकांड पीड़ित दुकानदारों के लिए राहत कोष से मदद की मांग**

बल्लभगढ़ के मेन बाजार में पेंट की दुकान में आग लगने से चार दुकानों के जलने की घटना को अभी दो दिन ही बीते हैं, लेकिन बाजार में एक बार फिर अतिक्रमण शुरू हो गया। बुधवार दोपहर दुकानदारों ने अपनी दुकानों के आगे सामान रखकर रास्ते पर जगह घेर ली। इसके अलावा कुछ रेहड़ी संचालक भी बाजार में दोबारा दिखाई दिए। इससे आग की घटना के बाद किए गए इंतजामों और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं।

अतिक्रमण की सूचना मिलने पर नगर निगम का दस्ता बाजार में पहुंचा। निगम की कार्रवाई शुरू होते ही रेहड़ी संचालक मौके से हट गए, जबकि दुकानदारों ने दुकानों के बाहर रखा सामान अंदर कर लिया। निगम की टीम और दुकानदारों के बीच दिनभर अतिक्रमण को लेकर आंखमिचौनी चलती रही। टीम के जाते ही दोबारा

सामान बाहर लगाने की स्थिति बनने लगी। इधर, पूर्व विधायक शारदा राठौर जली हुई दुकानों का जायजा लेने मेन बाजार पहुंचीं। उन्होंने अग्निकांड से प्रभावित दुकानदारों से मुलाकात कर उनकी स्थिति जानी।

शारदा राठौर ने विधायक मूलचंद शर्मा से मांग की कि आग की घटना में नुकसान झेलने वाले दुकानदारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित दुकानदारों को राहत मिलने से उन्हें नुकसान से उबरने में मदद मिलेगी। नगर निगम की ओर से अतिक्रमण हटाने को लेकर कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है। निगम ने करीब 10 दिन में बाजार से अतिक्रमण पूरी तरह हटाने का दावा किया है। बाजार में लगातार निगरानी रखने की जरूरत भी महसूस की जा रही है, ताकि दुकानों के आगे दोबारा सामान रखकर रास्ता बाधित न किया जा सके। अग्निकांड के बाद बाजार में सुरक्षा व्यवस्था और आवागमन को लेकर भी स्थानीय स्तर पर चिंता बनी हुई है।

हाई डेंसिटी रेल नेटवर्क से दिल्ली की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

सात नए हाई डेंसिटी कॉरिडोर से यात्री और माल परिवहन को मिलेगी नई रफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट ने देशभर में सात नए हाई डेंसिटी रेल नेटवर्क कॉरिडोर को मंजूरी दी है। इनमें चार प्रमुख कॉरिडोर सीधे दिल्ली से जुड़ेंगे। इन परियोजनाओं का उद्देश्य देश के प्रमुख महानगरों के बीच यात्री और माल परिवहन को तेज करना तथा रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार इन कॉरिडोर के तैयार होने से दिल्ली की देश के विभिन्न हिस्सों से कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर मथुरा, कोटा, रतलाम, वडोदरा और सूरत होते हुए मुंबई तक जाएगा। इससे पश्चिमी भारत के साथ तेज रेल संपर्क और माल ढुलाई को बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली-चेन्नई कॉरिडोर आगरा, ग्वालियर, झांसी, भोपाल, नागपुर, बल्लारशाह और विजयवाड़ा होते हुए चेन्नई तक

दिल्ली से चार बड़े शहरों तक बनेगा हाई डेंसिटी रेल नेटवर्क, सफर होगा तेज।

पहुंचेगा। इससे उत्तर और दक्षिण भारत के बीच रेल यात्रा सुगम होगी। दिल्ली-गुवाहाटी कॉरिडोर मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोरखपुर, छपरा, कटिहार और न्यू जलपाईगुड़ी होते हुए गुवाहाटी से जुड़ेगा। इससे पूर्वोत्तर क्षेत्र तक पहुंच आसान होने की उम्मीद है। वहीं दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर कानपुर, प्रयागराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, पटना और आसनसोल होते हुए कोलकाता तक जाएगा। इससे पूर्वी भारत की यात्रा और माल परिवहन को गति मिलेगी। सरकार के अनुसार ये कॉरिडोर गोल्डन क्वाड्रिलैटरल से जुड़े व्यापक रेल नेटवर्क का हिस्सा हैं। रेलवे के इन उच्च क्षमता वाले मार्गों पर यातायात दबाव कम करने और परिचालन क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

दिल्ली से चेन्नई तक रेल संपर्क होगा मजबूत

दिल्ली-चेन्नई कॉरिडोर आगरा, ग्वालियर, झांसी, भोपाल, नागपुर, बल्लारशाह और विजयवाड़ा होते हुए चेन्नई तक पहुंचेगा। इससे उत्तर और दक्षिण भारत के बीच रेल यात्रा सुगम होगी। दिल्ली-गुवाहाटी कॉरिडोर मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोरखपुर, छपरा, कटिहार और न्यू जलपाईगुड़ी होते हुए गुवाहाटी से जुड़ेगा। इससे पूर्वोत्तर क्षेत्र तक पहुंच आसान होने की उम्मीद है। वहीं दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर कानपुर, प्रयागराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, पटना और आसनसोल होते हुए कोलकाता तक जाएगा। इससे पूर्वी भारत की यात्रा और माल परिवहन को गति मिलेगी।

दिल्ली एयरपोर्ट को बदनाम करने वाले 63 सोशल मीडिया हैंडल पर एफआईआर दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की छवि को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक और तथ्यहीन वीडियो प्रसारित करने के मामले में एयरपोर्ट संचालक डायल ने कड़ा कदम उठाया है। डायल ने दिल्ली पुलिस में 63 सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोप है कि इन खातों से एयरपोर्ट पर भारी जलभराव और उड़ानों के बाधित होने से संबंधित गलत दावे किए गए। डायल का कहना है कि इस तरह की सामग्री से यात्रियों और आम लोगों के बीच अनावश्यक भ्रम और चिंता पैदा हो सकती है।

हाल ही में दिल्ली में हुई भारी बारिश के दौरान आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन के आगमन क्षेत्र में कुछ समय के लिए पानी जमा हो गया था। डायल के अनुसार जलभराव की स्थिति को तत्काल नियंत्रित कर लिया गया और करीब 20 मिनट के भीतर पानी की निकासी कर दी गई। एयरपोर्ट संचालक ने यह भी स्पष्ट किया कि जलभराव की इस घटना के बावजूद विमान परिचालन सामान्य रहा और किसी उड़ान पर इसका प्रभाव नहीं पड़ा। इसके बावजूद सोशल मीडिया के कुछ खातों से ऐसी सामग्री प्रसारित की गई जिसमें एयरपोर्ट की स्थिति को वास्तविकता से कहीं अधिक गंभीर बताया गया।

डायल के मुताबिक कुछ उपयोगकर्ताओं ने पुराने वीडियो और दूसरे स्थानों की घटनाओं से संबंधित दृश्य भी दिल्ली एयरपोर्ट के नाम से प्रसारित किए। इनमें दुबई एयरपोर्ट पर हुए पुराने जलभराव का वीडियो भी शामिल था, जिसे दिल्ली एयरपोर्ट का बताकर साझा किया गया। इस तरह की सामग्री के प्रसार से लोगों के बीच गलत सूचना पहुंची और एयरपोर्ट की व्यवस्था को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हुई।

एयरपोर्ट संचालक ने इसे गंभीर मामला मानते हुए दिल्ली पुलिस से शिकायत की। डायल का कहना है कि सोशल मीडिया पर जानबूझकर गलत जानकारी प्रसारित करने से महत्वपूर्ण सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। साथ ही ऐसी झूठी सामग्री यात्रियों के बीच अनावश्यक भय और असमंजस की स्थिति भी पैदा कर सकती है।

17 महीने बाद गुरुग्राम निगम में डिप्टी मेयर चुनाव 14 सितंबर को

एजेंसी, गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम में करीब 17 महीने से खाली पड़े सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के पदों पर चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया की ओर से बुधवार को जारी बैठक नोटिस के अनुसार दोनों पदों के लिए 14 सितंबर को सुबह 11 बजे चुनाव कराया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया सेक्टर-18 स्थित हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान में होगी। खास बात यह है कि इस मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में 15 सितंबर को सुनवाई प्रस्तावित है। ऐसे में हाईकोर्ट की सुनवाई से ठीक एक दिन पहले चुनाव की तारीख घोषित किए जाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। निगम की ओर से जारी नोटिस में हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 की धारा 36 और हरियाणा नगर निगम निर्वाचन नियम 1994 के नियम 71(2) का उल्लेख किया गया है। इसके तहत नगर निगम के निर्वाचित सदस्यों में से सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी

मेयर का चुनाव किया जाएगा। 14 सितंबर को होने वाली बैठक में नगर निगम के सभी निर्वाचित और नामित सदस्यों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। लंबे समय से दोनों पद खाली होने के कारण नगर निगम की कार्यप्रणाली और राजनीतिक गतिविधियों में इन पदों को लेकर चर्चा बनी हुई थी।

चुनाव के बाद निगम को मिलेगा नया नेतृत्व

अब चुनाव की तारीख तय होने के बाद निगम में नए सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। अधिकारियों के अनुसार निर्धारित कार्यक्रम के तहत बैठक आयोजित की जाएगी और चुनाव संबंधी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 14 सितंबर को होने वाला चुनाव इसलिए भी अहम है क्योंकि इसके अगले ही दिन मामले की हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। चुनाव के लिए हिपा परिसर को निर्धारित किया गया है। निगम प्रशासन ने सदस्यों को समय पर बैठक में पहुंचने के निर्देश दिए हैं। करीब 17 महीने से रिक्त दोनों पदों पर चुनाव होने से नगर निगम में नेतृत्व व्यवस्था का यह महत्वपूर्ण हिस्सा फिर सक्रिय हो सकेगा।

मानसून सत्र | यूएपीए मामले में इंजीनियर रशीद को राहत की उम्मीद, एनआईए से जवाब तलब

इंजीनियर रशीद की जमानत पर हाई कोर्ट सख्त

एजेंसी, नई दिल्ली

आतंकी फंडिंग मामले में जेल में बंद बारामूला से सांसद इंजीनियर रशीद की जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी से पूछा कि क्या इंजीनियर रशीद को कुछ कड़ी शर्तों के साथ जमानत दी जा सकती है। अदालत ने विशेष रूप से यह संभावना जताई कि उन्हें केवल दिल्ली में रहने की शर्त पर राहत दी जा सकती है। इस प्रस्ताव पर अदालत ने एनआईए से अपना पक्ष स्पष्ट करने को कहा है।

इंजीनियर रशीद ने जमानत देने से इनकार करने वाले निचली अदालत के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। वह गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज आतंकी फंडिंग मामले में जेल में बंद हैं। उनकी ओर से अदालत के समक्ष जमानत दिए जाने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले की परिस्थितियों और जमानत को लेकर संभावित शर्तों पर विचार किया।

हाई कोर्ट ने एनआईए के अधिवक्ता से पूछा कि क्या जांच एजेंसी इस तरह की व्यवस्था पर सहमत हो सकती है जिसमें इंजीनियर रशीद को दिल्ली से बाहर जाने की अनुमति न हो। अदालत का मानना है कि यदि जमानत पर विचार किया जाता है तो कड़ी शर्तों के माध्यम से संबंधित चिंताओं को दूर किया जा सकता है। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय एनआईए के जवाब और मामले की आगे की सुनवाई के बाद ही सामने आएगा। अदालत के सवाल के बाद एनआईए के अधिवक्ता ने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से निर्देश लेने की बात कही।

हाई कोर्ट में तीन नवंबर को होगी सुनवाई

अब अगली सुनवाई में एनआईए अपना रुख अदालत के समक्ष रख सकती है। इसके बाद अदालत इंजीनियर रशीद की जमानत याचिका पर आगे विचार करेगी। इंजीनियर रशीद की जमानत का मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह वर्तमान में जेल में रहते हुए लोकसभा सांसद हैं। उनकी ओर से निचली अदालत के जमानत से इनकार के फैसले को चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट की ओर से दिल्ली में ही रहने जैसी शर्त की संभावना पर सवाल किए जाने के बाद मामले में जमानत को लेकर नई उम्मीद पैदा हुई है। फिलहाल अदालत ने जमानत मंजूर करने का कोई आदेश नहीं दिया है। हाई कोर्ट ने केवल एनआईए से यह जानना चाहा है कि निर्धारित शर्तों के तहत जमानत दिए जाने पर जांच एजेंसी का क्या रुख है। अब तीन नवंबर को होने वाली सुनवाई में इस मामले की दिशा स्पष्ट होने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

अल्मोड़ा केमू स्टेशन पर पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

अनिल थपलियाल। अल्मोड़ा के केमू स्टेशन पर महिला कोतवाली और यातायात पुलिस ने संयुक्त जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस ने बस चालकों परिचालकों और यात्रियों को महिला एवं बाल अपराध साइबर अपराध यातायात नियमों तथा नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। चालकों से नाबालिग बच्चों के अकेले यात्रा करने पर सतर्क रहने और संदिग्ध स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। इस दौरान नागरिकों को आपातकालीन हेल्पलाइन 112 साइबर हेल्पलाइन 1930 चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 महिला हेल्पलाइन 1090 और आपदा हेल्पलाइन 1070 की जानकारी भी दी गई।

इंटरसेप्टर की टक्कर से दो संविदा कर्मचारी घायल

अनिल थपलियाल। कर्णप्रयाग-ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग पर पंती में बुधवार को इंटरसेप्टर वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार विद्युत विभाग के दो संविदा कर्मचारी गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणबगड़ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में इंटरसेप्टर चालक ने नींद की झपकी आने की बात कही है। वाहन अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा में चला गया और स्कूटी से टकरा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नई टिहरी में पुलिस ने चलाया बालिका सुरक्षा जागरूकता अभियान

अनिल थपलियाल, नई टिहरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे के निर्देशन में जिले के विभिन्न थानों की पुलिस ने स्कूलों में पहुंचकर टीम गौरा के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया। छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा और अधिकारों की जानकारी दी गई। बच्चों को साइबर ठगी से बचाव और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस ने उनकी समस्याएं सुनीं और परेशानी होने पर बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया।

नैनीताल ताइक्वांडो क्लब के खिलाड़ियों ने जीते 13 पदक

भारतेंदु संवाददाता, नैनीताल। नैनीताल के नैनीताल ताइक्वांडो क्लब के 15 सदस्यीय दल ने जम्मू के भगवती नगर स्थित इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में वोविनम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित 15वीं नेशनल वोविनम चैंपियनशिप शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और सात कांस्य सहित 13 पदक जीतते हुए उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में सागर अधिकारी ने 50 किग्रा और सिद्धार्थ सिंह ने 54 किग्रा भार वर्ग में, कनिष्ठ वर्ग में लक्ष्य अधिकारी ने 42-46 किग्रा तथा सब-जूनियर वर्ग में मानस डालाकोटी ने 24-27 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किये। जबकि वरिष्ठ वर्ग के विभोर भट्ट और कनिष्ठ बालिका वर्ग में प्रियंशी टम्टा ने रजत पदक जीते। इनके अतिरिक्त भूमिका बनवाल, योगेंद्र, रीता आर्या, विशाखा राजपूत, याचना टम्टा, प्रियंशु आर्या और अंबिका कांस्य पदक विजेता रहे। कामाक्षी रावत और कृतज्ञ धामी ने भी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अलावा क्लब के सात सदस्यों विश्वकेतु वैद्य, योगेंद्र, विभोर भट्ट, सागर अधिकारी, भूमिका बनवाल, रीता आर्या और प्रियांशी टम्टा ने राष्ट्रीय रेफरी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया और प्रतियोगिता में रेफरी के रूप में भी योगदान दिया। क्लब के अध्यक्ष विश्वकेतु वैद्य, सचिव विनोद कुमार वैद्य और टीम हेड एवं मुख्य प्रशिक्षक विष्णु के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि प्राप्त करने और खलाड़ियों की सफलता पर सांसद प्रतिनिधि गोपाल रावत, वोविनम एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के पदाधिकारियों, डीएसए महासचिव मनोज जोशी, कैंट नैनीताल की सीईओ तनु जाट सहित खेल प्रेमियों और अभिभावकों ने बधाई दी है।

शिवपुरी की ह्यूल नदी में डूबा बंजी जंपिंग का कर्मचारी, रेस्क्यू जारी

भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी। टिहरी जिले के मुनिकीरेती थाना के अंतर्गत शिवपुरी में ह्यूल नदी में एक व्यक्ति बह गया। जिसकी खोजबीन के लिए एसडीआरएफ और जल पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाया लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिला है। एसडीआरएफ की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार बुधवार अपराह्न करीब सवा 3 बजे थाना मुनिकीरेती के अंतर्गत शिवपुरी स्थित हिमालयन बंजी कंपनी में कार्यरत एक कर्मचारी के बहने की सूचना मिली। एसडीआरएफ ढालवाला के निरीक्षक कविंद्र सजवाण के नेतृत्व में टीम ने रेस्क्यू व सर्च उपकरणों के साथ तत्काल अभियान चलाया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार हिमालयन बंजी कंपनी में कार्यरत दो कर्मचारी हरीश उनियाल (34) पुत्र परमानंद उनियाल हाल निवासी चौदह बीघा, ऋषिकेश मूल निवासी चाका थाना नरेंद्रनगर और बलजीत सिंह (40) नरेंद्र सिंह नेगी निवासी आलमबाग, लखनऊ साप्ताहिक अवकाश पर थे। दोनों कर्मचारी शिवपुरी में चौकी के नीचे ह्यूल नदी में स्नान करने गए थे।

श्रमिकों को विकास की शक्ति मानती है सरकार : सतपाल महाराज

चौबट्टाखाल में चार दिन में बने 2779 श्रमिक कार्ड

अनिल थपलियाल

चौबट्टाखाल में श्रमिक पंजीकरण अभियान ने पकड़ी रफ्तार।

सतपुली(पौड़ी गढ़वाल)। उत्तराखंड में श्रमिकों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए श्रम विभाग की ओर से पंजीकरण और नवीनीकरण अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल में प्रदेश का पहला ऐसा शिविर आयोजित किया गया है। अभियान के चार दिनों में सभी विकासखंडों में अब तक 2779 से अधिक श्रमिकों के कार्ड बनाए जा चुके हैं। कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि क्षेत्र के सभी पात्र श्रमिकों का पंजीकरण और नवीनीकरण पूरा होने तक शिविरों की प्रक्रिया जारी रखी जाए।

अपने क्षेत्र भ्रमण के चौथे दिन बुधवार को सतपाल महाराज न्याय पंचायत सतपुली स्थित एक वेडिंग प्वाइंट में श्रम विभाग की ओर से आयोजित श्रमिक पंजीकरण एवं नवीनीकरण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने श्रमिकों और स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य श्रमिकों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से बचाना है। इसी कारण ब्लॉक और क्षेत्र स्तर पर शिविर लगाकर मौके पर ही पंजीकरण तथा नवीनीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

90 दिन काम पर मिलेंगे सरकारी योजनाओं के लाभ

महाराज ने बताया कि प्रदेश में मनरेगा के करीब 9.5 लाख सक्रिय श्रमिकों को भी भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड से जोड़ा जा रहा है। मनरेगा में 90 दिन काम करने वाले श्रमिक बोर्ड की विभिन्न योजनाओं के पात्र बन सकेंगे। उन्होंने श्रमिकों से समय पर पंजीकरण कराने और नियमित नवीनीकरण करवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नवीनीकरण नहीं कराने पर पंजीकरण निष्क्रिय हो जाता है और इससे पात्र श्रमिक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार श्रमिकों को केवल श्रमशक्ति नहीं बल्कि उत्तराखंड की विकासशक्ति मानती है।

कैंसर वॉरियर्स ने खेलों के जरिए मनाया जिंदगी और जज्बे का जश्न

मणिपाल अस्पताल में कैंसर वॉरियर्स ने खेलों से मनाया उम्मीद का उत्सव।

अनिल थपलियाल

देहरादून। मणिपाल हॉस्पिटल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर केयर सेंटर की ओर से 'कैंसर वॉरियर स्पोर्ट्स समिट—जिंदगी जिंदाबाद' का आयोजन किया गया। इसमें कैंसर से जूझ रहे लोगों ने विभिन्न खेलों और मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों को इलाज और अस्पताल के तनावपूर्ण माहौल से कुछ समय दूर रखते हुए उनके आत्मविश्वास, मानसिक मजबूती और सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा देना था। प्रतिभागियों के लिए कैरम, शतरंज, रिंग टॉस, दिमागी पहेलियां, अंताक्षरी, संगीत और अन्य गतिविधियां आयोजित की गईं। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कहा कि कैंसर की देखभाल केवल चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि मरीजों के शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी है।

कार्यक्रम में पूर्व भारतीय फुटबॉलर मेहताब हुसैन, अल्ट्रामैराथन धावक अंजलि सराओगी और भारतीय क्रिकेटर अनूप कुमार दास भी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनकी मौजूदगी ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। चिकित्सकों ने सक्रिय जीवनशैली, भावनात्मक सहयोग और सामाजिक जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि कैंसर जीवन का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन इसे जीवन की खुशियों और उम्मीदों पर हावी नहीं होने देना चाहिए।

उत्तरकाशी: जसपुर में बरसात बन रही मुसीबत, डेंजर बैंड से मलबा गिरने पर ग्रामीणों में दहशत

शिव सिंह थलवाल

उत्तरकाशी। जसपुर-सिल्याण-निराकोट संपर्क मार्ग पर जसपुर में कंडार देवता मंदिर के पीछे स्थित डेंजर बैंड हर बरसात में दरकने से आसपास के गांवों के लिए खतरा बना हुआ है। क्षेत्र पंचायत सदस्य श्रुति बलूनी ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस संवेदनशील हिस्से का स्थायी उपचार कराने की मांग की। बारिश के दौरान पहाड़ का मलबा मांडों गदेरे में गिरने से पानी का रुख बदलकर बस्ती की ओर होने लगता है। वहीं सिल्याण गांव के ऊपर जमीन धंसने से भी ग्रामीणों की चिंता बढ़ रही है। हर वर्ष जेसीबी से मलबा हटाकर अस्थायी सुरक्षा उपाय किए जाते हैं, लेकिन समस्या दोबारा सामने आ जाती है।

उन्होंने पक्के तकनीकी उपचार या पहाड़ काटकर मार्ग को सुरक्षित बनाने का सुझाव दिया। सड़क सुरक्षित होने से मांडों, जसपुर और सिल्याण को राहत मिलने के साथ निराकोट तक सड़क पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

उत्तराखंड विकास पर भाजपा कार्यसमिति ने जताया भरोसा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। भाजपा उत्तराखंड की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति में राजनीतिक प्रस्ताव पारित कर मोदी सरकार और राज्य की डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों की सराहना की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें बधाई दी गई। प्रस्ताव में आधारभूत ढांचे, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, डिजिटल बदलाव और राष्ट्रीय सुरक्षा में प्रगति का उल्लेख किया गया। उत्तराखंड में केदारनाथ पुनर्निर्माण, चारधाम मार्ग, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना और सीमांत विकास को प्रमुख उपलब्धियां बताया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार के कार्यों की भी प्रशंसा हुई।

अक्टूबर से हल्द्वानी में शुरू होगा पूर्ण सीजीएचएस वेलनेस सेंटर

अनिल थपलियाल

देहरादून। संचार निगम पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त निदेशक सीजीएचएस डॉ. अश्वनी कुमार सेनियारे से मुलाकात कर उत्तराखंड में सीजीएचएस सुविधाओं के विस्तार और डॉक्टरों की कमी का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून के अलावा अन्य क्षेत्रों में वेलनेस सेंटर नहीं होने की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। अतिरिक्त निदेशक ने आश्वासन दिया कि कुमाऊं क्षेत्र का बहुप्रतीक्षित हल्द्वानी सीजीएचएस वेलनेस सेंटर अक्टूबर 2026 से पूर्ण रूप से संचालित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सर्वे ऑफ इंडिया की डिस्पेंसरी को सीजीएचएस वेलनेस सेंटर में बदलना प्राथमिकता में है। इसके शुरू होने से डॉक्टरों सहित पूरा स्टाफ उपलब्ध होगा।

◆ उत्तराखंड में सीजीएचएस सुविधाओं के विस्तार पर बनी सहमति

हरिद्वार और कोटद्वार में नए वेलनेस सेंटर खोलने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है। देहरादून के मौजूदा केंद्रों में डॉक्टरों के रिक्त पद भरने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। बैठक में सीजीएचएस की ओर से डॉ. शिवानी तथा एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे। एसोसिएशन ने पेंशनरों को जागरूक करने और सीजीएचएस सेवाओं में सुधार के लिए अधिकारियों का आभार जताया।

भरत सिंह चौधरी का फैसला एबीडीओ को मिला पदोन्नति का हक

अनिल थपलियाल

एबीडीओ की पदोन्नति से मजबूत होगी विकासखंडों की प्रशासनिक व्यवस्था।

देहरादून। विकास विभाग में लंबे समय से लंबित सहायक खंड विकास अधिकारियों के पदोन्नति प्रकरण पर ग्रामीण विकास मंत्री भरत सिंह चौधरी ने त्वरित निर्णय लेते हुए एबीडीओ को खंड विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नत करने की पहल की है। इस निर्णय से लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे अधिकारियों को उनका वाजिब हक और सम्मान मिला है। साथ ही विकासखंड स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। पदोन्नत अधिकारियों की तैनाती से विकासखंडों में बीडीओ की उपलब्धता बढ़ेगी और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों के संचालन में तेजी आएगी।

मंत्री के इस फैसले से कर्मचारी हित और जनहित दोनों को लाभ मिलने की संभावना है। एक ओर लंबित पदोन्नति का समाधान हुआ है वहीं दूसरी ओर विकासखंडों में अधिकारियों की उपलब्धता बढ़ने से ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी को मजबूती मिलेगी। बीडीओ की भूमिका ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण होती है।

उनकी नियमित उपलब्धता से योजनाओं की निगरानी विभागीय समन्वय जनसमस्याओं के समाधान और विकास कार्यों की गति में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। पदोन्नत अधिकारियों ने मंत्री के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे कर्मचारी हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित पदोन्नति मिलने से उन्हें नई जिम्मेदारी निभाने और बेहतर तरीके से कार्य करने का अवसर मिलेगा।

16 साल की प्रीति ने लोकगायन में बनाई अलग पहचान

उदित नैनवाल। चमोली के देवाल क्षेत्र की 16 वर्षीय प्रीति बिष्ट लोकगायन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। गढ़वाल से कुमाऊं तक विभिन्न मेलों और सांस्कृतिक मंचों पर उनकी सुरीली आवाज को दर्शकों की खूब सराहना मिल रही है। बचपन से संगीत के प्रति रुचि रखने वाली प्रीति की प्रतिभा को गुरु मुरली मनोहर उप्रेती ने पहचाना और उन्हें बेटी की तरह लोकसंगीत की बारीकियां सिखाईं। परिवार के प्रोत्साहन से वह लगातार अपने हुनर को निखार रही हैं। अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज देवाल में कक्षा 12वीं की छात्रा प्रीति पारंपरिक लोकगीतों के माध्यम से पहाड़ की संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास कर रही हैं। शेर सिंह दानू मेला, शहीद मेला सवाड़, देव सिंह दानू मेला और अन्य सांस्कृतिक आयोजनों में प्रस्तुति देकर वह सम्मान भी हासिल कर चुकी हैं।

कुंभ निर्माण कार्यों में पारदर्शिता की कांग्रेस ने उठाई मांग

घाटों के नामकरण समेत कुंभ निर्माण पर हुई चर्चा।

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

हरिद्वार में कुंभ मेला 2027 की तैयारियों के बीच कांग्रेस नेताओं ने निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने कुंभ मेलाधिकारी सोनिका से मुलाकात कर मेले से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि निर्माण कार्यों की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रखी जाए और गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न हो। नेताओं ने पूर्व विधायक अंबरीष कुमार और राज्य आंदोलनकारियों के नाम पर घाट घोषित करने का प्रस्ताव भी रखा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कुंभ मेला सनातन संस्कृति की महत्वपूर्ण पहचान है और इसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में मेले के लिए विकसित की जाने वाली सुविधाएं केवल अस्थायी न हों बल्कि भविष्य में स्थानीय लोगों के लिए भी उपयोगी साबित हों। उन्होंने पार्किंग, अस्पताल और अन्य जनसुविधाओं के स्थायी निर्माण पर विशेष ध्यान देने की मांग की। नेताओं का कहना था कि ऐसी योजनाएं तैयार की जानी चाहिए जिन्हें कुंभ समाप्त होने के बाद तोड़ना न पड़े।

सोशल मीडिया पर चरित्र हनन के खिलाफ कांग्रेस ने पुलिस से की कार्रवाई की मांगी

अनिल थपलियाल

देहरादून। सोशल मीडिया के माध्यम से राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करने और उनके मान-सम्मान व चरित्र पर सवाल उठाने के आरोपों के खिलाफ उत्तराखंड कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। प्रदेश सचिव स्वाति नेगी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जया बलूनी से मुलाकात कर 'वसूली अभियान मोर्चा' नामक सोशल मीडिया पेज के संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। स्वाति नेगी ने कहा कि राजनीतिक विरोध और आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी महिला के चरित्र और पारिवारिक सम्मान को निशाना बनाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर उनके राजनीतिक और सामाजिक जीवन को लेकर आपत्तिजनक तथा भ्रामक सामग्री प्रसारित की जा रही है, जिससे उनके परिवार की प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में मानहानि और चरित्र हनन नहीं किया जा सकता। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच, सोशल मीडिया संचालकों की पहचान और संबंधित कानूनी धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगी।

एसपी को ज्ञापन सौंपते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता।

हिमालय पृथ्वी का मेरुदंड और संस्कृति का आधार : ऋतु खंडूड़ी

कहा- हिमालयी क्षेत्रों में विकास के साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना समय की मांग

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

हिमालय केवल पर्वतों की एक विशाल श्रृंखला नहीं बल्कि पृथ्वी का मेरुदंड और सभ्यता एवं संस्कृति का आधार स्तंभ है। हिमालय का महत्व पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों तक सीमित नहीं है बल्कि यह देश की सामाजिक सांस्कृतिक और सुरक्षा व्यवस्था से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने बुधवार को एमकेपी पीजी कॉलेज के सभागार में आयोजित हिमालय दिवस विचार गोष्ठी में यह बात कही। उत्तरांचल उत्थान परिषद और एमकेपी पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी का विषय हिमालय सतत विकास चुनौतियां एवं समाधान रहा।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हिमालयी क्षेत्रों में विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय जीवनशैली के बीच संतुलन बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों के लिए विकास योजनाएं तैयार करते समय वहां रहने वाले लोगों की समस्याओं और आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। योजनाओं में स्थानीय समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरणीय संतुलन का भी ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने हिमालय के संरक्षण के लिए पारंपरिक संस्कृति और जीवनशैली को फिर से अपनाने की दिशा में प्रयास करने पर जोर दिया। उनका कहना था कि हिमालय की रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस और व्यापक प्रयास समय की मांग हैं।

भारतीय तटरक्षक दल की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. कृपा नोटियाल ने हिमालय को देश की सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि हिमालय देश के लिए सुरक्षा कवच और प्रहरी की भूमिका निभाता है। सीमांत क्षेत्रों से लगातार हो रहे पलायन को उन्होंने चिंता का विषय बताया। उनके अनुसार सीमांत गांवों में बुनियादी सुविधाएं और रोजगार के अवसर बढ़ाए जाने चाहिए ताकि स्थानीय लोग अपने क्षेत्रों में ही रहकर बेहतर जीवन जी सकें। इससे सीमांत क्षेत्रों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर.जे. पैरुमल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से हिमालयी क्षेत्र की भूकंपीय स्थिति और संभावित संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी दी। उन्होंने हिमालय की भूगर्भीय परिस्थितियों और आपदा की संभावनाओं से जुड़ी चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। गोष्ठी के संयोजक प्रो. डी.डी. चोनियाल ने हिमालय के वर्तमान स्वरूप उसकी उत्पत्ति प्रमुख समस्याओं और संभावित समाधानों की जानकारी दी। उन्होंने सतत विकास के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बताई।

एमकेपी पीजी कॉलेज की प्राचार्या प्रो. ममता सिंह ने कहा कि हिमालय निर्जीव पर्वत नहीं बल्कि मानव सभ्यता और विकास का महत्वपूर्ण आधार है। हिमालयी क्षेत्रों में किसी भी विकास योजना को लागू करने से पहले उसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का विशेषज्ञों से अध्ययन कराया जाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

2016 से 2022 तक एरियर भुगतान की उठी मांग

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली परिषद सेवानिवृत्त कल्याण संघ अर्की की बैठक बाघल कैफे में संघ के प्रधान हेमेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर कई प्रस्ताव पारित किए गए। प्रधान हेमेंद्र गुप्ता ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि संघ की सदस्यता ग्रहण करने वाले तथा वर्ष में कम से कम दो बैठकों में उपस्थित रहने वाले सदस्यों के परिवार में किसी अनहोनी की स्थिति में पांच हजार रुपए एक्स-ग्रेशिया यानी अनुग्रह राशि के रूप में प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि संघ की ओर से सरकार से वर्ष 2016 से 2022 तक के लंबित एरियर का एकमुश्त भुगतान करने की मांग भी उठाई गई है। सदस्यों ने सरकार से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित वित्तीय मामलों का शीघ्र निपटारा करने का आग्रह किया। बैठक में रमेश शर्मा, राजेंद्र पाल, सुशील गांधी, प्रकाश चंद, गोपाल वर्मा, रवि शर्मा, रामचंद शर्मा सहित संघ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

साई पॉलिटेक्निक कॉलेज बधानी का फार्मेसी प्रथम वर्ष का परिणाम रहा शानदार

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। साई पॉलिटेक्निक कॉलेज बधानी पठानकोट कैंपस के फार्मेसी विभाग के प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। कॉलेज के प्रिंसिपल मुकेश गुप्ता ने बताया कि रितु शर्मा ने 83.5 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान हासिल किया। पायल देवी ने 81.6 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा तथा पूजा ने 80.3 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा लक्ष्मी ने 80.1, हरजोत ने 79.7, निशांत कुमार ने 79, गुरसेहज सिंह ने 78.3 और गुरबख्श सिंह ने 77.3 प्रतिशत अंक हासिल किए। फार्मेसी विभाग के सभी विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर कॉलेज और अपने माता-पिता का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर ग्रुप के चेयरमैन एसके पुंज, एमडी तृप्ता पुंज और सीएमडी कंवर तुषार पुंज ने विद्यार्थियों, प्रिंसिपल एवं स्टाफ को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एमडी तृप्ता पुंज ने विद्यार्थियों के अभिभावकों से बातचीत कर उन्हें भी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डायरेक्टर रणजीत सिंह, विभागाध्यक्ष और स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

1965 भारत-पाक युद्ध के वीर नायकों के सम्मान में बातल में होगा विशेष समारोह

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। 1965 के भारत-पाक युद्ध में अदम्य साहस और पराक्रम से देश की रक्षा करने वाले वीर नायकों के सम्मान में सैनिक सामुदायिक भवन बातल में विशेष समारोह आयोजित किया जाएगा। 23 सितंबर 1965 को भारतीय सेना ने पाकिस्तान के नापाक इरादों को ध्वस्त करके विजय हासिल की थी। पूर्व सैनिक लीग अर्की के अध्यक्ष कैप्टन पदम देव ठाकुर व वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैप्टन प्रेमचंद चौहान और मुख्य सलाहकार चमनलाल अग्निरथ ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि समारोह के दौरान भारत पाक युद्ध में हिस्सा लेने वाले अर्की लीग के सैनिकों को सम्मानित किया जाएगा, जो वीर योद्धा आज हमारे बीच नहीं हैं उनकी वीर नारियों को भी सम्मानित किया जाएगा। ध्वजारोहण कर वीर सैनिकों की वीरता और बलिदान को नमन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समारोह 23 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे आयोजित होगा। कार्यक्रम में अर्की के विधायक संजय अवस्थी मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि वीर सैनिकों के सम्मान में आयोजित इस समारोह में अर्की लीग के सभी पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिजनों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

ठाकुरथाना में 150 लोगों का जांचा स्वास्थ्य

भारतेन्दु संवाददाता, करसोग। राज्य सरकार के 'घर द्वार स्वास्थ्य सेवा' कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत ठाकुरथाना में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब 150 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान 141 लोगों के एक्स-रे किए गए, जबकि 122 लोगों की बीपी और शुगर की जांच की गई। इसके अलावा 50 लोगों के एचआईवी तथा 31 लोगों के हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी और सिफलिस के परीक्षण किए गए। खंड चिकित्सा अधिकारी करसोग डॉ. गोपाल चौहान ने शिविर के सफल आयोजन के लिए ग्राम पंचायत ठाकुरथाना के प्रधान लीलाधर और स्थानीय लोगों का आभार जताया। शिविर में पीएचसी सेरी की चिकित्सक डॉ. अक्षिता, सुपरवाइजर निर्मला, काउंसलर नंदा शर्मा, रेडियोग्राफर जय सिंह, करसोग के वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक लोभ सिंह ठाकुर, स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी दिव्या ठाकुर और आशा कार्यकर्ताओं ने सेवाएं प्रदान कीं। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को उनके घर के नजदीक आवश्यक स्वास्थ्य जांच और परामर्श की सुविधा उपलब्ध हुई।

अंब में 17.68 ग्राम चिट्टा बरामद, तीन काबू

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला पुलिस ऊना ने अंब में अलग-अलग कार्रवाई कर कुल 17.68 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। पुलिस ने मामले में एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार आठ सितंबर को देर रात निरीक्षक विपन कुमार शर्मा प्रभारी पुलिस थाना अंब के नेतृत्व में पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने वार्ड नंबर 8 के एक मकान में दबिश दी। तलाशी के दौरान मकान से 17.68 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। इस मामले में पुलिस ने एक युवक और उसकी माता तथा वार्ड नंबर दो के एक अन्य युवक को भी आरोपी बनाया है। तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की प्रासंगिक धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया है। एसपी ऊना सचिन हीरेमठ ने आमजन से अपील की है कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि युवाओं को नशे की ओर धकेलने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। नशे के खिलाफ जिला पुलिस का अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा।

मंडी में आठ नए सह-संयोजकों की नियुक्ति

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा देव समाज प्रकोष्ठ, जिला मंडी ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए जिले के विभिन्न मंडलों से आठ जिला सह-संयोजकों की नियुक्ति की है। नियुक्तियों की घोषणा भाजपा जिला अध्यक्ष निहाल चंद, प्रदेश संयोजक प्रेम प्रसाद पंडित और जिला संयोजक कल्प वैद्या ने शीर्ष नेतृत्व से चर्चा के बाद की। जिला संयोजक कल्प वैद्या ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की देव संस्कृति और परंपराएं प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। प्रकोष्ठ का उद्देश्य इन परंपराओं का संरक्षण और संवर्धन करने के साथ देव समाज से जुड़े विषयों को उचित मंच तक पहुंचाना तथा समाज के लोगों के साथ निरंतर संवाद और समन्वय स्थापित करना है। नवनियुक्त सह-संयोजकों में सरदार सिंह को जंजैहली, घीछू राम को बालीचौकी, चैनी राम को सराज, बलवीर ठाकुर को स्नोर, बीना शर्मा को चौंतड़ा, सुरेश कुमार को लडभड़ोल, तपस्या शर्मा को कोटली और वीरेंद्र ठाकुर को नेरचौक मंडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से देव संस्कृति के संरक्षण और संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

संगठन मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं ने बनाई रणनीति

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। भाजपा मंडल अर्की की मासिक बैठक लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में मंडल अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिला सोलन प्रभारी सह-प्रभारी संदीपनी भारद्वाज, जिला अध्यक्ष रतन सिंह पाल और पूर्व विधायक गोविंद राम शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को मजबूत करने सहित आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सेवा कार्यकाल संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को प्रत्येक बूथ पर 100 दीपक जलाए जाएंगे। पदाधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र ठाकुर, मंडल महासचिव यशपाल कश्यप, रूप राम शर्मा, प्रतिभा कंवर, जयनंद शर्मा, सुरेश जोशी, हीरा पाल, प्रभा भारद्वाज सहित करीब 90 कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदेश में मानसून की सामान्य से 10 फीसदी कम बारिश, 13 सितंबर से फिर होगा सक्रिय

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 10 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के आंकड़ों के अनुसार जून से 9 सितंबर तक राज्य में मानसूनी बारिश सामान्य से कम रही है। प्रदेश में मानसून ने 30 जून को दस्तक दी थी और सितंबर के अंत तक इसके सक्रिय रहने की संभावना रहती है।

जिलावार आंकड़ों के अनुसार लाहौल-स्पीति में सामान्य से 99 फीसदी कम बारिश हुई है। चंबा में बारिश सामान्य से 64 फीसदी कम रही। ऊना में सामान्य से 31 फीसदी और कुल्लू में 22 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। दूसरी ओर सिरमौर में मानसून सबसे अधिक मेहरबान रहा है। यहां सामान्य से 68 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई। किन्नौर में सामान्य से 73 फीसदी अधिक बारिश हुई है। हमीरपुर में बारिश सामान्य से 23 फीसदी, मंडी में 21 फीसदी, शिमला में 10 फीसदी और कांगड़ा में नौ फीसदी अधिक रही। सोलन में सामान्य से दो फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य के चार जिलों में सामान्य से कम और आठ जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। पिछले साल हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान सामान्य से 39 फीसदी अधिक बारिश हुई थी। इस वर्ष मानसून की रफ्तार अब तक पिछले साल की तुलना में कम रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों में मानसून के कमजोर रहने के आसार हैं। 10 से 12 सितंबर तक प्रदेश के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है, जबकि अन्य क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। 13 सितंबर से मानसून के फिर सक्रिय होने का अनुमान है। इस दौरान पूरे प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 14 और 15 सितंबर को बारिश की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। मौसम विभाग ने 15 सितंबर तक प्रदेश में भारी बारिश को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। बारिश के कारण प्रदेश में कई स्थानों पर जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार बुधवार सुबह तक भूस्खलन के कारण प्रदेश में 70 सड़कें बंद थीं। इसके अलावा 19 ट्रांसफार्मर और दो पेयजल योजनाएं भी प्रभावित रहीं। मंडी में 37, कुल्लू में 11 और कांगड़ा में 10 सड़कें बंद थीं। मंडी जिले के देहरा उपमंडल में 17 और शिमला जिले के रामपुर में दो ट्रांसफार्मर बंद रहे। रामपुर में दो पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुईं।

हिमाचल में बारिश से 285 मौतें, 510 लोग घायल

राज्य में इस मानसून सीजन के दौरान बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 285 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 510 लोग घायल हुए हैं। तीन लोग अभी लापता हैं। मृतकों में 171 की जान सड़क हादसों में गई है, जबकि भूस्खलन, बाढ़, फ्लैश फ्लड और अन्य बारिश संबंधी घटनाओं में 114 लोगों की मौत हुई है। बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं से प्रदेश में 124 घर पूरी तरह ध्वस्त हुए हैं, जबकि 496 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 17 दुकानें और 464 पशुशालाएं भी क्षतिग्रस्त या ध्वस्त हुई हैं। मानसून सीजन में राज्य को अब तक करीब 1,550 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

महिला मंडल ज्योरा के भवन निर्माण के लिए विधायक जीतराम ने स्वीकृत किए 5 लाख

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। रोहल पंचायत स्थित महिला मंडल ज्योरा को सामाजिक गतिविधियों और आयोजनों के लिए जल्द अपना भवन मिल सकेगा।

बुधवार को महिला मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल से मुलाकात कर भवन की आवश्यकता से अवगत करवाया। विधायक ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक निधि से भवन निर्माण के लिए मौके पर ही पांच लाख रुपए की राशि स्वीकृत कर दी। इस अवसर पर विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला, प्रधानमंत्री आवास, जनधन, मुद्रा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि और लखपति दीदी जैसी योजनाओं से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प मातृशक्ति की मजबूती के बिना पूरा नहीं हो सकता। कटवाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा झूठी गारंटियों की नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने की राजनीति करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह देने का वादा किया था, लेकिन इसका लाभ महिलाओं को नहीं मिला। उन्होंने कहा कि झंडूता क्षेत्र में महिलाओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाता रहेगा।

44 मेधावी विद्यार्थियों ने जापान में समझी आधुनिक तकनीक

हरित विकास के लिए भारत-जापान साझेदारी पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जापान के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ रणनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इसी क्रम में तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी के नेतृत्व में राज्य के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के 44 मेधावी विद्यार्थियों ने जापान का शैक्षणिक दौरा किया। छह से 12 सितंबर तक चल रहे इस दौरे का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को आधुनिक वैश्विक तकनीक और उच्चस्तरीय अनुसंधान से जोड़ना है। प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी का दौरा कर शैक्षणिक सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और संयुक्त अनुसंधान की संभावनाओं पर चर्चा की। विद्यार्थियों ने विशेष सेमिनार में भाग लेकर जापान की उन्नत तकनीकी व्यवस्था और नवाचार को करीब से समझा।

प्रतिनिधिमंडल में विधायक सतपाल सिंह सत्ती, राकेश जंवाल, सुदर्शन सिंह बबलू और प्रधान सचिव तकनीकी शिक्षा अभिषेक जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने साप्पोरो स्थित होक्काइडो यूनिवर्सिटी के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। मुख्यातिथि के रूप में संबोधित करते हुए मंत्री राजेश धर्माणी ने सतत कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं, पर्यावरण संरक्षण और उन्नत सामग्री के क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हिमाचल और होक्काइडो की पर्वतीय भौगोलिक परिस्थितियों तथा ठंडी जलवायु में समानताएं हैं। हिमालयी पारिस्थितिकी को ध्यान में रखते हुए ऐसी हरित और आधुनिक तकनीकों को अपनाना जरूरी है, जो विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करें।

एचआईवी जांच और बचाव के उपायों की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे एचआईवी/एड्स जागरूकता अभियान 3.0 के तहत ग्राम पाट्टी, पंचायत सानन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अभियान 12 अगस्त से 12 अक्तूबर तक चलाया जा रहा है। कार्यक्रम डॉ. मुक्ता रस्तोगी, खंड चिकित्सा अधिकारी अर्की के नेतृत्व में हुआ। इसमें 48 महिलाओं एवं अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया। सिविल अस्पताल अर्की के एचआईवी परामर्श एवं जांच सेवा केंद्र के काउंसलर डॉ. विजय कुमार शांडिल ने महिलाओं को एचआईवी/एड्स, सिफलिस, हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी और टीबी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ हाथ मिलाने, साथ बैठने, भोजन करने या बातचीत करने से संक्रमण नहीं फैलता। उन्होंने संक्रमण के प्रमुख कारणों, बचाव के उपायों और समय पर जांच के महत्व पर प्रकाश डाला। महिलाओं को एचआईवी जांच करवाने तथा जरूरत पड़ने पर समय पर उपचार और परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया। हेपेटाइटिस-बी से बचाव के लिए टीकाकरण के महत्व की जानकारी भी दी गई। साथ ही महिलाओं के पोषण और एनीमिया पर चर्चा करते हुए संतुलित आहार, हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, मौसमी फल तथा आयरन युक्त खाद्य पदार्थ लेने की सलाह दी गई। प्रतिभागियों से स्वयं जागरूक होने के साथ परिवार और समुदाय को भी स्वास्थ्य जांच एवं बचाव के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया गया।

कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, पिता-पुत्री घायल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता थाना क्षेत्र के तहत फोरलेन सड़क पर छत्त पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार पिता और पुत्री घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव मन्हन निवासी कनिका कौशल अपने पिता के साथ स्कूटी संख्या एचपी89-4939 पर जा रही थीं। इसी दौरान छत्त पेट्रोल पंप के पास शिमला नंबर की कार संख्या एचपी01ए-5720 ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। शिकायतकर्ता के अनुसार कार चालक की पहचान मनु ठाकुर निवासी सेक्टर-3, न्यू शिमला के रूप में हुई है। पुलिस ने झंडूता थाना में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 125(ए) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

एनडीआरएफ ने स्टूडेंट्स को सिखाए जीवन रक्षक कौशल

भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। आपदा व आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजकीय पीजी कॉलेज नगरोटा बगवां में एनडीआरएफ की टीम ने विद्यार्थियों को विभिन्न जीवन रक्षक व बचाव तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के करीब 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर मनजीत सिंह के नेतृत्व में टीम ने आपदा, दुर्घटना और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित व प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की तकनीकों का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार, घायल व्यक्ति की सहायता, सुरक्षित बचाव और संकट के समय त्वरित निर्णय लेने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में स्वयं भाग लेकर जीवन रक्षक तकनीकों का अभ्यास भी किया। कार्यक्रम में तहसीलदार डॉ. अशोक पठानिया, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार सोनी, आपदा प्रबंधन के नोडल अधिकारी प्रो. निकेश शर्मा, प्रो. संजय शर्मा, प्रो. सुनीता कुमारी, जतिंदर सिंह तथा एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर मनजीत सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार सोनी ने एनडीआरएफ टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण विद्यार्थियों को वास्तविक आपात परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए सक्षम बनाते हैं। नोडल अधिकारी प्रो. निकेश ने कहा कि जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण में सीखी तकनीकों को जरूरत पड़ने पर जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने का आह्वान किया।

करंट लगने से बिजली के पोल से गिरा युवक, मौत

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। गांव मलेटा में बिजली पोल पर फ्यूज ठीक करते समय करंट की चपेट में आने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत पर बिजली विभाग के फोरमैन के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार 8 सितंबर को गांव भटेड निवासी गुरमेल सिंह पुत्र प्रीतम चंद फोरमैन अश्वनी कुमार के निर्देश पर बिजली पोल पर फ्यूज ठीक करने चढ़ा था। काम के दौरान वह अचानक बिजली तारों के संपर्क में आ गया। करंट लगने से वह पोल से नीचे गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों के बयान के आधार पर थाना कोट कहलूर में फोरमैन अश्वनी कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 और 106(1) के तहत प्राथमिकी संख्या 79/2026 दर्ज की है। पुलिस हादसे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, बिजली आपूर्ति बंद करने की प्रक्रिया और निर्धारित सुरक्षा मानकों के पालन की जांच कर रही है।

बखालग के पूर्व सैनिक नायक सोहन लाल का निधन, पूर्व सैनिक लीग अर्की व 14 गोरखा ट्रेनिंग सेंटर ने दी श्रद्धांजलि

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत बखालग निवासी पूर्व सैनिक नायक सोहन लाल का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। नायक सोहन लाल ने भारतीय सेना की सिग्नल कोर में वर्ष 1971 से 1988 तक 17 वर्षों तक देश की सेवा करने के बाद सेवानिवृत्ति ली थी।

सेवानिवृत्ति के बाद भी उनका पूर्व सैनिकों और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ाव बना रहा। वह पूर्व सैनिक लीग अर्की के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे तथा पूर्व सैनिकों के हितों से संबंधित कार्यों में अपनी सहभागिता निभाते रहे। उनके निधन से पूर्व सैनिक समुदाय ने एक सक्रिय, मिलनसार और सहयोगी साथी खो दिया है। निधन की सूचना मिलते ही पूर्व सैनिक लीग अर्की के चेयरमैन कैप्टन पदम देव ठाकुर सहित अन्य पूर्व सैनिक उनके घर पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने पार्थिव शरीर पर तिरंगा और रीथ अर्पित कर सैन्य सम्मान के साथ सलामी दी। इसके बाद पूर्व सैनिक अंतिम यात्रा में श्मशान घाट तक साथ चले और सैन्य परंपरा के अनुरूप अपने साथी को अंतिम विदाई दी। नायक सोहन लाल के निधन पर कमांडेंट14 गोरखा ट्रेनिंग सेंटर सुबाथू की तरफ से नायब सूबेदार सुरेश तथा जवान दीपक छेत्री ने पार्थिव शरीर पर रीथ अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

गोरखा रेजिमेंट की ओर से दिवंगत पूर्व सैनिक की देश सेवा को याद करते हुए उन्हें सम्मान दिया गया। इस दौरान पूर्व सैनिक लीग के उपाध्यक्ष बलदेव सहगल सहित भोपाल सिंह, मस्त राम वर्मा, बद्री सिंह, गोपाल पाठक, धर्मचंद पाल, बाबू राम सहित अन्य पूर्व सैनिक मौजूद रहे। सभी ने परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। कैप्टन पदम देव ठाकुर ने कहा कि नायक सोहन लाल ने भारतीय सेना में निष्ठापूर्वक देश की सेवा की और सेवानिवृत्ति के बाद भी पूर्व सैनिक लीग से लगातार जुड़े रहे। उनके निधन से लीग ने अपना एक समर्पित और मिलनसार साथी खो दिया है। उनकी सेवाओं और सरल स्वभाव को हमेशा याद किया जाएगा।

अंतिम संस्कार के दौरान पूर्व सैनिकों ने सैन्य परंपरा का निर्वहन करते हुए सलामी दी। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

आयोजन ढटवाल मंडल की समीक्षा बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा

बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने का भाजपा ने बनाया प्लान

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा ढटवाल मंडल की समीक्षा बैठक मंडल अध्यक्ष यशवीर पटियाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में बड़सर विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंद्रदत्त लखनपाल बतौर मुख्यातिथि तथा भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला आईटी संयोजक अभिषेक दत्त सहित मंडल के सभी मोर्चों के संयोजक एवं पदाधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने ढटवाल मंडल में पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर तक आयोजित किए गए पार्टी कार्यक्रमों, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, जनसंपर्क अभियानों, संगठन विस्तार तथा विभिन्न मोर्चों की गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान पार्टी द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों के साथ-साथ संगठनात्मक कार्यों में रही कमियों और उनके सुधार के संभावित क्षेत्रों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। राकेश ठाकुर ने कहा कि ढटवाल मंडल में पार्टी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई है और मंडल ने कई क्षेत्रों में प्रभावी कार्य किया है। हालांकि, संगठन को और मजबूत बनाने के लिए जहां उपलब्धियां हुई हैं, उन्हें निरंतर आगे बढ़ाने के साथ-साथ जिन क्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है, वहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक मजबूती बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता से तय होती है। इसलिए प्रत्येक बूथ पर नियमित संपर्क, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय और पार्टी के कार्यक्रमों की प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, नए एवं युवा कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने तथा प्रत्येक मोर्चे को अपनी जिम्मेदारियों के अनुरूप नियमित गतिविधियां संचालित करने पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष ने आईटी और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग को भी समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि केंद्र एवं प्रदेश भाजपा की नीतियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और पार्टी की उपलब्धियों को अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा का उद्देश्य केवल कमियां गिनाना नहीं, बल्कि उन्हें दूर करने के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करना है। उन्होंने मंडल पदाधिकारियों से आगामी समय में अधिक सक्रिय, योजनाबद्ध और बूथ-केंद्रित संगठनात्मक कार्य सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर पदाधिकारी को अपनी जिम्मेदारी के प्रति जवाबदेह रहते हुए संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने भी कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। मंडल अध्यक्ष यशवीर पटियाल ने बैठक में मंडल की गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया और आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए कार्ययोजना पर चर्चा की।

आरसीएफसी स्थानांतरण के विरोध में भूख हड़ताल 21वें दिन भी जारी

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। आरसीएफसी बचाओ संघर्ष समिति की ओर से संस्थान को जोगिंद्रनगर से स्थानांतरित करने के विरोध में चल रही भूख हड़ताल 21वें दिन में प्रवेश कर गई। बुधवार को किसान सभा के नेता और कार्यकर्ता भूख हड़ताल पर बैठे। इनमें चल्हारग पंचायत के वार्ड सदस्य एवं सेवानिवृत्त वरिष्ठ फोरमैन कर्म सिंह चौधरी, सेवानिवृत्त कनिष्ठ अभियंता अमर सिंह चौधरी, बिहूं पंचायत से आदित्य बिष्ट और कस पंचायत से मयंक शामिल रहे।

इस अवसर पर रोटेरियन अजय ठाकुर, सेवानिवृत्त अधिशासी अभियंता कृपाल ठाकुर, सेवानिवृत्त एसडीओ बृज गोपाल अवस्थी, एसडीओ शेर सिंह ठाकुर, सेवानिवृत्त अधीक्षक भूपेंद्र ठाकुर, रोटेरियन राम लाल वालिया, सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार रतन सिंह और जिला परिषद सदस्य कुशाल भारद्वाज मौजूद रहे। संघर्ष समिति के वरिष्ठ नेताओं अजय ठाकुर, कृपाल ठाकुर और कर्म चंद ने कहा कि जब तक आरसीएफसी को जोगिंद्रनगर से स्थानांतरित करने की अधिसूचना रद्द नहीं की जाती, आंदोलन जारी रहेगा। बृज गोपाल अवस्थी, शेर सिंह ठाकुर और कुशाल भारद्वाज ने कहा कि यह लड़ाई केवल संस्थान बचाने की नहीं, बल्कि जोगिंद्रनगर, मंडी और कांगड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों के हितों की भी है। उन्होंने कहा कि उपयुक्त स्थान से संस्थान को हटाना क्षेत्र के लोगों के साथ अन्याय है। कुशाल भारद्वाज ने बताया कि आंदोलन को और तेज करने के लिए जल्द ही अलग-अलग जोन में बड़ी रैलियां और सामूहिक उपवास आयोजित किए जाएंगे। समिति ने केंद्र और राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर अधिसूचना रद्द करने की मांग की।

बेहतरीन अंदाज में जूलिया ग्विन

जूलिया ग्विन जर्मनी की एक मशहूर महिला फुटबॉल खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 2 जुलाई 1999 को जर्मनी में हुआ था। वह अपनी तेज रफ्तार, बेहतरीन तकनीक और मैदान पर शानदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं। जूलिया ने जर्मन राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व किया है।

स्पोर्ट्स विंडो

रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियंस लीग में जीत से की शुरुआत

एजेंसी, मैड्रिड। किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड ने गोल दागे जिससे रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में जीत के साथ नए सत्र की शुरुआत की। एमबाप्पे ने रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन मैड्रिड को सैंटियागो बर्नाबेउ में इंटर मिलान पर 2-1 की जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी तरफ हालैंड के दो गोल की मदद से 2023 के चैंपियन सिटी ने पोर्टो को 2-0 से हराया। मैड्रिड और सिटी को पिछली दो बार के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इन दोनों टीम के प्रमुख स्ट्राइकर ने पहले मैच में ही अपना जलवा दिखाया। एमबाप्पे ने यूरोपीय क्लब फुटबॉल की शीर्ष महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना 71वां गोल किया जबकि हालैंड के नाम पर चैंपियंस लीग में 59 मैचों में 59 गोल दर्ज हो गए हैं। बोरुसिया डॉर्टमुंड ने विलारियल को 3-2 से हराया। रियाल बेटिस ने लिली को और एस्टन विला ने क्लब ब्रुग को इसी अंतर से पराजित किया। पीएसजी बुधवार को स्लोवन ब्रातिस्लावा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

क्रिकेट: भारत के अगले महीने न्यूजीलैंड दौरे से दर्शकों में जबरदस्त उत्साह

एजेंसी, ऑकलैंड। भारतीय टीम के इस साल अक्टूबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि तीनों प्रारूप में होने वाली इस श्रृंखला के लिए अब तक 50000 से अधिक टिकट बिक चुके हैं। भारत छह साल के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड का दौरा करेगा, जहां वह पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'इस श्रृंखला के आम जनता के लिए टिकटों की बिक्री सोमवार को शुरू हो गई। और कई मैचों के सभी टिकट बिकने की पूरी संभावना है, जिसमें काइस्टचर्च में खेले जाने वाला दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी शामिल है, जिसके 75 प्रतिशत टिकट बिक चुके हैं।' इसमें आगे कहा गया है, ''ईडन पार्क में टिकटों की अत्यधिक मांग के कारण स्टेडियम की छठी पंक्ति की सीटों को 2019 में भारत के न्यूजीलैंड दौरे के बाद पहली बार खोला जा रहा है। भारत के खिलाफ 30 अक्टूबर को होने वाले चौथे टी20 मैच के लिए यह सीटें दर्शकों के लिए उपलब्ध रहेंगी।' न्यूजीलैंड क्रिकेट के मार्केटिंग प्रमुख टिम एलिस ने कहा कि भारतीय दौरे के लिए दर्शकों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है।

वियतनाम ओपन में तन्वी शर्मा ने रेचल चैन को सीधे सेटों में हराया

एजेंसी, हो ची मिन्ह सिटी। शीर्ष वरीय भारतीय खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बुधवार को वियतनाम ओपन 2026 के महिला एकल के अंतिम-32 मुकाबले में कनाडा की रेचल चैन को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली। बीएफडब्ल्यू विश्व टूर सुपर 100 प्रतियोगिता में तन्वी ने 36 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय किशोरी ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और लगातार दो गेम जीतकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। तन्वी इस महीने की शुरुआत में चाइना मास्टर्स 2026 में जापान की विश्व नंबर-9 टोमोका मियाजाकी के खिलाफ 66 मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 16-21 से हारकर अंतिम-16 में बाहर हो गई थीं। इससे पहले उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को 21-16, 21-17 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई थी। पिछले महीने तन्वी ने ताइपे ओपन सुपर 300 में अपना पहला बीएफडब्ल्यू विश्व टूर खिताब जीता था।

महिला एशिया कप: भारत-बांग्लादेश के बीच आज होगा पहला सेमीफाइनल

सात बार की चैंपियन भारतीय टीम का पलड़ा हर क्षेत्र में भारी

एजेंसी, दुबई

सात बार की चैंपियन भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में 10 सितंबर को मैदान में उतरेगी तो कड़ी प्रतिद्वंद्विता और दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव की पृष्ठभूमि में होने वाले इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की टीम का पलड़ा भारी रहेगा। बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव के बाद भारत और बांग्लादेश के राजनयिक संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों के बीच तनाव का असर अतीत में अक्सर क्रिकेट के मैदान पर भी देखने को मिला है और यह इस मैच में भी देखा जा सकता है। मौजूदा राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय पुरुष टीम का बांग्लादेश दौरा कई बार स्थगित हो चुका है। जहां तक क्रिकेट का सवाल है तो भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही है और सारे मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। ग्रुप चरण में भारत ने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 55 रन पर समेटकर सात विकेट से जीत हासिल की। भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत रही है और स्मृति मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ 64 गेंद में 124 रन बनाकर फिर साबित कर दिया कि उन्हें आधुनिक दौर के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में क्यों गिना जाता है।

दूसरी ओर बांग्लादेश ने यूएई को 34 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। बांग्लादेश के बल्लेबाजों को भारतीय स्पिन और तेज आक्रमण के सामने अच्छा प्रदर्शन करना होगा। गेंदबाजी में राबिया खान, नाहिदा अख्तर और मारूफा अख्तर के लिए भी भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने की कठिन चुनौती होगी।

संभावित टीमें

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालन कमलिनी (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, राधा यादव।

बांग्लादेश: निगार सुल्ताना (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उपकप्तान), दिलारा अख्तर, फरजाना एस्मिन, जुएरिया फिरदौस, शरमीन अख्तर सुप्ता, सरमीन सुल्ताना, शोभना मोस्तारी, शोरना अख्तर, रितु मोनी, फाहिमा खातून, राबिया खान, मारूफा अख्तर, सुल्ताना खातून, संजीदा अख्तर।

पावरप्ले में शेफाली वर्मा विपक्षी टीमों पर भारी

महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाली विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने टीम को अच्छी शुरुआत देकर पावरप्ले में विरोधी टीमों को दबाव में रखा है। मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत और विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने आखिरी ओवरों में अच्छे रन बनाए हैं। गेंदबाजी में भारत के पास विविधता और गहराई है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में भारत 35 महीने से टॉप पर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय टीम ने आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में नंबर-1 की पोजिशन बरकरार रखी है। ताजा रैंकिंग में उसके 116 रेटिंग पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड 109 रेटिंग के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग के साथ तीसरे नंबर पर है। भारतीय टीम सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़कर वनडे रैंकिंग में टॉप पर पहुंची थी। टीम तब से यानी पिछले 35 महीने 18 दिन से टॉप पर बरकरार है।

भारतीय क्रिकेट टीम जनवरी 2013 में एमएस. धोनी की कप्तानी में पहली बार आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 टीम बनी थी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की घरेलू वनडे सीरीज 3-2 से जीतकर यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया था।

सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़ा, तब से नंबर-1

दक्षिण अफ्रीका चौथे पाकिस्तान पांचवें पर

दक्षिण अफ्रीका मौजूदा रैंकिंग में 102 रेटिंग पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान 100 रेटिंग के साथ पांचवें और श्रीलंका 96 रेटिंग के साथ छठे नंबर पर है। इंग्लैंड 93 रेटिंग के साथ सातवें और अफगानिस्तान 92 रेटिंग के साथ आठवें स्थान पर हैं। बांग्लादेश नौवें और वेस्टइंडीज 10वें स्थान पर है।

सबालेंका और पेगुला अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं

एजेंसी, न्यूयॉर्क

एरिना सबालेंका को जब लग रहा था कि अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार तीसरा खिताब और महिला वर्ग में नंबर एक रैंकिंग बनाए रखने का उनका सपना टूट रहा है तब उन्होंने साबित किया कि वह आखिर तक हार मानने वाली नहीं हैं। सबालेंका ने मंगलवार को रोमांचक मुकाबले में विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा को 7-6 (1), 3-6, 7-6 (10-7) से हराकर अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना जेसिका पेगुला से होगा।

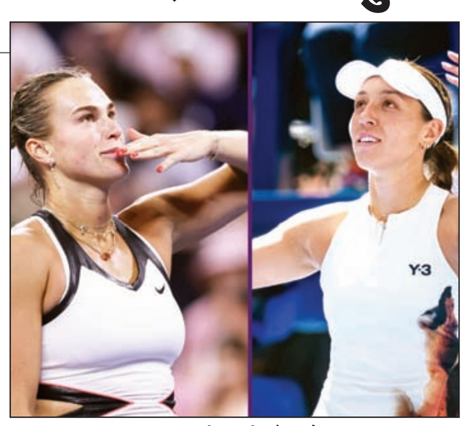

सबालेंका ने मैच के बाद कहा, 'क्या जबरदस्त मुकाबला था। वह क्या शानदार खिलाड़ी है। एक समय तो मुझे लगा कि सब कुछ खत्म हो गया है।

भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से रौंदा

कप्तान अनमोल ने किए 6 गोल, जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंची टीम

एजेंसी, मोकी

कप्तान अनमोल इक्का ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए छह गोल किए जिससे मौजूदा चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां चीनी ताइपे को 15-0 से करारी शिकस्त देकर जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह पक्की की। अनमोल ने पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदलने के अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया। भारतीय टीम पहले क्वार्टर में गोल नहीं कर पाई थी लेकिन इसके बाद उसने शानदार खेल दिखाया और दनादन गोल दागे। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ पूल ए में 10 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। दक्षिण कोरिया ने जापान को 3-2 से हराकर नौ अंक के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। जापान, इंडोनेशिया और चीनी ताइपे खिताब की दौड़ से बाहर हो गए हैं और अब वे वर्गीकरण मैचों में खेलेंगे। भारत ने पहले क्वार्टर में गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन वह ताइपे की रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रहे। भारत ने दूसरे क्वार्टर में पांच मिनट के अंदर तीन गोल किए। आर्यन जेस ने 17वें मिनट में भारत का खाता खोला, जिसके एक मिनट बाद ही प्रभदीप सिंह ने बढ़त को दोगुना कर दिया। फिर गुरसेवक सिंह ने 22वें मिनट में तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। अनमोल ने 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपना पहला गोल किया। अर्जुन संतोष हरगुडे ने 28वें मिनट में गोल दागा, जबकि अगले ही मिनट अनमोल ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला। इस तरह से भारत ने हाफ टाइम तक 6-0 की बढ़त बना ली थी।

अदाणी समूह वैश्विक कर्जदाताओं से जुटाएगा 2.5 अरब डॉलर

एजेंसी, मुंबई

एशिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शामिल गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले अदाणी समूह ने दो सीमेंट कंपनियों के अधिग्रहण के लिए लिए गए पुराने कर्ज को चुकाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए समूह पुनर्वित्त के माध्यम से वैश्विक ऋणदाताओं से करीब 2.5 अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार मामले से परिचित लोगों ने यह जानकारी दी है। यदि यह सौदा पूरा होता है तो यह इस वर्ष किसी भारतीय कंपनी द्वारा जुटाया जाने वाला सबसे बड़ा विदेशी कर्ज हो सकता है। इस वित्तीय व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य पहले लिए गए ऋण को चुकाना और समूह की वित्तीय देनदारियों को नए कर्ज के माध्यम से पुनर्गठित करना है।

कर्ज पुनर्गठन की तैयारी में समूह

अडाणी समूह लेगा दो कंपनियांअदाणी समूह ने सीमेंट क्षेत्र में अपने विस्तार के तहत दो कंपनियों के अधिग्रहण के लिए पहले बड़ी राशि उधार ली थी। अब पुराने ऋण को नए वित्तपोषण से बदलने की योजना बनाई जा रही है। इससे समूह को मौजूदा ऋण की शर्तों को पुनर्गठित करने और वित्तीय प्रबंधन को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

सीमेंट कारोबार के बाद बढ़ी कर्ज की जरूरत

इसके लिए 18 से 24 महीने की अवधि वाला ब्रिज लोन लिया जा सकता है। मामले से जुड़े लोगों ने निजी जानकारी का हवाला देते हुए अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी है। शेष राशि सहित पूरी वित्तीय योजना समूह की सीमेंट कारोबार से जुड़ी देनदारियों को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। विदेशी बाजारों से इतनी बड़ी राशि जुटाने की तैयारी ऐसे समय में हो रही है जब भारतीय कंपनियां वैश्विक ऋण बाजार का इस्तेमाल अपनी विस्तार योजनाओं और पुराने कर्ज के पुनर्वित्त के लिए कर रही हैं। अदाणी समूह के लिए यह कदम विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि सीमेंट कारोबार में किए गए बड़े अधिग्रहण के बाद समूह की वित्तीय संरचना में कर्ज की भूमिका बढ़ी है। हालांकि रिपोर्ट में प्रस्तावित वित्तीय व्यवस्था से जुड़ी अंतिम शर्तों और ऋणदाताओं के नामों की जानकारी सामने नहीं आई है।

दो दिन में सोना 1210 रुपए महंगा

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ते रुझान के कारण सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेजी दर्ज की गई। मंगलवार को 10 ग्राम सोने के भाव में 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई। पिछले दो दिनों में 24 कैरेट सोना 1,210 रुपये और 22 कैरेट सोना 1,110 रुपये तक महंगा हो चुका है। इसके विपरीत औद्योगिक मांग में सुस्ती और बिकवाली के दबाव के कारण चांदी की कीमतों में गिरावट आई। दिल्ली और मुंबई जैसे प्रमुख महानगरों में एक किलो चांदी 100 रुपये सस्ती होकर 2,49,900 रुपये के स्तर पर पहुंच गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार सर्राफा बाजार की आगे की दिशा इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। गुरुवार को अमेरिकी उत्पादक मूल्य सूचकांक और शुक्रवार को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़े जारी होने हैं। इन आंकड़ों से अमेरिकी केंद्रीय बैंक की आगामी बैठक में ब्याज दरों को लेकर रुख स्पष्ट होने की उम्मीद है। निवेशक इसी कारण बाजार में सतर्कता बरत रहे हैं। देश के अलग-अलग शहरों में सोने-चांदी की कीमतों में मामूली अंतर बना हुआ है। चेन्नई में एक किलो चांदी का भाव 2,54,900 रुपये दर्ज किया गया। वैश्विक बाजार के संकेतों और अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों से पहले कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

सेंसेक्स 533 अंक टूटा निफ्टी भी 135 अंक फिसला

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को कमजोर वैश्विक संकेतों और चौतरफा बिकवाली के कारण भारी गिरावट देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 533 अंक टूटकर 75,044 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 135 अंक गिरकर 23,498 के आसपास कारोबार करता नजर आया। बाजार में दबाव का प्रमुख कारण आईटी, बैंकिंग, वाहन और सेवा क्षेत्र के शेयरों में हुई व्यापक बिकवाली रही। अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान में कारोबार करते दिखाई दिए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है और ब्रेंट क्रूड करीब 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के आसपास पहुंच गया है। इससे महंगाई और कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। दूसरी ओर तेजी से बढ़ते आरंभिक सार्वजनिक निर्गम बाजार ने भी शेयर बाजार की तरलता को प्रभावित किया है।

अमेरिका-ईरान तनाव और महंगे कच्चे तेल ने भारतीय बाजार की बढ़ाई चिंता।

आकर्षक सूचीबद्धता लाभ के कारण निवेशकों का पैसा नए निर्गमों की ओर जा रहा है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, टीसीएस और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में गिरावट रही। हालांकि एलएंडटी, एनटीपीसी, सन फार्मा, टाटा स्टील और पावर ग्रिड में सीमित खरीदारी देखने को मिली। एशियाई बाजारों के मिले-जुले रुख और अमेरिकी बाजारों की पिछली कमजोरी का असर भी घरेलू बाजार की धारणा पर पड़ा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने दबाव और बढ़ा दिया।

2026 के अंत तक शुरू हो सकती है सैटेलाइट इंटरनेट सेवा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा नीतिगत कदम उठाया गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अंतर-मंत्रालयी सचिवों के उच्चस्तरीय समूह ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण की ओर से दी गई सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। सैटेलाइट स्पेक्ट्रम के आवंटन को लेकर अब इस प्रस्ताव को अंतिम स्वीकृति के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष भेजा जाएगा। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद भारत में वाणिज्यिक सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करने का रास्ता और अधिक स्पष्ट हो जाएगा।

स्पेक्ट्रम आवंटन के प्रशासनिक तरीके को लेकर लंबे समय से बहस चल रही थी। एलन मस्क की स्टारलिंक समेत कई कंपनियां प्रशासनिक आधार पर स्पेक्ट्रम आवंटन की व्यवस्था का समर्थन करती रही हैं। दूसरी ओर, रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी घरेलू दूरसंचार कंपनियां स्पेक्ट्रम की खुली नीलामी की मांग कर रही थीं। उनका तर्क था कि नीलामी से प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी और सभी कंपनियों के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जा सकेगी।

दुर्गम इलाकों में तेज इंटरनेट पहुंचाएगा सैटेलाइट नेटवर्क

भारत में सैटेलाइट इंटरनेट क्षेत्र में कई प्रमुख कंपनियां पहले ही अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं। स्टारलिंक, यूटेलसैट वनवेब और रिलायंस जियो के पास वैश्विक मोबाइल व्यक्तिगत संचार उपग्रह सेवा से संबंधित वाणिज्यिक लाइसेंस मौजूद हैं। हालांकि, सेवाएं शुरू करने से पहले स्पेक्ट्रम आवंटन, सुरक्षा संबंधी मंजूरियों और अन्य नियामकीय औपचारिकताओं को पूरा करना जरूरी होगा। उद्योग जगत के जानकारों के अनुसार, यदि केंद्रीय मंत्रिमंडल से प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है और शेष औपचारिकताएं समय पर पूरी होती हैं तो वर्ष 2026 के मध्य या अंतिम चरण में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं की शुरुआत हो सकती है। इसका सबसे बड़ा लाभ देश के उन दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों को मिलने की उम्मीद है, जहां पारंपरिक दूरसंचार नेटवर्क पहुंचाना कठिन है। सैटेलाइट इंटरनेट के माध्यम से पहाड़ी, ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में तेज इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

निसान ने दिल्ली-एनसीआर में खोले 13 नए टचपॉइंट्स

एजेंसी, नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया ने दिल्ली-एनसीआर में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए मथुरा रोड पर नया अत्याधुनिक ब्राइट निसान शोरूम शुरू किया है। करीब 7 हजार वर्ग फीट में बने इस शोरूम में आठ कारें प्रदर्शित करने की सुविधा है। कंपनी के अनुसार यह सितंबर में दिल्ली-एनसीआर में खोले जा रहे 13 नए टचपॉइंट्स में शामिल है। नेटवर्क विस्तार के बाद क्षेत्र में निसान के टचपॉइंट्स की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। कंपनी का कहना है कि नए शोरूम के जरिए ग्राहकों को बेहतर बिक्री और सेवा अनुभव मिलेगा। शोरूम में प्रशिक्षित बिक्री एवं सेवा कर्मचारियों की व्यवस्था की गई है। निसान ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर जैसे महत्वपूर्ण बाजार में नेटवर्क मजबूत होने से ग्राहकों के लिए कंपनी की कारों और सेवाओं तक पहुंच आसान होगी।

यूईएफए चैंपियंस लीग | 35 रुपए किलो प्याज से उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

महंगे प्याज से राहत देगा नाफेड

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के विभिन्न बाजारों में प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए, सरकारी एजेंसियों ने रियायती दरों पर इसकी आपूर्ति तेज कर दी है। नाफेड और एनसीसीएफ ने इस सीजन में अब तक करीब 1.10 लाख मीट्रिक टन प्याज की खरीद की है। इसमें से लगभग 3,200 मीट्रिक टन प्याज दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता और लखनऊ जैसे प्रमुख शहरों में भेजा जा चुका है। उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए फिलहाल मोबाइल वैन, आधुनिक बाजारों और नाफेड के खुदरा माध्यमों से प्याज 35 रुपये प्रति किलो की दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

नाफेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक आनंद मोहन के अनुसार, संस्था अब रियायती प्याज की पहुंच को डिजिटल माध्यमों तक बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए ब्लिंकिट, जेप्टो और बिगबास्केट जैसे त्वरित आपूर्ति मंचों से बातचीत चल रही है। हालांकि प्याज की अंतिम बिक्री कीमत और मंचों की कमीशन नीति को लेकर कुछ तकनीकी तथा मूल्य निर्धारण से जुड़े मुद्दे अभी सुलझाए जाने बाकी हैं। इन मुद्दों पर सहमति बनने के बाद ऑनलाइन माध्यम से भी उपभोक्ताओं को सस्ता प्याज उपलब्ध कराने की योजना है।

सरकारी एजेंसियों की यह पहल ऐसे समय में महत्वपूर्ण मानी जा रही है जब कई बाजारों में प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी से आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। रियायती दर पर प्याज की उपलब्धता बढ़ने से खुदरा बाजार में कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है। बड़े शहरों में आपूर्ति बढ़ाने के साथ सरकारी एजेंसियां उपभोक्ताओं तक सीधे पहुंच बनाने पर भी जोर दे रही हैं।

नाफेड अब अपने खुदरा कारोबार का विस्तार भी कर रहा है। संस्था के वाणिज्यिक खुदरा पोर्टफोलियो में 100 से अधिक उत्पाद शामिल हैं। पिछले वर्ष करीब 42 करोड़ रुपये के खुदरा कारोबार के मुकाबले इस वर्ष 100 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को महंगाई से राहत देने के लिए नाफेड अपने आउटलेट्स के माध्यम से चीनी भी उपलब्ध करा रहा है। चीनी की बिक्री बिना लाभ और बिना नुकसान के आधार पर 60 रुपये प्रति किलो की दर से की जा रही है। इस तरह प्याज और चीनी की रियायती बिक्री के माध्यम से नाफेड आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर राहत देने की दिशा में काम कर रहा है।